Each directory should have a file called README bib.txt. with bibliographic entry with following details:-

i. Discipline : **Jain Darshan**

ii. Name of the text : **Uttarādhyayanasūtrr**

iii. Editor : **Muni Mishrimal ji Maharaj**

File named "README_type_log.txt" containing the following details:-

i. Name of the institute : **Jaipur Campus**

ii. (a) Principal Investigator : **Prof. Radhavallabh Tripathi**

(b) Investigator : **Prof. R. Devnathan**

(c) Co-investigator : **Dr. Shukla Mukherjee**

(d) Editor : **Dr. Shriyansh kumar singhai**

iii. Name of the typist : **Ramprasad Jajoriya**

iv. Completion date of data entry : **13.11.2009**

v. Name of the proof reader : **Dr. Shriyansh kumar singhai**

vi. Completion date of proof reading : **21.01.2010**

vii. Name of the approval authority from
Rashtriya Sanskrit Sansthan : **Prof. Arknath Choudhary**

viii. Date of approval : **22.03.2010**

उत्तरज्झयणाणि

(उत्तराध्ययनसूत्रम्)

सम्पादक

मुनि मिश्रीमलजी महाराज

विषय सूची

		गाहाओ
पढमं अज्झयणं	विणयसुत्तं	1-48
बीयं अज्झयणं	परीसह पविभत्ती	गद्यभागो+1-45
तइअं अज्झयणं	चाउरंगिज्जं	1-20
चउत्थं अज्झयणं	असंखयं	1-13
पंचम अज्झयणं	अकाम मरणिज्जं	1-32
छट्ठज्झयणं	खुड्डागनियं ठिज्जं	1-18
सत्तमं अज्झयणं	उरब्भिज्जं	1-30
अट्ठमं अज्झयणं	काविलीयं	1-20
नवमं अज्झयणं	नमिपव्वज्जा	1-62
दसमं अज्झयणं	दुमपत्तयं	1-37
इक्कारसमं अज्झयणं	बहुस्सुयपूया	1-31
बारसमं अज्झयणं	हरिएसिज्ज	1-47
तेरसमं अज्झयणं	चित्तसंभूइज्जं	1-35
चउदसमं अज्झयणं	उसुयारिज्जं	1-53
पनरसमं अज्झणं	सभिक्खुयं	1-16
सोलसमं अज्झयणं	बंभचेरसमाहिठाणं	गद्यभागो+1-17
सत्तरसमं अज्झयणं	पावसमणिज्जं	1-21
अट्ठारसमं अज्झयणं	संजइज्जं	1-54
एगूणविंसइम अज्झयणं	मियापुत्तिज्जं	1-98
विंसइमं अज्झयणं	महानियंठिज्जं	1-60

एगविंसइमं अज्झयणं	समुद्दपालीयं	1-24
बाइसमं अज्झयणं	रहनेमिज्जं	1-51
तेविंसइमं अज्झयणं	केसिगोयमिज्जं	1-89
चउवीसइमं अज्झयणं	पवयणमाया	1-27
पंचविंसइमं अज्झयणं	जन्नइज्जं	1-45
छव्वीसइमं अज्झयणं	सामायरी	1-53
सत्तावीसइमं अज्झयणं	खलुंकिज्जं	1-17
अट्ठावीसइमं अज्जयणं	मोक्खमग्गई	1-36
एगुणतीसइमं अज्झयणं	समत्तपरक्कमे	गद्यभागो
तीसइमं अज्झयणं	तवमग्गगई	1-37
एगतीसइमं अज्झयणं	चरणविही	1-21
बत्तीसइमं अज्झयणं	पमायट्ठाणं	1-111
तेत्तीसइमं अज्झयणं	कम्मपयडी	1-25
चउतीसइमं अज्झयणं	लेसज्झयणं	1-61
पणतीसइमं अज्झयणं	अणगारमग्गगई	1-21
छत्तीसइमं अज्झयणं	जीवाजीवविभत्ती	1-268

पढमं अज्झयणं

विणयसुत्तं

संजोगा विप्पमुक्कस्स, अणगारस्स भिक्खुणो।

विणयं पाउकरिस्सामि, आणुपुव्विं सुणेह मे॥1॥

आणानिद्देसकरे, गुरूणमुववायकारए।

इंगियागारसंपन्ने, से 'विणीए' त्ति वुच्चई॥2॥

आणानिद्देसकरे, गुरूणमणुववायकारए।

पडिणीए असंबुद्धे, 'अविणीए' त्ति वुच्चई॥3॥

जहा सुणी पूइकण्णी, निक्कसिज्जइ सव्वसो।

एवं दुस्सीलपडिणीए, मुहरी निक्कसिज्जई॥4॥

कणकुण्डगां चइत्ताणं, विट्ठं भुंजइ सूयरे।

एवं सीलं चइत्ताणं, दुस्सीले रमई मिए॥5॥

सुणियाभावं साणस्स, सूयरस्स नरस्स य।

विणए ठवेज्ज अप्पाणं, इच्छन्तो हियमप्पणो॥6॥

तम्हा विणयमेसेज्जा, सीलं पडिलभे जओ।

बुद्धपुत्त नियागट्ठी, न निक्कसिज्जइ कण्हुई॥7॥

निसन्ते सियामुहरी, बुद्धाणं अन्तिए सया।

अट्ठजुत्ताणि सिक्खेज्जा, निरट्ठाणि उ वज्जए॥8॥

अणुसासिओ न कुप्पेज्जा, खंतिं सेवेज्ज पण्डिए।

खुड्डेहिं सह संसग्गिं, हासं कीडं च वज्जए॥9॥

मा य चण्डालियं कासी, बहुयं मा य आलवे।

कालेण य अहिज्जित्ता, तओ झाएज्ज एगगो॥10॥

आहच्च चण्डालियं कट्टु, न निण्हविज्ज कयाइ वि।

कंड 'कडे' भासेज्जा, अकडं 'नो कडे' य॥11॥

मा गलियस्सेव कसं, वयणमिच्छे पुणो पुणो।

कसं व दट्ठुमाइण्णे, पावगं परिवज्जए॥12॥

अणासवा थूलवया कुसीला, मिउं पि चण्डं पकरेंति सीसा।

चित्ताणुया लहु दक्खोववेया, पसायए ते हु दुरासयं पि॥13॥

नापुट्ठो वागरे किंचि, पुट्ठो वा नालियं वए।

कोहं असच्चं कुव्वेज्जा, धारेज्जा पियमप्पियं॥14॥

अप्पा चेव दमेयव्वो, अप्पा हु खलु दुद्दमो।

अप्पा दन्तो सुही होइ, अस्सिं लोए परत्थ य॥15॥

वरं मे अप्पा दन्तो, संजमेण तवेण य।

माहं परेहि दम्मन्तो. बन्धणेहि वहेहि य॥16॥

पडिणीयं च बुद्धाणं, वाया अदुव कम्मुणा।

आवी वा जइ वा रहस्से, नेव कुज्जा कयाइ वि॥17॥

न पक्खओ न पुरओ, नेव किच्चाण पिट्ठओ।

न जुंजे ऊरुणा ऊरुं, सयणे नो पडिस्सुणे॥18॥

नेव पल्हत्थियं कुज्जा, पक्खपिण्डं व संजए।

पाए पसारिए वावि, न चिट्ठे गुरुणन्तिए॥19॥

आयरिएहिं वाहिन्तो, तुसिणीओ न कयाइ वि।

पसाय पेडी नियागट्ठी, उवचिट्ठे गुरुं सया॥20॥

आलवन्ते लवन्ते वा, न निसीएज्ज कयाइ वि।

चइऊणमासणं धीरो, जओ जत्तं पडिस्सुणे॥21॥

आसण गओ न पुच्छेज्जा, नेव सेज्जा गओ कया।

आगम्मुक्कुडुओ सन्तो, पुच्छेज्जा पंजलीउडो॥22॥

एवं विणय जुत्तस्स सुत्तं अत्थं च तदुभयं।

पुच्छमाणस्स सीसस्स वागरेज्ज जहासुयं॥23॥

मुसं परिहरे भिक्खू न य ओहारिणिं वए।

भासादोसं परिहरे मायं च वज्जए सया॥24॥

न लवेज्ज पुट्ठो सावज्जं न निरट्ठं न मम्मयं।

अप्पणट्ठा परट्ठा वा उभयस्सन्तरेण वा॥25॥

समरेसु अगारेसु सन्धीसु य महापहे।

एगो एगित्थिए सद्धिं नेव चिट्ठे न संलवे॥26॥

जं मे बुद्धाणुसासन्ति सीएण फरुसेण वा।

'मम लाभो' त्ति पेहाए पयओ तं पडिस्सुणे॥27॥

अणुसासणमोवायं दुक्कडस्स य चोयणं।

हियं तं मन्नए पण्णो वेसं होइ असाहुणो॥28॥

हियं विगयभया बुद्धा फरुसं पि अणुसासणं।

वेसं तं होइ मूढाणं खन्तिसोहिकरं पयं॥29॥

आसणे उवचिट्ठेज्जा अणुच्चे अकुए थिरे।

अप्पुट्ठाई निरुट्ठाई निसीएज्जप्पकुक्कुए॥30॥

कालेण निक्खमे भिक्खू कालेण य पडिक्कमे।

अकालं च विवज्जित्ता काले कालं समायरे॥31

परिवाडीए न चिट्ठेज्जा भिक्खू दत्तेसणं चरे।

पडिरूवेण एसित्ता मियं कालेण भक्खए॥32॥

नाइदूरमणासन्ने नन्नेसिं चक्खु फासओ।

एगो चिट्ठेज्ज भत्तट्ठा लंघिया तं नइक्कमे॥33॥

नाइउच्चे व नीए वा नासन्ने नाइदूरओ।

फासुयं परकडं पिण्डं पडिगाहेज्ज संजए॥34॥

अप्पपाणेप्पबीयंमि पडिच्छन्नंमि संवुडे।

समयं संजए भुंजे जयं अपरिसाडियं॥35॥

सुकडे सुपक्के त्ति सुच्छिन्ने सुहडे मडे।

सुणिट्ठिए सुलट्ठे त्ति सावज्जं वज्जए मुणी॥36॥

रमए पण्डिए सासं हयं भद्दं व वाहए।

बालं सम्मइ सासन्तो गलियस्सं व वाहए॥37॥

'खड्डुया मे चवेडा मे अक्कोसा य वहा य मे।'

कल्लाणमणुसासन्तो पावदिट्ठि त्ति मन्नई॥38॥

'पुत्तो मे भाय नाइ' त्ति साहू कल्लाण मन्नई।

पावदिट्ठी उ अप्पाणं सासं 'दासं व' मन्नई॥39॥

न कोवए आयरियं, अप्पाणं पि न कोवए।

बुद्धोवघाई न सिया, न सिया तोत्तगवेसए॥40॥

आयरियं कुवियं नच्चा पत्तिएण पसायए।

विज्झवेज्ज पंजलिउडो वएज्ज 'न पुणो' त्ति य॥41॥

धम्मज्जियं च ववहारं बुद्धेहायरियं सया।

तमायरन्तो ववहारं गरहं नाभिगच्छई॥42॥

मणोगयं वक्कगयं जाणित्ता आयरियस्स उ।

तं परिगिज्झ वायाए कम्मुणा उववायए॥43॥

वित्ते अचोइए निच्चं खिप्पं हवइ सुचोइए।

जहोवइट्ठं सुकयं किच्चाइं कुव्वई सया॥44॥

नच्चा नमइ मेहावी लोए कित्ती से जायए।

हवई किच्चाणं सरणं भूयाणं जगई जहा॥45॥

पुज्जा जस्स पसीयन्ति संबुद्धा पुव्वसंथुया।

पसन्ना लाभइस्सन्ति विउलं अट्ठियं सुयं॥46॥

स पुज्जसत्थे सुविणीयसंसए मणोरुई चिट्ठइ कम्मसंपया।

तवोसमायारिसमाहिसंवुडे महज्जुई पंच वयाइं पालिया॥47॥

स देवगन्धव्वमणुस्सपूइए चइत्तु देहं मलपंकपुव्वयं।

सिद्धे वा हवइ सासए देवे वा अप्परए महिड्ढिए॥48॥

-त्तिबेमि।

बीयं अज्झयणं

परीसह पविभत्ती

सुयं मे, आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं -

इह खलु बावीसं परीसहा समणेणं भगवया महावीरेणं कासवेणं पवेइया, जे भिक्खू सोच्चा, नच्चा, जिच्चा, अभिभूय भिक्खायरियाए परिव्वयन्तो पुट्ठो नो विहन्नेज्जा।

कयरे खलु ते बावीसं परीसहा समणेणं भगवया महावीरेणं कासवेणं पवेइया, जे भिक्खू सोच्चा, नच्चा, जिच्चा, अभिभूय भिक्खायरियाए परिव्वयन्तो पुटठो नो विहन्नेज्जा ?

इमे खलु ते बावीसं परीसहा समणेणं भगवया महावीरेणं कासवेणं पवेइया, जे भिक्खू सोच्चा, नच्चा, जिच्चा, अभिभूय, भिक्खायरियाए परिव्वयन्तो पुट्ठो नो विहन्नेज्जा, तं जहा -

१ दिगिंछापरीसहे २ पिवासापरीसहे ३ सीयपरीसहे ४ उसिणपरीसहे ५ दंसमसयपरीसहे ६ अचेलपरीसहे ७ अरइपरीसहे ८ इत्थीपरीसहे ९ चरियापरीसहे १० निसीहियापरीसहे ११ सेज्जापरीसहे १२ अक्कोसपरीसहे १३ वहपरीसहे १४ जायणापरीसहे १५ अलाभपरीसहे १६ रोगपरीसहे १७ तणफासपरीसहे १८ जल्लपरीसहे १९ सक्कारपुरक्कारपरीसहे २० पन्नापरीसहे २१ अन्नाणपरीसहे २२ दंसणपरीसहे।

परीसहाणं पविभत्ती कासवेणं पवेइया।
तं भे उदाहरिस्सामि आणुपुव्विं सुणेह मे॥1॥

दिगिंछापरिगए देहे तवस्सी भिक्खु थामवं।
न छिन्दे, न छिन्दावए न पाए, न पयावए॥2॥

कालीपव्वंगसंकासे किसे धमणिसंतए।

मायन्ने असणपाणस्स अदीणमणसो चरे॥3॥

तओ पुट्ठो पिवासाए दोगुंछी लज्जसंजए।

सीओदगं न सेविज्जा वियडस्सेसणं चरे॥4॥

छिन्नावाएसु पन्थेसु आउरे सुपिवासिए।

परिसुक्कमुहे दीणे तं तितिक्खे परीसहं॥5॥

चरन्तं विरयं लूहं सीयं फुसइ एगया।

नाइवेलं मुणी गच्छे सोच्चाणं जिणसासणं॥6॥

'न मे निवारणं अत्थि छबित्ताणं न विज्जई।

'अहं तु अग्गिं सेवामि' इइ भिक्खू न चिन्तए॥7॥

उसिण परियावेणं परिदाहेण तज्जिए।

घिंसु वा परियावेणं सायं नो परिदेवए॥8॥

उण्हाहितत्ते मेहावी सिणाणं नो वि पत्थए।

गायं नो परिसिंचेज्जा न वीएज्जा य अप्पयं॥9॥

पुट्ठो य दंसमसएहिं समरेव महामुणी।

नागो संगाम सीसे वा सूरो अभिहणे परं॥10॥

न संतसे न वारेज्जा मणं पि न पओसए।

उवेहे न हणे पाणे भुंजंते मंस सोणियं॥11॥

‘परिजुण्णेहि वत्थेहिं होक्खामि त्ति अचेलए।’

अदुवा सचेलए होक्खं, इइ भिक्खू न चिंतए॥12॥

‘एगयाचेलए होइ सचेले यावि एगया।’

एयं धम्महियं नच्चा नाणी नो परिदेवए॥13॥

गामाणुगामं रीयन्तं अणगारं अकिंचणं।

अरई अणुप्पविसे तं तितिक्खे य परीसहं॥14॥

अरइं पिट्ठओ किच्चा विरए आय रक्खिए।

धम्मारामे निरारम्भे उवसन्ते मुणी चरे॥15॥

‘संगो एस मणुस्साणं जाओ लोगम्मि इत्थिओ।’

जस्स एया परिन्नाया सुकडं तस्स सामण्णं॥16॥

एवमादाय मेहावी ‘पंकभूया उ इत्थिओ’।

नो ताहिं विणिहन्नेज्जा चरेज्जात्तगवेसए॥17॥

एग एव चरे लाढे अभिभूय परीसहे।

गामे वा नगरे वावि निगमे वा रायहाणिए॥18॥

असमाणो चरे भिक्खू नेव कुज्जा परिग्गहं।

असंसत्तो गिहत्थेहिं अणिएओ परिव्वए॥19॥

सुसाणे सुन्नगारे वा रुक्ख मूले व एगओ।

अकुक्कुओ निसीएज्जा न य वित्तासए परं॥20॥

तत्थ से चिट्ठमाणस्स उवसग्गाभिधारए।

संकाभीओ न गच्छेज्जा उट्ठित्ता अन्नमासणं॥21॥

पइरिक्कुवस्सयं लद्धुं कल्लाणं अदु पावगं।

'किमेगरायं करिस्सइ' एवं तत्थाहियासए॥22॥

अक्कोसेज्ज परो भिक्खुं न तेसिं पडिसंजले।

सरिसो होइ बालाणं तम्हा भिक्खू न संजले॥23॥

सोच्चाणं फरुसा भासा दारुणा गाम कण्टगा।

तुसिणीओ उवेहेज्जा न ताओ मणसीकरे॥24॥

हओ न संजले भिक्खू मणं पि न पओसए।

तितिक्खं परमं नच्चा भिक्खू धम्मं विचिंतए॥25॥

समणं संजयं दंतं हणेज्जा कोई कत्थई।

'नत्थि जीवस्स नासु' त्ति एवं पेहेज्ज संजए॥26॥

दुक्करं खलु भो निच्चं अणगारस्स भिक्खुणो।

सव्वं से जाइयं होइ नत्थि किंचि अजाइयं॥27॥

गोयरग्गपविट्ठिस्स पाणी नो सुप्पसारए।

'सेओ अगारवासु' इह भिक्खू न चिंतए॥28॥

परेसु घासमेसेज्जा भोयणे परिणिट्ठिए।

लद्धे पिण्डे अलद्धे वा नाणुतप्पेज्ज संजए॥29॥

‘अज्जेवाहं न लब्भामि अवि लाभो सुए सिया।’

जो एवं पडिसंचिक्खे अलाभो तं न तज्जए॥30॥

नच्चा उप्पइयं दुक्खं वेयणाए दुहट्टिए।

अदीणो थावए पन्नं पुट्ठो तत्थाहियासए॥31॥

तेगिच्छं नाभिनन्देज्जा संचिक्खात्तगवेसए।

एवं खु तस्स सामण्णं जं न कुज्जा, न कारवे॥32॥

अचेलगस्स लूहस्स संजयस्स तवस्सिणो।

तणेसु सयमाणस्स हुज्जा गाय विराहणा॥33॥

आयवस्स निवाएणं अउला हवइ वेयणा।

एवं नच्चा न सेवंति तंतुजं तण तज्जिया॥34॥

किलिन्नगाए मेहावी पंकेण व रएण वा।

घिंसु वा परितावेण सायं नो परिदेवए॥35॥

वेएज्ज निज्जरा पेही आरियं धम्ममणुत्तरं।

जाव सरीरभेउ त्ति जल्लं काएण धारए॥36॥

अभिवायणमब्भुट्ठाणं सामी कुज्जा निमंतणं।

जे ताइं पडिसेवंति न तेसिं पीहए मुणी॥37॥

अणुक्कसाई अप्पिच्छे अन्नाएसी अलोलुए।

रसेसु नाणुगिज्झेज्जा नाणुतप्पेज्ज पन्नवं॥38॥

‘ से नूणं मए पुव्वं कम्माणाणफला कडा।

जेणाहं नाभिजाणामि पुट्ठो केणइ कण्हुई ’॥39॥

‘ अह पच्छा उइज्जन्ति कम्माणाणफला कडा। ’

एवमस्सासि अप्पाणं नच्चा कम्मविवागयं॥40॥

‘ निरट्ठगम्मि विरओ मेहुणाओ सुसंवुडो।

जो सक्खं नाभिजाणामि धम्मं कल्लाणपावगं ’॥41॥

‘ तवोवहाणमादाय पडिमं पडिवज्जओ।

एवं पि विहरओ मे छउमं न नियट्टई ’॥42॥

‘ नत्थि नूणं परे लोए इड्ढी वावि तवस्सिणो।

अदुवा वंचिओ मि ’ त्ति इइ भिक्खू न चिन्तए॥43॥

‘अभू जिणा अत्थि जिणा अदुवावि भविस्सई।

मुसं ते एवमाहंसु’ इइ भिक्खू न चिन्तए॥44॥

एए परीसहा सव्वे कासवेण पवेइया।

जे भिक्खू न विहन्नेज्जा पुट्ठो केणइ कण्हुई॥45॥

-त्ति बेमि।

तइअं अज्झयणं

चाउरंगिज्जं

चत्तारि परमंगाणि दुल्लहाणीह जन्तुणो।

माणुसत्तं सुई सद्धा संजमम्मि य वीरियं॥1॥

समावन्नाण संसारे नाणा गोत्तासु जाइसु।

कम्मा नाणा विहा कट्टु पुढो विस्संभिया पया॥2॥

एगया देवलोएसु नरएसु वि एगया।

एगया आसुरं कायं आहाकम्मेहिं गच्छई॥3॥

एगया खत्तिओ होई तओ चण्डाल वोक्कसो।

तओ कीड पयंगो य तओ कुन्थु पिवीलिया॥4॥

एवमावट्ट जोणीसु पाणिणो कम्मकिब्बिसा।

न निविज्जन्ति संसारे सव्वट्ठेसु व खत्तिया॥5॥

कम्म संगेहिं सम्मूढा दुक्खिया बहु वेयणा।

अमाणुसासु जोणीसु विणिहम्मन्ति पाणिणो॥6॥

कम्माणं तु पहाणाए आणुपुव्वी कयाइ उ ।

जीवा सोहिमणुप्पत्ता आययन्ति मणुस्सयं॥7॥

माणुस्सं विग्गहं लद्धुं सुई धम्मस्स दुल्लहा।

जं सोच्चा पडिवज्जन्ति तवं खन्तिमहिंसयं॥8॥

आहच्च सवणं लद्धुं सद्धा परमदुल्लहा।

सोच्चा नेआउयं मग्गं बहवे परिभस्सई॥9॥

सुइं च लद्धुं सद्धं च वीरियं पुण दुल्लहं।

बहवे रोयमाणा वि नो एणं पडिवज्जए॥10॥

माणुसत्तंमि आयाओ जो धम्मं सोच्च सद्दहे।

तवस्सी वीरियं लद्धुं संवुडे निद्धुणे रयं॥11॥

सोही उज्जुयभूयस्स धम्मो सुद्धस्स चिट्ठई।

निव्वाणं परमं जाइ घय सित्तव्व पावए॥12॥

विगिंच कम्मुणो हेउं जसं संचिणु खन्तिए।

पाढवं सरीरं हिच्चा उड्ढं पक्कमई दिसं॥13॥

विसालिसेहिं सीलेहिं जक्खा उत्तरउत्तरा।

महासुक्का व दिप्पन्ता मन्ननन्ता अपुणच्चवं॥14॥

अप्पिया देवकामाणं कामरूवावि उव्विणो।

उड्ढं कप्पेसु चिट्ठन्ति पुव्वा वाससया बहू॥15॥

तत्थ ठिच्चा जहाठाणं जक्खा आउक्खए चुया।

उवेन्ति माणुसं जोणिं से दसंगेभिजायई॥16॥

खेत्तं वत्थुं हिरण्णं च पसवो दासपोरुसं।

चत्तारि कामखन्धाणि तत्थ से उववज्जई॥17॥

मित्तवं नायवं होइ उच्चगोए य वण्णवं।

अप्पायंके महापन्ने अभिजाए जसोबले॥18॥

भोच्चा माणुस्सए भोए अप्पडिरूवे अहाउयं।

पुव्वं विसुद्ध सद्धम्मे केवलं बोहि बुज्झिया॥19॥

चउरंगं दुल्लहं नच्चा संजमं पडिवज्जिया।

तवसा धुयकम्ममंसे सिद्धे हवइ सासए॥20॥

-त्ति बेमि।

चउत्थं अज्झयणं

असंखयं

असंखयं जीविय मा पमायए जरोवणीयस्स हु नत्थि ताणं।
एवं वियाणाहि जणे पमत्ते किण्णू विहिंसा अजया गहिन्ति॥1॥

जे पावकम्मेहिं धणं मणुस्सा समाययन्ती अमइं गहाय।
पहाय ते पासपयट्टिए नरे वेराणुबद्धा नरयं उवेन्ति॥2॥

तेणे जहा सन्धिमुहे गहीए सकम्मुणा किच्चइ पावकारी।
एवं पया पेच्च इहं च लोए कडाण कम्माण न मोक्ख अत्थि॥3॥

संसारमावन्न परस्स अट्ठा साहारणं जं च करेइ कम्मं।
कम्मस्स ते तस्स उ वेयकाले न बन्धवा बन्धवयं उवेन्ति॥4॥

वित्तेण ताणं न लभे पमत्ते इमम्मि लोए अदुवा परत्था।
दीवप्पणट्ठे व अणन्त मोहे नेयाउयं दट्ठुमदट्ठुमेव॥5॥

सुत्तेसु यावी पडिबुद्ध जीवी न वीससे पण्डिए आसु पन्ने।
घोरा मुहुत्ता अबलं सरीरं भारण्ड पक्खी व चरेप्पमत्तो॥6॥

चरे पयाइं परिसंकमाणो जं किंचि पासं इह मण्णमाणो।
लाभन्तरे जीविय वूहइत्ता पच्छा परिन्नाय मलावधंसी॥7॥

छन्दं निरोहेण उवेइ मोक्खं आसे जहा सिक्खिय वम्मधारी।
पुव्वाइं वासाइं चरेप्पमत्तो तम्हा मुणी खिप्पमुवेइ मोक्खं॥8॥

स पुव्वमेवं न लभेज्ज पच्छा एसोवमा सासय वाइयाणं।

विसीयई सिढिले आउयम्मि कालोवणीए सरीरस्स भेए॥9॥

खिप्पं न सक्केइ विवेगमेउं तम्हा समुट्ठाय पहाय कामे।

समिच्च लोयं समया महेसी अप्पाण रक्खी चरमप्पमत्तो॥10॥

मुहुं मुहुं मोहगुणे जयन्तं अणेगरूवा समणं चरन्तं।

फासा फुसन्ती असमंजसं च न तेसु भिक्खू मणसा पउस्से॥11॥

मन्दा य फासा बहु लोहणिज्जा तहप्पगारेसु मणं न कुज्जा।

रक्खेज्ज कोहं, विणएज्ज माणं मायं न सेवे, पयहेज्ज लोहं॥12॥

जे संखया तुच्छ परप्पवाई ते पिज्ज दोसाणुगया परज्झा।

एए 'अहम्मे ' दुगुंछमाणो कंखे गुणे जाव सरीर भेओ॥13॥

-त्ति बेमि।

पंचम अज्झयणं

अकाम मरणिज्जं

अण्णवंसि महोहंसि एगे तिण्णे दुरुत्तरे।

तत्थ एगे महापन्ने इमं पट्ठमुदाहरे॥1॥

सन्तिमे य दुवे ठाणा अक्खाया मारणन्तिया।

अकाममरणं चेव सकाममरणं तहा॥2॥

बालाणं अकामं तु मरणं असइं भवे।

पण्डियाणं सकामं तु उक्कोसेण सइं भवे॥3॥

तत्थिमं पढमं ठाणं महावीरेण देसियं।

कामगिद्धे जहा बाले भिसं कूराइं कुव्वई॥4॥

जे गिद्धे कामभोगेसु एगे कूडाय गच्छई।

'न मे दिट्ठे परे लोए चक्खू दिट्ठा इमा रई '॥5॥

' हत्थागया इमे कामा कालिया जे अणागया।

को जाणइ परे लोए अत्थि वा नत्थि वा पुणो '॥6॥

' जणेण सद्धिं होक्खामि ' इइ बाले पगब्भई।

कामभोगाणुराएणं केसं संपडिवज्जई॥7॥

तओ से दण्डं समारभई तसेसु थावरेसु य।

अट्ठाए य अणट्ठाए भूयग्गामं विहिंसई॥8॥

हिंसे बाले मुसावाई माइल्ले पिसुणे सढे।

भुंजमाणे सुरं मंसं सेयमेयं ति मन्नई॥9॥

कायसा वयसा मत्ते वित्ते गिद्धे य इत्थिसु।

दुहओ मलं संचिणइ सिसुणागुव्वमट्टियं॥10॥

तओ पुट्ठो आयंकेणं गिलाणो परितप्पई।

पभीओ परलोगस्स कम्माणुप्पहि अप्पणो॥11॥

सुया मे नरए ठाणा असीलाणं च जा गई।

बालाणं कूरकम्माणं पगाढा जत्थ वेयणा॥12॥

तत्थोववाइयं ठाणं जहा मेयमणुस्सुयं।

आहाकम्मेहिं गच्छन्तो सो पच्छा परितप्पई॥13॥

जहा सागडिओ जाणं समं हिच्चा महापहं।

विसमं मग्गमोइण्णो अक्खे भग्गम्मि सोयई॥14॥

एवं धम्मं विउक्कम्म अहम्मं पडिवज्जिया।

बाले मच्चु मुहं पत्ते अक्खे भग्गे व सोयई॥15॥

तओ से मरणन्तम्मि बाले सन्तस्सई भया।

अकाममरणं मरई धुत्ते व कलिना जिए॥16॥

एयं अकाममरणं बालाणं तु पवेइयं।

एत्तो सकाममरणं पण्डियाणं सुणेह मे॥17॥

मरणं पि सपुण्णाणं जहा मेयमणुस्सुयं।

विप्पसण्णमणाघायं संजयाणं वुसीमओ॥18॥

न इमं सव्वेसु भिक्खूसु न इमं सव्वेसु अगारिसु।

नाणा सीला अगारत्था विसम सीला य भिक्खुणो॥19॥

सन्ति एगेहिं भिक्खूहिं गारत्था संजमुत्तरा।

गारत्थेहि य सव्वेहिं साहवो संजमुत्तरा॥20॥

चीराजिणं नगिणिणं जडी संघाडिमुण्डिणं।

एयाणि वि न तायन्ति दुस्सीलं परियागयं॥21॥

पिण्डोलए व दुस्सीले नरगाओ न मुच्चई।

भिक्खाए वा गिहत्थे वा सुव्वए कमई दिवं॥22॥

अगारि सामाइयंगाइं सड्ढी काएण फासए।

पोसहं दुहओ पक्खं एगरायं न हावए॥23॥

एवं सिक्खा समावन्ने गिहवासे वि सुव्वए।

मुच्चई छवि पव्वाओ गच्छे जक्ख सलोगयं॥24॥

अह जे संवुडे भिक्खू दोण्हं अन्नयरे सिया।

सव्वदुक्खप्पहीणे वा देवे वावि महड्ढिए॥25॥

उत्तराइं विमोहाइं जुइमन्ताणुपुव्वसो।

समाइण्णाइं जक्खेहिं आवासाइं जसंसिणो॥26॥

दीहाउया इड्ढिमन्ता समिद्धा काम रूविणो।

अहुणोववन्नसंकासा भुज्जो अच्चिमालिप्पभा॥27॥

ताणि ठाणाणि गच्छंति सिक्खित्ता संजमं तवं।

भिक्खाए वा गिहत्थे वा जे संति परिनिव्वुडा॥28॥

तेसिं सोच्चा सपुज्जाणं संजयाण वुसीमओ।

न संतसंति मरणन्ते सीलवंता बहुस्सुया॥29॥

तुलिया विसेसमादाय दयाधम्मस्स खंतिए।

विप्पसीएज्ज मेहावी तहा भूएण अप्पणा॥30॥

तओ काले अभिप्पेए सड्ढी तालिसमन्तिए।

विणएज्ज लोम हरिमं भेयं देहस्स कंखए॥31॥

अह कालम्मि संपत्ते आघायाय समुस्सयं।

सकाममरणं मरई तिण्हमन्नयरं मुणी॥32॥

-त्ति बेमि।

छट्ठज्झयणं

खुड्डागनियं ठिज्जं

जावन्त अविज्जापुरिसा सव्वे ते दुक्खसंभवा।
लुप्पन्ति बहुसो मूढा संसारम्मि अणन्तए॥1॥

समिक्ख पंडिए तम्हा पासजाईपहे बहू।
अप्पणा सच्चमेसेज्जा मेत्तिं भूएसु कप्पए॥2॥

माया पिया ण्हुसा भाया भज्जा पुत्ता य ओरसा।
नालं ते मम ताणाय लुप्पन्तस्स सकम्मुणा॥3॥

एयमट्ठं सपेहाए पासे समियदंसणे।
छिन्द गेहिं सिणेहं च न कंखे पुव्वसंथवं॥4॥

गवासं मणिकुंडल पसवो दासपोरुसं।
सव्वमेयं चइत्ताणं कामरूवी भविस्ससि॥5॥

थावरं जगमं चेव धणं धण्णं उवक्खरं।
पच्चमाणस्स कम्मेहिं नालं दुक्खाउ मोयणे॥6॥

अज्झत्थं सव्वओ सव्वं दिस्स पाणे पियायए।
न हणे पाणिणो पाणे भयवेराओ उवरए॥7॥

आयाणं नरयं दिस्स नायएज्ज तणामवि।
दो गुंछी अप्पणो पाए दिन्नं भुंजेज्ज भोयणं॥8॥

इहमेगे उ मन्नन्ति अप्पच्चक्खाय पावगं।

आयरियं विदित्ताणं सव्व दुक्खा विमुच्चई॥9॥

भणन्ता अकरेन्ता य बन्ध मोक्खपइण्णिणो।

वाया विरियमेत्तेण समासासेन्ति अप्पयं॥10॥

न चित्ता तायए भासा कओ विज्जाणुसासणं ?

विसन्ना पावकम्मेहिं बाला पंडियमाणिणो॥11॥

जे केई सरीरे सत्ता वण्णे रूवे य सव्वसो।

मणसा कायवक्केणं सव्वे ते दुक्खसंभवा॥12॥

आवन्ना दीहमद्धाणं संसारम्मि अणंतए।

तम्हा सव्वदिसं पस्स अप्पमत्तो परिव्वए॥13॥

बहिया उड्ढमादाय नावकंखे कयाइ वि।

पुव्वकम्म खयट्ठाए इमं देहं समुद्धरे॥14॥

विविच्च कम्मुणो हेउं कालकंखी परिव्वए।

मायं पिंडस्स पाणस्स कडं लद्धूण भक्खए॥15॥

सन्निहिं च न कुव्वेज्जा लेवमायाए संजए।

पक्खी पत्तं समादाय निरवेक्खो परिव्वए॥16॥

एसणासमिओ लज्जू गामे अणियओ चरे।

अप्पमत्तो पमत्तेहिं पिंडवायं गवेसए॥17॥

एवं से उदाहु अणुत्तरनाणी अणुत्तरदंसी अणुत्तरनाणदंसणधरे।

अरहा नायपुत्ते भगवं वेसालिए वियाहिए॥18॥

-त्ति बेमि।

सत्तमं अज्झयणं

उरब्भिज्जं

जहाएसं समुद्दिस्स कोइ पोसेज्ज एलयं।

ओयणं जवसं पोसेज्जा वि सयंगणे॥1॥

तओ से पुट्ठे परिवूढे जायमेए महोदरे।

पीणिए विउले देहे आएसं परिकंखए॥2॥

जाव न एइ आएसे ताव जीवइ से दुही।

अह पत्तंमि आएसे सीसं छेत्तूण भुज्जई॥3॥

जहा खलु से उरब्भे आएसाए समीहिए।

एवं बाले अहम्मिट्ठे ईहई नरयाउयं॥4॥

हिंसे बाले मुसावाई अद्धाणंमि विलोवए।

अन्नदत्तहरे तेणे माई कण्हुहरे सढे॥5॥

इत्थीविसयगिद्धे य महारंभ परिग्गहे।

भुंजमाणे सुरं मंसं परिवूढे परंदमे॥6॥

अयकक्कर भोई य तुंदिल्ले चियलोहिए।

आउयं नरए कंखे जहाएसं व एलए॥7॥

असणं सयणं जाणं वित्तं कामे य भुंजिया।

दुस्साहडं धणं हिच्चा बहुं संचिणिया रयं॥8॥

ततो कम्मगुरू जन्तू पच्चप्पन्नपरायणे।

अय व्व आगयाएसे मरणन्तम्मि सोयई॥9॥

तओ आउपरिक्खीणे चुया देहा विहिंसगा।

आसुरियं दिसं बाला गच्छन्ति अवसा तमं॥10॥

जहा कागिणिए हेउं सहस्सं हारए नरो।

अपत्थं अम्बगं भोच्चा राया रज्जं तु हारए॥11॥

एवं माणुस्सगा कामा देवकामाण अन्तिए।

सहस्सगुणिया भुज्जो आउं कामा य दिव्विया॥12॥

अणेगवासानउया जा सा पन्नवओ ठिई।

जाणि जीयन्ति दुम्मेहा ऊणे वाससयाउए॥13॥

जहा य तिन्नि वाणिया मूलं घेत्तूण निग्गया।

एगोत्थ लहई लाहं एगो मूलेण आगओ॥14॥

एगो मूलं पि हारित्ता आगओ तत्थ वाणिओ।

ववहारे उवमा एसा एवं धम्मे वियाणह॥15॥

माणुसत्तं भवे मूलं लाभो देवगई भवे।

मूलच्छेएण जीवाणं नरग तिरिक्खत्तणं धुवं॥16॥

दुहओ गई बालस्स आवई वहमूलिया।

देवत्तं माणुसत्तं च जं जिए लोलयासढे॥17॥

तओ जिए सइं होइ दुविहं दोग्गइं गए।

दुल्लहा तस्स उम्मज्जा अद्धाए सुचिरादवि॥18॥

एवं जियं सपेहाए तुलिया बालं च पंडियं।

मूलियं ते पवेसन्ति माणुसं जोणिमेन्ति जे॥19॥

वेमायाहिं सिक्खाहिं जे नरा गिहिसुव्वया।

उवेन्ति माणुसं जोणिं कम्मसच्चा हु पाणिणो॥20॥

जेसिं तु विउला सिक्खा मूलियं ते अइच्छिया।

सीलवन्ता सवीसेसा अद्दीणा जन्ति देवयं॥21॥

एवमद्दीणवं भिक्खुं अगारिं च वियाणिया।

कहण्णु जिच्चमेलिक्खं जिच्चमाणे न संविदे॥22॥

जहा कुसग्गे उदगं समुद्देण समं मिणे।

एवं माणुस्सगा कामा देवकामाण अन्तिए॥23॥

कुसग्गमेत्ता इमे कामा सन्निरुद्धम्मि आउए।

कस्स हेउं पुराकाउं जोगक्खेमं न संविदे॥24॥

इह कामाणियट्टस्स अत्तट्ठे अवरज्झई।

सोच्चा नेयाउयं मग्गं जं भुज्जो परिभस्सई॥25॥

इह कामणियट्टस्स अत्तट्ठे नावरज्झई।

पूइदेहनिरोहेणं भवे देवे त्ति मे सुयं॥26॥

इड्ढी जुई जसो वण्णो आउं सुहमणुत्तरं।

भुज्जो जत्थ मणुस्सेसु तत्थ से उववज्जई॥27॥

बालस्स पस्स बालत्तं अहम्मं पडिवज्जिया।

चिच्चा धम्मं अहम्मिट्ठे नरए उववज्जई॥28॥

धीरस्स पस्स धीरत्तं सव्वधम्माणुवत्तिणो।

चिच्चा अधम्मं धम्मिट्ठे देवेसु उववज्जई॥29॥

तुलियाण बालभावं अबालं चेव पण्डिए।

चइऊण बालभावं अबालं सेवए मुणी॥30॥

-त्ति बेमि।

अट्ठमं अज्झयणं

कापिलीयं

अधुवे असासयम्मि संसारम्मि दुक्खपउराए।
किं नाम होज्ज तं कम्मयं जेणाहं दोग्गइं न गच्छेज्जा॥1॥

विजहित्तु पुव्वसंजोगं न सिणेहं कहिंचि कुव्वेज्जा।
असिणेह सिणेहकरेहिं दोसपओसेहिं मुच्चए भिक्खू॥2॥

तो नाण दंसणसमग्गो हियनिस्सेसाए सव्वजीवाणं।
तेसिं विमोक्खणट्ठाए भासई मुणिवरो विगयमोहो॥3॥

सव्वं गन्थं कलहं च विप्पजहे तहाविहं भिक्खू।
सव्वेसु कामजाएसु पासमाणो न लिप्पई ताई॥4॥

भोगामिसदोसविसण्णे हियनिस्सेयसबुद्धिवोच्चत्थे।
बाले य मन्दिए मूढे बज्झई मच्छिया व खेलम्मि॥5॥

दुपरिच्चया इमे कामा नो सुजहा अधीरपुरिसेहिं।
अह सन्ति सुव्वया साहू जे तरन्ति अतरं वणिया व॥6॥

'समणा मु' एगे वयमाणा पाणवहं मिया अयाणन्ता।
मन्दा नरयं गच्छन्ति बाला पावियाहिं दिट्ठीहिं॥7॥

'न हु पाणवहं अणुजाणे मुच्चेज्ज कयाइ सव्वदुक्खाणं।'
एवारिएहिं अक्खायं जेहिं इमो साहुधम्मो पन्नत्तो॥8॥

पाणे य नाइवाएज्जा से 'समिए' त्ति वुच्चई ताई।

तओ से पावयं कम्मं निज्जाइ उदगं व थलाओ॥9॥

जगनिस्सिएहिं भूएहिं तसनामेहिं थावरेहिं च।

नो तेसिमारभे दंडं मणसा वयसा कायसा चेव॥10॥

सुद्धेसणाओ नच्चाणं तत्थ ठवेज्ज भिक्खू अप्पाणं।

जायाए घासमेसेज्जा रसगिद्धे न सिया भिक्खाए॥11॥

पन्ताणि चेव सेवेज्जा सीयपिण्डं पुराणकुम्मासं।

अदु वुक्कसं पुलागं वा जवणट्ठाए निसेवए मंथुं॥12॥

'जे लक्खणं च सुविणं च अंगविज्जं च जे पउंजन्ति।

न हु ते समणा वुच्चन्ति' एवं आयरिएहिं अक्खायं॥13॥

इह जीवियं अणियमेत्ता पब्भट्ठा समाहिजोएहिं।

ते कामभोग रसगिद्धा उववज्जन्ति आसुरे काए॥14॥

तत्तो वि य उवट्टित्ता संसारं बहुं अणुपरियडन्ति।

बहुकम्मलेवलित्ताणं बोही होइ सुदुल्लहा तेसिं॥15॥

कसिणं पि जो इमं लोयं पडिपुण्णं दलेज्ज इक्कस्स।

तेणावि से न संतुस्से इइ दुप्पूरए इमे आया॥16॥

जहा लाहो तहा लोहो लाहा लोहो पवड्ढई।

दोमास कयं कज्जं कोडीए वि न निट्ठियं॥17॥

नो रक्खसीसु गिज्झेज्जा गंडवच्छासु अणेगचित्तासु।

जाओ पुरिसं पलोभित्ता खेल्लन्ति जहा व दासेहिं॥18॥

नारीसु नोवगिज्झेज्जा इत्थीविप्पजहे अणगारे।

धम्मं च पेसलं नच्चा तत्थ ठवेज्ज भिक्खू अप्पाणं॥19॥

इइ एस धम्मे अक्खाए कविलेणं च विसुद्धपन्नेणं।

तरिहिन्ति जे उ काहिन्ति तेहिं आराहिया दुवे लोगा॥20॥

-त्ति बेमि।

नवमं अज्झयणं

नमिपव्वज्जा

चइऊण देवलोगाओ उववन्नो माणुसम्मि लोगम्मि।

उवसन्त मोहणिज्जो सरई पोराणियं जाइं॥1॥

जाइं सरितु भयवं सहसंबुद्धो अणुत्तरे धम्मे।

पुत्तं ठवेत्तु रज्जे अभिणिक्खमई नमी राया॥2॥

से देवलोग सरिये अन्तेउरवरओ वरे भोए।

भुंजित्तु नमी राया बुद्धो भोगे परिच्चयई॥3॥

मिहिलं सपुरजणवयं बलमोरोहं च परियणं सव्वं।

चिच्चा अभिनिक्खन्तो एगन्तमहिट्ठिओ भयवं॥4॥

कोलाहलगभूयं आसी मिहिलाए पव्वयन्तम्मि।

तइया रायरिसिम्मि नमिम्मि अभिणिक्खमन्तम्मि॥5॥

अब्भुट्ठियं रायरिसिं पव्वज्जा ठाणमुत्तमं।

सक्को माहणरूवेण इमं वयणमब्बवी॥6॥

‘किण्णु भो ! अज्ज मिहिलाए कोलाहलग संकुला।

सुव्वन्ति दारुणा सद्दा पासाएसु गिहेसु य॥7॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥8॥

‘ मिहिलाए चेइए वच्छे सीयच्छाए मणोरमे।

पत्त पुप्फ फलोवेए बहूणं बहुगुणे सया॥9॥

वाएण हीरमाणम्मि चेइयम्मि मणोरमे।

दुहिया असरणा अत्ता एए कन्दन्ति भो ! खगा ’॥10॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमिं रायरिसिं देविन्दो इणमब्बवी॥11॥

‘ एस अग्गी य वाऊ य एयं डज्झइ मन्दिरं।

भयवं ! अन्तेउरं तेणं कीस णं नावपेक्खसि ’॥12॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥13॥

‘ सुहं वसामो जीवामो जेसिं मो नत्थि किंचण।

मिहिलाए डज्झमाणीए न मे डज्झइ किंचण॥14॥

चत्तपुत्तकलत्तस्स निव्वावारस्स भिक्खुणो।

पियं न विज्जई किंचि अप्पियं पि न विज्जए॥15॥

बहुं खु मुणिणो भद्दं अणगारस्स भिक्खुणो।

सव्वओ विप्पमुक्कस्स एगन्तमणुपस्सओ ’॥16॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमिं रायरिसिं देविन्दो इणमब्बवी॥17॥

‘ पागारं कारइत्ताणं गोपुरट्टालगाणि य।

उस्सूलग सयग्घीओ तओ गच्छसि खत्तिया ’॥18॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥19॥

‘ सद्धं नगरं किच्चा तवसंवरमग्गलं।

खन्तिं निउणपागारं तिगुत्तं दुप्पधंसयं॥20॥

धणुं परक्कमं किच्चा जीवं च ईरियं सया।

धिइं च केयणं किच्चा सच्चेण पलिमन्थए॥21॥

तवनारायजुत्तेण भेत्तूणं कम्मकंचुयं।

मुणी विगयसंगामो भवाओ परिमुच्चए ’॥22॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमिं रायरिसिं देविन्दो इणमब्बवी॥23॥

‘ पासाए कारइत्ताणं वद्धमाणगिहाणि य।

वालग्गपोइयाओ य तओ गच्छसि खत्तिया ! ’॥24॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥25॥

‘ संसयं खलु सो कुणई जो मग्गे कुणई घरं।

जत्थेव गन्तुमिच्छेज्जा तत्थ कुव्वेज्ज सासयं ’॥26॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमिं रायरिसिं देविन्दो इणमब्बवी॥27॥

‘आमोसे लोमहारे य गंठिभेए य तक्करे।

नगरस्स खेमं काऊणं तओ गच्छसि खत्तिया !’॥28॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥29॥

‘ असइं तु मणुस्सेहिं मिच्छादण्डो पजुंजई।

अकारिणोत्थ बज्झन्ति मुच्चई कारगो जणो ’॥30॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमिं रायरिसिं देविन्दो इणमब्बवी॥31॥

‘ जे केइ पत्थिवा तुब्भं नानमन्ति नराहिवा।

वसे ते ठावइत्ताणं तओ गच्छसि खत्तिया ’!॥32॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥33॥

‘ जो सहस्सं सहस्साणं संगामे दुज्जए जिणे।

एगं जिणेज्ज अप्पाणं एस से परमो जओ ’॥34॥

अप्पाणमेव जुज्झाहि किं ते जुज्झेण बज्झओ।

अप्पाणमेव अप्पाणं जइत्ता सुहमेहए॥35॥

पंचिन्दियाणि कोहं माणं मायं तहेव लोहं च।

दुज्जयं चेव अप्पाणं सव्वं अप्पे जिए जियं॥36॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमिं रायरिसिं देविन्दो इणमब्बवी॥37॥

'जइत्ता विउले जन्ने भोइत्ता समणमाहणे।

दच्चा भोच्चा य जिट्ठा य तओ गच्छसि खत्तिया !॥38॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥39॥

' जो सहस्सं सहस्साणं मासे मासे गवं दए।

तस्सावि संजमो सेओ अदिन्तस्स वि किंचण '॥40॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमिं रायरिसिं देविन्दो इणमब्बवी॥41॥

' घोरासमं चइत्ताणं अन्नं पत्थेसि आसमं।

इहेव पोसहरओ भवाहि मणुयाहिवा ' !॥42॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥43॥

' मासे मासे तु जो बालो कुसग्गेणं तु भुंजए।

न सो सुयक्खायधम्मस्स कलं अग्घइ सोलसिं '॥44॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमिं रायरिसिं देविन्दो इणमब्बवी॥45॥

‘ हिरण्णं सुवण्णं मणिमुत्तं कंसं दूसं च वाहणं।

कोसं वड्ढावइत्ताणं तओ गच्छसि खत्तिया ’!॥46॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥47॥

‘सुवण्ण रुप्पस्स उ पव्वया भवे सिया हु केलाससमा असंखया।

नरस्स लुद्धस्स न तेहिं किंचि इच्छा उ आगाससमा अणन्तिया॥48॥

पुढवी साली जवा चेव हिरण्णं पसुभिस्सह।

पडिपुण्णं नालमेगस्स इइ विज्जा तवं चरे॥49॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमिं रायरिसिं देविन्दो इणमब्बवी॥50॥

‘ अच्छेरगमब्भुदए भोए चयसि पत्थिवा !।

असन्ते कामे पत्थेसि संकप्पेण विहन्नसि ’॥51॥

एयमट्ठं निसामित्ता हेउकारणचोइओ।

तओ नमी रायरिसी देविन्दं इणमब्बवी॥52॥

‘सल्लं कामा विसं कामा कामा आसीविसोवमा।

कामे पत्थेमाणा अकामा जन्ति दोग्गइं॥53॥

अहे वयइ कोहेणं माणेणं अहमा गई।

माया गईपडिग्घाओ लोभाओ दुहओ भयं॥54॥

अवउज्झिऊण माहणरूवं विउव्विऊण इन्दत्तं।

वन्दइ अभित्थुणन्तो इमाहि महुराहिं वग्गूहिं॥55॥

'अहो ! ते निज्झओ कोहो अहो ! ते माणो पराजिओ।

अहो ! ते निरक्किया माया अहो ! ते लोभो वसीकओ॥56॥

अहो ! ते अज्जवं साहु अहो ! ते साहु मद्दवं।

अहो ! ते उत्तमा खन्ती अहो ! ते मुत्ति उत्तमा॥57॥

इहं सि उत्तमो भन्ते ! पेच्चा होहिसि उत्तमो।

लोगुत्तमुत्तमं ठाणं सिद्धिं गच्छसि नीरओ '॥58॥

एवं अभित्थुणन्तो रायरिसिं उत्तमाए सद्धाए।

पयाहिणं करेन्तो पुणो पुणो वन्दई सक्को॥59॥

तो वन्दिऊण पाए चक्कं कुसलक्खणे मुणिवरस्स।

आगासेणुप्पइओ ललियचवलकुंडलतिरीडी॥60॥

नमी नमेइ अप्पाणं सक्खं सक्केण चोइओ।

चइऊण गेहं वइदेही सामण्णे पज्जुवट्ठिओ॥61॥

एवं करेन्ति संबुद्धा पंडिया पवियक्खणा।

विणियट्टन्ति भोगेसु जहा से नमी रायरिसी॥62॥

-त्ति बेमि।

दसमं अज्झयणं

दुमपत्तयं

दुमपत्तए पंडुयए जहा निवडइ राइगणाय अच्चए।

एवं मणुयाण जीवियं समयं गोयम ! मा पमायए॥1॥

कुसग्गे जह ओसबिन्दुए थोवं चिट्ठइ लम्बमाणए।

एवं मणुयाण जीवियं समयं गोयम ! मा पमायए॥2॥

इइ इत्तरियम्मि आउए जीवियए बहुपच्चवायए।

विहुणाहि रयं पुरे कडं समयं गोयम ! मा पमायए॥3॥

दुल्लहे खलु माणुसे भवे चिरकालेण वि सव्वपाणिणं।

गाढा य विवागकम्मुणो समयं गोयम ! मा पमायए॥4॥

पुढविक्कायमइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

कालं संखाईयं समयं गोयम ! मा पमायए॥5॥

आउक्कायमईगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

कालं संखाईयं समयं गोयम ! मा पमायए॥6॥

तेउक्कायमइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

कालं संखाईयं समयं गोयम ! मा पमायए॥7॥

वाउक्कायमइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

कालं संखाईयं समयं गोयम ! मा पमायए॥8॥

वणस्सइकायमइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

कालमणन्तदुरन्तं समयं गोयम ! मा पमायए॥9॥

बेइन्दियकायमइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

कालं संखिज्जसन्नियं समयं गोयम ! मा पमायए॥10॥

तेइन्दियकायमइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

कालं संखिज्जसन्नियं समयं गोयम ! मा पमायए॥11॥

चउरिन्दियकायमइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

कालं संखिज्जसन्नियं समयं गोयम ! मा पमायए॥12॥

पंचिन्दियकायमईगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

सत्तट्ठ भवग्गहणे समयं गोयम ! मा पमायए॥13॥

देवे नेरइए य अइगओ उक्कोसं जीवो उ संवसे।

इक्किक्क भवग्गहणे समयं गोयम ! मा पमायए॥14॥

एवं भव संसारे संसरइ सुहासुहेहि कम्मेहिं।

जीवो पमायबहुलो समयं गोयम ! मा पमायए॥15॥

लद्धूण वि माणुसत्तणं आरिअत्तं पुणरावि दुल्लहं।

बहवे दसुया मिलेक्खुया समयं गोयम ! मा पमायए॥16॥

लद्धूण वि आरियत्तणं अहीणपंचिन्दिययया हु दुल्लहा।

विगलिन्दियया हु दीसई समयं गोयम ! मा पमायए॥17॥

अहीणपंचिन्दियत्तं पि से लहे उत्तमधम्मसुई हु दुल्लहा।

मिच्छत्तनिसेवए जणे समयं गोयम ! मा पमायए॥18॥

लद्धूण वि उत्तमं सुइं सद्दहणा पुणरावि दुल्लहा।

मिच्छत्तनिसेवए जणे समयं गोयम ! मा पमायए॥19॥

धम्मं पि हु सद्दहन्तया दुल्लहया काएण फासया।

इह कामगुणेहि मुच्छिया समयं गोयम ! मा पमायए॥20॥

परिजूरइ ते सरीरयं केसा पण्डुरया हवन्ति ते।

से सोयबले य हायई समयं गोयम ! मा पमायए॥21॥

परिजूरइ ते सरीरयं केसा पण्डुरया हवन्ति ते।

से चक्खुबले य हायई समयं गोयम ! मा पमायए॥22॥

परिजूरइ ते सरीरयं केसा पण्डुरया हवन्ति ते।

से घाणबले य हायई समयं गोयम ! मा पमायए॥23॥

परिजूरइ ते सरीरयं केसा पण्डुरया हवन्ति ते।

से जिब्भबले य हायई समयं गोयम ! मा पमायए॥24॥

परिजूरइ ते सरीरयं केसा पण्डुरया हवन्ति ते।

से फासबले य हायई समयं गोयम ! मा पमायए॥25॥

परिजूरइ ते सरीरयं केसा पण्डुरया हवन्ति ते।

से सव्वबले य हायई समयं गोयम ! मा पमायए॥26॥

अरई गण्डं विसूइया आयंका विविहा फुसन्ति ते।

विवडइ विद्धंसइ ते सरीरयं समयं गोयम ! मा पमायए॥27॥

वोच्छिन्द सिणेहमप्पणो कुमुयं सारइयं व पाणियं।

से सव्वसिणेहवज्जिए समयं गोयम ! मा पमायए॥28॥

चिच्चाण धणं च भारियं पव्वइओ हि सि अणगारियं।

मा वन्तं पुणो वि आइए समयं गोयम ! मा पमायए॥29॥

अवउज्झिय मित्तबन्धवं विउलं चेव धणोहसंचयं।

मा तं बिइयं गवेसए समयं गोयम ! मा पमायए॥30॥

न हु जिणे अज्ज दिस्सई बहुमए दिस्सई मग्गदेसिए।

संपइ नेयाउए पहे समयं गोयम ! मा पमायए॥31॥

अवसोहिय कण्टगापहं ओइण्णो सि पहं महालयं।

गच्छसि मग्गं विसोहिया समयं गोयम ! मा पमायए॥32॥

अबले जह भारवाहए मा मग्गे विसमेवगाहिया।

पच्छा पच्छाणुतावए समयं गोयम ! मा पमायए॥33॥

तिण्णो हु सि अण्णवं महं किं पुण चिट्ठसि तीरमागओ।

अभितुर पारं गमित्तए समयं गोयम ! मा पमायए॥34॥

अकलेवरसेणिमुस्सिया सिद्धिं गोयम ! लोयं गच्छसि।

खेमं च सिवं अणुत्तरं समयं गोयम ! मा पमायए॥35॥

बुद्धे परिनिव्वुडे चरे गामगए नगरे व संजए।

सन्तिमग्गं च बूहए समयं गोयम ! मा पमायए॥36॥

बुद्धस्स निसम्म भासियं सुकहियमट्ठपओवसोहियं।

रागं दोसं च छिन्दिया सिद्धगइं गए गोयमे॥37॥

-त्ति बेमि।

इक्कारसमं अज्झयणं

बहुस्सुयपूया

संजोगा विप्पमुक्कस्स अणगारस्स भिक्खुणो।
आयारं पाउकरिस्सामि आणुपुव्विं सुणेह मे॥1॥

जे यावि होइ निव्विज्जे थद्धे लुद्धे अणिग्गहे।
अभिक्खणं उल्लवई अविणीए अबहुस्सुए॥2॥

अह पंचहिं ठाणेहिं जेहिं सिक्खा न लब्भई।
थम्भा कोहा पमाएणं रोगेणालस्सएण य॥3॥

अह अट्ठहिं ठाणेहिं सिक्खासीले त्ति वुच्चई।
अहस्सिरे सया दन्ते न य मम्ममुदाहरे॥4॥

नासीले न विसीले न सिया अइलोलुए।
अकोहणे सच्चरए सिक्खासीले त्ति वुच्चई॥5॥

अभिक्खणं कोही हवइ पबन्धं च पकुव्वई।
मेतिज्जमाणो वमइ सुयं लद्धूण मज्जई॥6॥

अवि पावपरिक्खेवी अवि मित्तेसु कुप्पई।
सुप्पियस्सावि मित्तस्स रहे भासइ पावगं॥7॥

पइण्णवाई दुहिले थद्धे लुद्धे अणिग्गहे।
असंविभागी अचियत्ते अविणीए त्ति वुच्चइ॥8॥

अह पन्नरसहिं ठाणेहिं सुविणीए त्ति वुच्चई।

नीयावत्ती अचवले अमाई अकुऊहले॥9॥

अप्पं चाहिक्खिवई पबन्धं च न कुव्वई।

मेत्तिज्जमाणो भयई सुयं लद्धुं न मज्जई॥10॥

न य पावपरिक्खेवी न य मित्तेसु कुप्पई।

अप्पियस्सावि मित्तस्स रहे कल्लाण भासई॥11॥

कलहडमरवज्जए बुद्धे अभिजाइए।

हिरिमं पडिसंलीणे सुविणीए त्ति वुच्चई॥12॥

वसे गुरुकुले निच्चं जोगवं उवहाणवं।

पियंकरे पियंवाई से सिक्खं लद्धु मरिहई॥13॥

जहा संखम्मि पयं निहियं दुहओ वि विरायइ।

एवं बहुस्सुए भिक्खू धम्मो कित्तो तहा सुयं॥14॥

जहा से कम्बोयाणं आइण्णे कन्थए सिया।

आसे जवेण पवरे एवं हवइ बहुस्सुए॥15॥

जहा आइण्णसमारूढे सूरे दढपरक्कमे।

उभओ नन्दिघोसेणं एवं हवइ बहुस्सुए॥16॥

जहा करेणपरिकिण्णे कुंजरे सट्ठिहायणे।

बलवन्ते अप्पडिहए एवं हवइ बहुस्सुए॥17॥

जहा से तिक्खसिंगे जायखन्धे विरायई।

वसहे जूहाहिवई एवं हवइ बहुस्सुए॥18॥

जहा से तिक्खदाढे उदग्गे दुप्पहंसए।

सीहे मियाण पवरे एवं हवइ बहुस्सुए॥19॥

जहा से वासुदेवे संखचक्कगयाधरे।

अप्पडिहयबले जोहे एवं हवइ बहुस्सुए॥20॥

जहा से चाउरन्ते चक्कवट्टी महिड्ढिए।

चउद्दसरयणाहिवई एवं हवइ बहुस्सुए॥21॥

जहा से सहस्सक्खे वज्जपाणी पुरन्दरे।

सक्के देवाहिवई एवं हवइ बहुस्सुए॥22॥

जहा से तिमिरविद्धंसे उत्तिट्ठन्ते दिवायरे।

जलन्ते इव तेएण एवं हवइ बहुस्सुए॥23॥

जहा से उडुवई चन्दे नक्खत्तपरिवारिए।

पडिपुण्णे पुण्णमासीए एवं हवइ बहुस्सुए॥24॥

जहा से सामाइयाणं कोट्ठागारे सुरक्खिए।

नाणधन्नपडिपुण्णे एवं हवइ बहुस्सुए॥25॥

जहा सा दुमाण पवरा जम्बू नाम सुदंसणा।

अणाढियस्स देवस्स एवं हवइ बहुस्सुए॥26॥

जहा सा नईण पवरा सलिला सागरंगमा।

सीया नीलवन्तपवहा एवं हवइ बहुस्सुए॥27॥

जहा से नगाण पवरे सुमहं मन्दरे गिरी।

नाणोसहिपज्जलिए एवं हवइ बहुस्सुए॥28॥

जहा से सयंभूरमणे उदही अक्खओदए।

नाणारयणपडिपुण्णे एवं हवइ बहुस्सुए॥29॥

समुद्दगम्भीरसमा दुरासया अचक्किया केणइ दुप्पहंसया।

सुयस्स पुण्णा विउलस्स ताइणो खवित्तु कम्मं गइमुत्तमं गया॥30॥

तम्हा सुयमहिट्ठिज्जा उत्तमट्ठगवेसए।

जेणप्पाणं परं चेव सिद्धिं संपाउणेज्जसि॥31॥

-त्ति बेमि।

बारसमं अज्झयणं

हरिएसिज्ज

सोवागकुलसंभूओ गुणुत्तरधरो मुणी।
हरिएसबलो नाम आसि भिक्खू जिइन्दिओ॥1॥

इरिएसणभासाए उच्चारसमिईसु य।
जओ आयाणनिक्खेवे संजओ सुसमाहिओ॥2॥

मणगुत्तो वयगुत्तो कायगुत्तो जिइन्दिओ।
भिक्खट्ठा बम्भइज्जंमि जन्नवाडं उवट्ठिओ॥3॥

तं पासिऊणमेज्जन्त तवेण परिसोसियं।
पन्तोवहिउवगरणं उवहसन्ति अणारिया॥4॥

जाईमयपडिथद्धा हिंसगा अजिइन्दिया।
अबम्भचारिणो बाला इमं वयणमब्बवी॥5॥

कयरे आगच्छइ दित्तरूवे काले विगराले फोक्कनासे।
ओमचेलए पंसुपिसायभूए संकरदूसं परिहरिय कण्ठे॥6॥

कयरे तुमं अदंसणिज्जे काए व आसा इहमागओ सि।
ओमचेलगा पंसुपिसायभूया गच्छ क्खलाहि किमिह ठिओसि ?॥7॥

जक्खो तहिं तिन्दुयरुक्खवासी अणुकम्पओ तस्स महामुणिस्स।
पच्छायइत्ता नियगं सरीरं इमाइं वयणाइमुदाहरित्था॥8॥

समणो अहं संजओ बम्भयारी विरओ धणपयणपरिग्गहाओ।

परप्पवित्तस्स उ भिक्खकाले अन्नस्स अट्ठा इहमागओ मि॥9॥

वियरिज्जइ खज्जइ भुज्जई य अन्नं पभूयं भवयाणमेयं।

जाणाहि मे जायणजीविणु त्ति सेसावसेसं लभऊ तवस्सी॥10॥

उवक्खडं भोयण माहणाणं अत्तट्ठियं सिद्धमिहेगपक्खं।

एयाए सद्धाए दलाह मज्झं आराहए पुण्णमिणं खु खेत्तं॥11॥

थलेसु बीयाइ वबन्ति कासगा तहेव निन्नेसु य आससाए।

एयाए सद्धाए दलाह मज्झं आराहए पुण्णमिणं खु खेत्तं॥12॥

खेत्ताणि अम्हं विइयाणि लोए जहिं पकिण्णा विरुहन्ति पुण्णा।

जे माहणा जाइविज्जोववेया ताइं तु खेत्ताइं सुपेसलाइं॥13॥

कोहो य माणो य वहो य जेसिं मोसं अदत्तं च परिग्गहं च।

ते माहणा जाइविज्जाविहूणा ताइं तु खेत्ताइं सुपावयाइं॥14॥

तुब्भेत्थ भो ! भारधरा गिराणं अट्ठं न जाणाह अहिज्ज वेए।

उच्चावयाइं मुणियो चरन्ति ताइं तु खेत्ताइं सुपेसलाइं॥15॥

अज्झावयाणं पडिकूलभासी पभाससे किं नु सगासि अम्हं।

अवि एयं विणस्सउ अन्नपाणं न य णं दहामु तुमं नियण्ठा !॥16॥

समिईहि मज्झं सुसमाहियस्स गुत्तीहि गुत्तस्स जिइन्दियस्स।

जइ मे न दाहित्थ अहेसणिज्जं किमज्ज जन्नाण लहित्थ लाहं ?॥17॥

के एत्थ खत्ता उवजोइया वा अज्झावया वा सह खण्डिएहिं।

एयं खु दण्डेण फलेण हन्ता कण्ठम्मि घेत्तूण खलेज्ज जो णं ?॥18॥

अज्झावयाणं वयणं सुणेत्ता उद्धाइया तत्थ बहू कुमारा।

दण्डेहि वित्तेहि कसेहि चेव समागया तं इसि तालयन्ति॥19॥

रन्नो तहिं कोसलियस्य धूया भद्द त्ति नामेण अणिन्दियंगी।

तं पासिया संजय हम्ममाणं कुद्धे कुमारे परिनिव्ववेइ॥20॥

देवाभिओगेण निओइएणं दिन्ना मु रन्ना मणसा न झाया।

नरिन्द देविन्द अभिवन्दिएणं जेण अम्हि वन्ता इसिणा स एसो॥21॥

एसो हु सो उग्गतवो महप्पा जिइन्दिओ संजओ बम्भयारी।

जो मे तया नेच्छइ दिज्जमाणिं पिउणा सयं कोसलिएण रन्ना॥22॥

महाजसो एस महाणुभागो घोरव्वओ घोरपरक्कमो य।

मा एयं हीलह अहीलणिज्जं मा सव्वे तेएण भे निद्दहेज्जा॥23॥

एयाइं तीसे वयणाइ सोच्चा पत्तीइ भद्दाइ सुहासियाइं।

इसिस्स वेयावडियट्ठयाए जक्खा कुमारे विणिवारयन्ति॥24॥

ते घोररूवा ठिय अन्तलिक्खे असुरा तहिं तं जणं तालयन्ति।

ते भिन्नदेहे रुहिरं वमन्ते पासित्तु भद्दा इणमाहु भुज्जो॥25॥

गिरिं नहेहिं खणह अयं दन्तेहिं खायह।

जायतेयं पाएहिं हणह जे भिक्खुं अवमन्नह॥26॥

आसीविसो उग्गवो घोरव्वओ घोरपरक्कमो य।

अगणिं व पक्खन्द पयंगसेणा जे भिक्खुयं भत्तकाले वहेह॥27॥

सीसेण एयं सरणं उवेह समागया सव्वजणेण तुब्भे।

जइ इच्छह जीवियं वा धणं वा लोगं पि एसो कुविओ डहेज्जा॥28॥

अवहेडिय पिट्ठिसउत्तमंगे पसारियाबाहु अकम्मचेट्ठे।

निब्भेरियच्छे रुहिरं वमन्ते उड्ढंमुहे निग्गयजीह नेत्ते॥29॥

ते पासिया खण्डिय कट्ठभूए विमणो विसण्णो अह माहणो सो।

इसिं पसाएइ सभारियाओ हीलं च निन्दं च खमाह भन्ते !॥30॥

बालेहिं मूढेहिं अयाणएहिं जं हीलिया तस्स खमाह भन्ते !।

महप्पसाया इसिणो हवन्ति न हु मुणी कोवपरा हवन्ति॥31॥

पुव्विं च इण्हिं च अणागयं च मणप्पदोसो न मे अत्थि कोइ।

जक्खा हु वेयावडियं करेन्ति तम्हा हु एए निहया कुमारा॥32॥

अत्थं च धम्मं च वियाणमाणा तुब्भे न वि कुप्पह भूइपन्ना।

तुब्भं तु पाए सरणं उवेमो समागया सव्वजणेण अम्हे॥33॥

अच्चेमु ते महाभाग ! न ते किंचि न अच्चिमो।

भुंजाहि सालिमं कूरं नाणावंजण संजुयं॥34॥

इमं च मे अत्थि पभूयमन्नं तं भुंजसु अम्ह अणुग्गहट्ठा।

''बाढं'' ति पडिच्छइ भत्तपाणं मासस्स उ पारणए महप्पा॥35॥

तहियं गन्धोदय पुप्फवासं दिव्वा तहिं वसुहारा य वुट्ठा।

पहयाओ दुन्दुहीओ सुरेहिं आगासे अहो दाणं च घुट्ठं॥36॥

सक्खं खु दीसइ तवो विसेसो न दीसई जाइविसेस कोई।

सोवागपुत्ते हरिएस साहू जस्सेरिस्सा इड्ढि महाणुभागा॥37॥

किं माहणा ! जोइसमारभन्ता उदएण सोहिं बहिया विमग्गहा।

जं मग्गहा बाहिरियं विसोहिं न तं सुदिट्ठं कुसला वयन्ति॥38॥

कुसं च जूवं तणकट्ठमग्गिं सायं च पांयं उदगं फुसन्ता।

पाणाइ भूयाइ विहेडयन्ता भुज्जो वि मन्दा ! पगरेह पावं॥39॥

कहं चरे ? भिक्खु ! वयं जयामो ? पावाइ कम्माइ पणुल्लयामो ?

अक्खाहि णे संजय ! जक्खपूइया ! कहं सुइट्ठं कुसला वयन्ति ?॥40॥

छज्जीवकाए असमारभन्ता मोसं अदत्तं च असेवमाणा।

परिग्गहं इत्थिओ माण मायं एयं परिन्नाय चरन्ति दन्ता॥41॥

सुसंवुडो पंचहिं संवरेहिं इह जीवियं अणवकंखमाणो।

वोसट्ठकाओ सुइचत्तदेहो महाजयं जयई जन्नसिट्ठं॥42॥

के ते जोई ? के व ते जोइठाणे ? का ते सुया ? किं व ते कारिसंगं ?

एहा य ते कयरा सन्ति ? भिक्खू ! कयरेण होमेण हुणासि जोइं ?॥43॥

तवो जोई जीवो जोइठाणं जोगा सुया सरीरं कारिसंगं।

कम्म एहा संजमजोग सन्ती होमं हुणामी इसिणं पसत्थं॥44॥

के ते हरए ? के य ते सन्ति तित्थे ? कहिंसि ण्हाओ व रयं जहासि ?

आइक्खणे संजय ! जक्खपूइया ! इच्छामो नाउं भवओ सगासे॥45॥

धम्मे हरए बंभे सन्ति तित्थे अणाविले अत्तपसन्नलेसे।

जहिंसि ण्हाओ विमलो विसुद्धो सुसीइभूओ पजहामि दोसं॥46॥

एयं सिणाणं कुसलेहि दिट्ठं महासिणाणं इसिणं पसत्थं।

जहिंसि ण्हाया विमला विसुद्धा महारिसी उत्तम ठाण पत्ते॥47॥

-त्ति बेमि।

तेरसमं अज्झयणं

चित्तसंभूइज्जं

जाईपराजिओ खलु कासि नियाणं तु हत्थिणपुरम्मि।
चुलणीए बम्भदत्तो उववन्नो पउमगुम्माओ॥1॥

कम्पिल्ले सम्भूओ चित्तो पुण जाओ पुरिमतालम्मि।
सेट्ठिकुलम्मि विसाले धम्मं सोऊण पव्वइओ॥2॥

कम्पिल्लम्मि य नयरे समागया दो वि चित्तसम्भूया।
सुहदुक्खफलविवागं कहेन्ति ते एक्कमेक्कस्स॥3॥

चक्कवट्टी महिड्ढीओ बम्भदत्तो महायसो।
भायरं बहुमाणेणं इमं वयणमब्बवी॥4॥

आसिमो भायरा दो वि अन्नमन्नवसाणुगा।
अन्नमन्नमणूरत्ता अन्नमन्नहिएसिणो॥5॥

दासा दसण्णे आसी मिया कालिंजरे नगे।
हंसा मयंगतीरे य सोवागा कासिभूमिए॥6॥

देवा य देवलोगम्मि आसि अम्हे महिड्ढिया।
इमा नो छट्ठिया जाई अन्नमन्नेण जा विणा॥7॥

कम्मा नियाणप्पगडा तुमे राय! विचिन्तिया।
तेसिं फलविवागेण विप्पओगमुवागया॥8॥

सच्चसोयप्पगडा कम्मा मए पुरा कडा।

ते अज्ज परिभुंजामो किं नु चित्ते वि से तहा?॥9॥

सव्वं सुचिण्णं सफलं नराणं कडाण कम्माण न मोक्ख अत्थि।

अत्थेहि कामेहि य उत्तमेहि आया मम पुण्णफलोववेयं॥10॥

जाणासि संभूय ! महाणुभागं महिड्ढियं पुण्णफलोववेयं।

चित्तं पि जाणाहि तहेव रायं ! इड्ढी जुई तस्स वि य प्पभूया॥11॥

महत्थरूवा वयणप्पभूया गाहाणुगीया नरसंघमज्झे।

जं भिक्खुणो सीलगुणोववेया इहज्जयन्ते समणो म्हि जाओ॥12॥

उच्चोदए महु कक्के य बम्भे पवेइया आवसहा य रम्मा।

इमं गिहं चित्तधणप्पभूयं पसाहि पंचालगुणोववेयं॥13॥

नट्टेहि गीएहि य वाइएहिं नारीजणाइं परिवारयन्तो।

भुंजाहि भोगाइ इमाइ भिक्खू ! मम रोयई पव्वज्जा हु दुक्खं॥14॥

तं पुव्वनेहेण कयाणुरागं नराहिवं कामगुणेसु गिद्धं।

धम्मस्सिओ तस्स हियाणुपेही चित्तो इमं वयणमुदाहरित्था॥15॥

सव्वं विलवियं गीयं सव्वं नट्टं विडम्बियं।

सव्वे आभरणा भारा सव्वे कामा दुहावहा॥16॥

बालाभिरामेसु दुहावहेसु न तं सुहं कामगुणेसु रायं!

विरत्तकामाण तवोधणाणं जं भिक्खुणं शीलगुणे रयाणं॥17॥

नरिंद ! जाई अहमा नराणं सोवागजाई दुहओ गयाणं।

जहिं वयं सव्वजणस्स वेस्सा वसीय सोवाग निवेसणेसु॥18॥

तीसे य जाईइ ऽ पावियाए वुच्छासु सोवागनिवेसणेसु।

सव्वस्स लोगस्स दुगंछणिज्जा इहं तु कम्माइं पुरेकडाइं॥19॥

सो दाणिसिं राय ! महाणुभागो महिड्ढिओ पुण्णफलोववेओ।

चइत्तु भोगाइं असासयाइं आयाणहेउं अभिणिक्खमाहि॥20॥

इह जीविए राय ! असासयम्मि धणियं तु पुण्णाइं अकुव्वमाणो।

से सोयई मच्चुमुहोवणीए धम्मं अकाऊण परंसि लोए॥21॥

जहेह सीहो व मियं गहाय मच्चू नरं नेइ हु अन्तकाले।

न तस्स माया व पिया व भाया कालम्मि तम्मि अंसहरा भवंति॥22॥

न तस्स दुक्खं विभयन्ति नाइओ न मित्तवग्गा न सुया न बन्धवा।

एक्को सयं पच्चणुहोइ दुक्खं कत्तारमेव अणुजाइ कम्मं॥23॥

चिच्चा दुपयं च चउप्पयं च खेत्तं गिहं धणधन्नं च सव्वं।

कम्मप्पबीओ अवसो पयाइ परं भवं सुन्दरपावगं वा॥24॥

तं इक्कगं तुच्छसरीरगं से चिईगयं डहिय ऽ पावगेणं।

भज्जा य पुत्ता वि य नायओ य दायारमन्नं अणुसंकमन्ति॥25॥

ऽवणिज्जई जीवियमप्पमायं वण्णं जरा हरइ नरस्स रायं ।

पंचालराया ! वयणं सुणाहि मा कासि कम्माइं महालयाइं॥26॥

अहंपि जाणामि जहेह साहू ! जं मे तुमं साहसि वक्कमेयं।
भोगा इमे संगकरा हवन्ति जे दुज्जया अज्जो ! अम्हारिसेहिं॥27॥

हत्थिणपुरम्मि चित्ता ! दट्ठूणं नरवइं महिड्ढियं।
कामभोगेसु गिद्धेणं नियाणमसुहं कंड॥28॥

तस्स मे अपडिकन्तस्स इमं एयारिसं फलं।
जाणमाणो वि जं धम्मं कामभोगेसु मुच्छिओ॥29॥

नागो जहा पंकजलावसन्नो दट्ठं थलं नाभिसमेइ तीरं।
एवं वयं कामगुणेसु गिद्धा न भिक्खुणो मग्गमणुव्वयामो॥30॥

अच्चेइ कालो तूरन्ति राइओ न यावि भोगा पुरिसाण निच्चा।
उविच्च भोगा पुरिसं चयन्ति दुमं जहा खीणफलं व पक्खी॥31॥

जइ तं सि भोगे चइउं असत्तो अज्जाइं कम्माइं करेहि रायं।
धम्मे ठिओ सव्वपयाणुकम्पी तो होहिसि देवो इओ विउव्वी॥32॥

न तुज्झ भोगे चइऊण बुद्धी गिद्धो सि आरम्भ परिग्गहेसु।
मोहं कओ एत्तिउ विप्पलावो गच्छामि रायं ! आमन्तिओसि॥33॥

पंचालराया वि य बम्भदत्तो साहुस्स तस्स वयणं अकाउं।
अणुत्तरे भुंजिय कामभोगे अणुत्तरे सो नरए पविट्ठो॥34॥

चित्तो वि कामेहि विरत्तकामो उदग्गचारित्ततवो महेसी।
अणुत्तरं संजम पालइत्ता अणुत्तरं सिद्धिगइं गओ॥35॥

-त्ति बेमि।

चउदसमं अज्झयणं

उसुयारिज्जं

देवा भवित्ताण पुरे भवम्मी केइ चुया एगविमाणवासी।
पुरे पुराणे उसुयारनामे खाए समिद्धे सुरलोगरम्मे॥1॥

सकम्मसेसेण पुराकएणं कुलेसुदग्गेसु य ते पसूया।
निव्विण्णसंसारभया जहाय जिणिन्दमग्गं सरणं पवन्ना॥2॥

पुमत्तमागम्म कुमार दो वी पुरोहिओ तस्स जसा य पत्ती।
विसालकित्ती य तहोसुयारो रायत्थ देवी कमलावई य॥3॥

जाई जरा मच्चुभयाभिभूया बहिं विहाराभिनिविट्ठचित्ता।
संसारचक्कस्स विमोक्खणट्ठा दट्ठूण ते कामगुणे विरत्ता॥4॥

पियपुत्तगा दोन्नि वि माहणस्स सकम्मसीलस्स पुरोहियस्स।
सरित्तु पोराणिय तत्थ जाइं तहा सुचिण्णं तव संजमं च॥5॥

ते कामभोगेसु असज्जमाणा माणुस्सएसुं जे यावि दिव्वा।
मोक्खाभिकंखी अभिजायसड्ढा तायं उवागम्म इमं उदाहु॥6॥

असासयं दट्ठु इमं विहारं बहुअन्तरायं न य दीहमाउं।
तम्हा गिहंसि न रइं लहामो आमन्तयामो चरिस्सामु मोणं॥7॥

अह तायगो तत्थ मुणीण तेसिं तवस्स वाघायकरं वयासी।
इमं वयं वेयविओ वयन्ति जहा न होई असुयाण लोगो॥8॥

अहिज्ज वेए परिविस्स विप्पे पुत्ते पडिट्ठप्प गिहंसि जाया!
भोच्चाण भोए सह इत्थियाहिं आरण्णगा होह मुणी पसत्था॥9॥

सोयग्गिणा आयगुणिन्धणेणं मोहाणिला पज्जलणाहिएणं।
संतत्तभावं परितप्पमाणं लालप्पमाणं बहुहा बहुं च॥10॥

पुरोहियं तं कमसोऽणुणन्तं निमंतयन्तं च सुए धणेणं।
जहक्कमं कामगुणेहि चेव कुमारगा ते पसमिक्ख वक्कं॥11॥

वेया अहीया न भवन्ति ताणं भुत्ता दिया निन्ति तमं तमेणं।
जाया य पुत्ता न हवन्ति ताणं को णाम ते अणुमन्नेज्ज एयं॥12॥

खणमेत्तसोक्खा बहुकालदुक्खा पगामदुक्खा अणिगामसोक्खा।
संसारमोक्खस्स विपक्खभूया खाणी अणत्थाण उ कामभोगा॥13॥

परिव्वयन्ते अणियत्तकामे अहो य राओ परितप्पमाणे।
अन्नप्पमत्ते धणमेसमाणे पप्पोति मच्चुं पुरिसे जरं च॥14॥

इमं च मे अत्थि इमं च नत्थि इमं च मे किच्च इसं अकिच्चं।
तं एवमेवं लालप्पमाणं हरा हरंति कहं पमाए॥15॥

धणं पभूयं सह इत्थियाहिं सयणा तहा कामगुणा पगामा।
तवं कए तप्पइ जस्स लोगो तं सव्व साहीणमिहेव तुब्भं॥16॥

धणेण किं धम्मधुराहिगारे सयणेण वा कामगुणेहि चेव।
समणा भविस्सासु गुणोहधारी बहिंविहारा अभिगम्म भिक्खं॥17॥

जहा य अग्गी अरणीउ असन्तो खीरे घयं तेल्ल महातिलेसु।

एमेव जाया ! सरीरंसि सत्ता संमुच्छई नासइ नावचिट्ठे॥18॥

नो इन्दियग्गेज्झ अमुत्तभावा अमुत्तभावा वि य होइ निच्चो।

अज्झत्थहेउं नियस्स बन्धो संसारहेउं च वयन्ति बन्धं॥19॥

जहा वयं धम्ममजाणमाणा पावं पुरा कम्ममकासि मोहा।

ओरुज्झमाणा परिरक्खियन्ता तं नेव भुज्जो वि समायरामो॥20॥

अब्भाहयम्मि लोगम्मि सव्वओ परिवारिए।

अमोहाहिं पडन्तीहिं गिहंसि न रइं लभे॥21॥

केण अब्भाहओ लोगो ? केण वा परिवारिओ ?

का वा अमोहा वुत्ता ? जाया ! चिंतावरो हुमि॥22॥

मच्चुणाऽब्भाहओ लोगो जराए परिवारिओ।

अमोहा रयणी वुत्ता एवं ताय ! वियाणह॥23॥

जा जा वच्चइ रयणी न सा पडिनियत्तई।

अहम्मं कुणमाणस्स अफला जन्ति राइओ॥24॥

जा जा वच्चइ रयणी न सा पडिनियत्तई।

धम्मं च कुणमाणस्स सफला जन्ति राइओ॥25॥

एगओ संवसित्ताणं दुहओ सम्मत्तसंजुया।

पच्छा जाया ! गमिस्सामो भिक्खमाणा कुले कुले॥26॥

जस्सत्थि मच्चुणा सक्खं जस्स वात्थि पलायणं।

जो जाणे न मरिस्सामि सो हु कंखे सुए सिया॥27॥

अज्जेव धम्मं पडिवज्जयामो जहिं पवन्ना न पुणब्भवामो।

अणागयं नेव य अत्थि किंचि सद्धाखमं णे विणइत्तु रागं॥28॥

पहीणपुत्तस्स हु नत्थि वासो वासिट्ठि ! भिक्खायरियाइ कालो।

साहाहि रुक्खो लहए समाहिं छिन्नाहि साहाहि तमेव खाणुं॥29॥

पंखाविहूणो व्व जहेह पक्खी भिच्चा विहूणो व्व रणे नरिन्दो।

विवन्नसारो वणिओ व्व पोए पहीणपुत्तो मि तहा अहं पि॥30॥

सुसंभिया कामगुणा इमे ते संपिण्डिया अग्गरसप्पभूया।

भुंजामु ता कामगुणे पगामं पच्छा गमिस्सामु पहाणमग्गं॥31॥

भुत्ता रसा भोइ ! जहाइ णे वओ न जीवियट्ठा पजहामि भोए।

लाभं अलाभं च सुहं च दुक्खं संचिक्खमाणो चरिस्सामि मोणं॥32॥

मा हू तुमं सोयरियाण संभरे जुण्णो व हंसो पडिसोत्तगामी।

भुंजाहि भोगाइ मए समाणं दुक्खं खु भिक्खायरियाविहारो॥33॥

जहा य भोई ! तणुयं भुयंगो निन्मोयणिं हिच्च पलेइ मुत्तो।

एमेए जाया पयहन्ति भोए ते हं कहं नाणुगमिस्समेक्को॥34॥

छिन्दित्तु जालं अबलं व रोहिया मच्छा जहा कामगुणे पहाय।

धोरेयसीला तवसा उदारा धीरा हु भिक्खायरियं चरन्ति॥35॥

जहेव कुंचा समइक्कमन्ता तयाणि जालाणि दलितु हंसा।

पलेन्ति पुत्ता य पई य मज्झं ते हं कहं नाणुगमिस्समेक्का॥36॥

पुरोहियं तं ससुयं सदारं सोच्चाभिनिक्खम्म पहाय भोए।

कुडुंबसारं विउलुत्तमं तं रायं अभिक्खं समुवाय देवी॥37॥

वन्तासी पुरिसो रायं ! न सो होइ पसंसिओ।

माहणेण परिच्चत्तं धणं आदाउमिच्छसि॥38॥

सव्वं जगं जइ तुहं सव्व वावि धणं भवे।

सव्वं पि ते अपज्जत्तं नेव ताणाय तं तव॥39॥

मरिहिसि रायं ! जया तया वा मणोरमे कामगुणे पहाय।

एक्को हु धम्मो नरदेव ! ताणं न विज्जई अन्नमिहेह किंचि॥40॥

नाहं रमे पक्खिणी पंजरे वा संताणछिन्ना चरिस्सामि मोणं।

अकिंचणा उज्जुकडा निरामिसा परिग्गहारंभनियत्तदोसा॥41॥

दवग्गिणा जहा रण्णे डज्झमाणेसु जन्तुसु।

अन्ने सत्ता पमोयन्ति रागद्दोसवसं गया॥42॥

एवमेव वयं मूढा कामभोगेसु मुच्छिया।

डज्झमाणं न बुज्झामो रागद्दोसग्गिणा जगं॥43॥

भोगे भोच्चा वमित्ता य लहुभूयविहारिणो।

आमोयमाणा गच्छन्ति दिया कामकमा इव॥44॥

इमे य बद्धा फन्दन्ति मम हत्थज्जमागया।

वयं च सत्ता कामेसु भविस्सामो जहा इमे॥45॥

सामिसं कुललं दिस्स बज्झमाणं निरामिसं।

आमिसं सव्वमुज्झित्ता विहारिस्सामि निरामिसा॥46॥

गिद्धोवमे उ नच्चाणं कामे संसारवड्ढणे।

उरगो सुवण्णपासे व संकमाणो तणुं चरे॥47॥

नागो व्व बन्धणं छित्ता अप्पणो वसहिं वए।

एयं पत्थं महारायं ! उसुयारि त्ति मे सुयं॥48॥

चइत्ता विज्जं कामभोगे य दुच्चए।

निव्विसया निरामिसा निन्नेहा निप्परिग्गहा॥49॥

सम्मं धम्मं वियाणित्ता चेच्चा कामगुणे वरे।

तवं पगिज्झ अहक्खायं घोरं घोरपरक्कमा॥50॥

एवं ते कमसो बुद्धा सव्वे धम्मपरायणा।

जम्म मच्चुभउव्विग्गा दुक्खस्सन्तगवेसिणो॥51॥

सासणे विगयमोहाणं पुव्विं भावणभाविया।

अचिरेणेव कालेण दुक्खस्सन्तमुवागया॥52॥

राया सह देवीए माहणो य पुरोहिओ।

माहणी दारगा चेव सव्वे ते परिनिव्वुडे॥53॥

-त्ति बेमि।

पनरसमं अज्झयणं

सभिक्खुयं

मोणं चरिस्सामि समिच्च धम्मं सहिए उज्जुकडे नियाणछिन्ने।
संथवं जहिज्ज अकामकामे अन्नायएसी परिव्वए जे स भिक्खू॥1॥

रागोवरयं चरेज्ज लाढे विरए वेयवियायरक्खिए।
पन्ने अभिभूय सव्वदंसी जे कम्हिंचि न मुच्छिए स भिक्खू॥2॥

अक्कोसवहं विइत्तु धीरे मुणी चरे लाढे निच्चमायगुत्ते।
अव्वग्गमणे असंपहिट्ठे जे कसिणं अहियासए स भिक्खू॥3॥

पन्तं सयणासणं भइत्ता सीउण्हं विविहं च दंसमसगं।
अव्वग्गमणे असंपहिट्ठे जे कसिणं अहियासए स भिक्खू॥4॥

नो सक्कियमिच्छई न पूयं नो वि य वन्दणगं, कुओ पसंसं ।
से संजए सुव्वए तवस्सी सहिए आयगवेसए स भिक्खू॥5॥

जेण पुण जहाइ जीवियं मोहं वा कसिणं नियच्छई।
नरनारिं पजहे सया तवस्सी न य कोऊहलं उवेइ स भिक्खू॥6॥

छिन्नं सरं भोममन्तलिक्खं सुमिणं लक्खणदण्डवत्थुविज्जं।
अंगवियारं सरस्स विजयं जो विज्जाहिं न जीवइ स भिक्खू॥7॥

मन्तं मूलं विविहं वेज्जचिन्तं वमणविरेयणधूमणेत्त सिणाणं।
आउरे सरणं तिगिच्छियं च तं परिन्नाय परिव्वए स भिक्खू॥8॥

खत्तियगणउग्गरायुपत्ता माहणभोइय विविहा य सिप्पिणो।

नो तेसिं वयइ सिलोगपूयं तं परिन्नाय परिव्वए स भिक्खू॥9॥

गिहिणो जे पव्वइएण जो दिट्ठा अप्पव्वइएण व संथुया हविज्जा।

तेसिं इहलोइयफलट्ठा जो संथवं न करेइ स भिक्खू॥10॥

सयणासण पाण भोयणं विविहं खाइमं साइमं परेसिं।

अदए पडिसेहिए नियण्ठे चे तत्थ न पउस्सई स भिक्खू॥11॥

जं किंचि आहारपाणं विविहं खाइम साइमं परेसिं लद्धुं।

जो तं तिविहेण नाणुकंपे मण वय कायसुसंवुडे स भिक्खू॥12॥

आयामगं चेव जवोदणं च सीयं च सोवीर जवोदगं च।

नो हीलए पिण्डं नीरसं तु पन्तकुलाइं परिव्वइ स भिक्खू॥13॥

सद्दा विविहा भवन्ति लोए दिव्वा माणुस्सगा तहा तिरिच्छा।

भीमा भयभेरवा उराला जो सोच्चा न वहिज्जई स भिक्खू॥14॥

वादं विविहं समिच्च लोए सहिए खेयाणुगए य कोवियप्पा।

पन्ने अभिभूय सव्वदंसी उवसन्ते अविहेडए स भिक्खू॥15॥

असिप्पजीवी अगिहे अमित्ते जिइन्दिए सव्वओ विप्पमुक्के।

अणुक्कसाई लहु अप्पभक्खी चेच्चा गिहं एगचरे स भिक्खू॥16॥

-त्ति बेमि।

सोलसमं अज्झयणं

बंभचेरसमाहिठाणं

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं - इह खलु थेरेहिं भगवन्तेहिं दस बम्भचे-रसमाहिठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा, निसम्म, संजमबहुले, संवरबहुले, समाहिबहुले, गुत्ते, गुत्तिन्दिए, गुत्तबम्भयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा।

कयरे खलु ते थेरेहिं भगवन्तेहिं दस बम्भचेरसमाहिठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा, निसम्म, संजमबहुले, संवरबहुले, समाहिबहुले, गुत्ते, गुत्तिन्दिए, गुत्तबंभयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा।

इमे खलु ते थेरेहिं भगवन्तेहिं दस बंभचेरसमाहिठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा, निसम्म, संजमबहुले, संवरबहुले, समाहिबहुले, गुत्ते गुत्तिन्दिए, गुत्तबंभयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा। तं जहा -

विवित्ताइं सयणासणाइं सेविज्जा, से निग्गन्थे। नो इत्थी पसुपण्डगसंसत्ताइं सयणा-सणाइं सेवित्ता हवइ, से निग्गन्थे।

तं कहमिति चे ? आयरियाह - निग्गन्थस्स खलु इत्थीपसुपण्डगसंसत्ताइं सयणा-सणाइं सेवमाणस्स बम्भयारिस्स बंभचेरे संका वा, कंखा वा, वितिगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेयं वा लभेज्जा, तम्हा नो इत्थि पसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता हवइ, से निग्गन्थे।

नो इत्थीणं कहं कहित्ता हवइ, से निग्गन्थे।

तं कहमिति चे ? आयरियाह - निग्गन्थस्स खलु इत्थीणं कहं कहेमाणस्स, बम्भ-यारिस्स बम्भचेरे संका वा वितिगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेयं वा लभेज्जा उम्मायं वा

पाठणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ वा धम्माओ भंसेज्जा। तम्हा नो इत्थीणं कहं कहेज्जा।

नो इत्थीहिं सद्धिं सन्निसेज्जागए विहरित्ता हवइ से निग्गन्थे।

तं कहमिति चे? आयरियाह - निग्गन्थस्स खलु इत्थीहिं सद्धिं सन्निसेज्जागयस्स, बम्भयारिस्स बम्भचेरे संका वा, कंखा वा, वितिगिच्छा वा समुप्पज्जिजज्जा, भेयं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाठणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ वा धम्माओ भंसेज्जा। तम्हा खलु नो निग्गन्थे इत्थीहिं सद्धिं सन्निसेजागए विहरेज्जा।

नो इत्थीणं इन्दियाइं मणोहराइं, मणोरमाइं आलोइत्ता, निज्झाइत्ता हवइ, से निग्गन्थे। तं कहमिति चे?

आयरियाह - निग्गन्थस्स खलु इत्थीणं इन्दियाइं मणोहराइं, मणोरमाइं आलोएमा-णस्स, निज्झायमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे संका वा, कंखा वा, वितिगिच्छा वा समुप्पज्जिजज्जा, भेयं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाठणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ वा धम्माओ भंसेज्जा। तम्हा खलु निग्गन्थे नो इत्थीणं इन्दियाइं मणोहराइं, मणोरमाइं आलोएज्जा, निज्झाएज्जा।

नो इत्थीणं कुड्डन्तरंसि वा, दूसन्तरंसि वा, भित्तन्तरंसि वा, कुइयसद्दं वा, रुइयसद्दं वा, गीयसद्दं वा, हसियसद्दं वा, थणियसद्दं वा, कन्दियसद्दं विलवियसद्दं वा सुणेत्ता हवइ, से निग्गन्थे।

तं कहमिति चे ?

आयरियाह - निग्गन्थस्स खलु इत्थीणं कुड्डन्तरंसि वा, दुसन्तरंसि वा, भित्तन्तरंसि वा, कुइयसद्दं वा, रुइयसद्दं वा, गीयसद्दं वा, हसियसद्दं वा, थणियसद्दं वा, कन्दियसद्दं वा, विलवियसद्दं वा, सुणेमाणस्स बंभयारिस्स बम्भचेरे संका वा, कंखा वा, वितिगिच्छा

समुप्पज्जिज्जा, भेयं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाउणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ वा धम्माओ भंसेज्जा। तम्हा खलु निग्गन्थे नो इत्थीणं कुड्डन्तरंसि वा, दुसन्तरंसि वा, भित्तन्तरंसि वा, कुइयसद्दं वा, रुइयसद्दं वा, गीयसद्दं वा, हसियसद्दं वा, थणियसद्दं वा, कन्दियसद्दं वा, विलवियसद्दं वा सुणेमाणे विहरेज्जा।

नो निग्गन्थे पुव्वरयं, पुव्वकीलियं अणुसरित्ता हवइ, से निग्गन्थे।

तं कहमिति चे ?

आयरियाह - निग्गन्थस्स खलु पुव्वरयं पुव्वकीलियं अणुसरमाणस्स बम्भयारिस्स बंभचेरे संका वा, कंखा वा, वितिगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेयं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाउणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ वा धम्माओ भंसेज्जा। तम्हा खलु नो निग्गन्थे पुव्वरयं, पुव्वकीलियं अणुसरेज्जा।

नो पणीयं आहारं आहारित्ता हवइ, से निग्गन्थे।

तं कहमिति चे ?

आयरियाह - निग्गन्थस्स खलु पणीयं पाणभोयणं आहारेमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे संका वा, कंखा वा, वितिगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेयं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाउणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ वा धम्माओ भंसेज्जा। तम्हा खलु नो निग्गन्थे पणीयं आहारं आहारेज्जा।

नो अइमायाए पाणभोयणं आहारेत्ता हवइ, से निग्गन्थे।

तं कहमिति चे ?

आयरियाह - निग्गन्थस्स खलु अइमायाए पाणभोयणं आहारेमाणस्स, बम्भयारिस्स बंभचेरे संका वा, कंखा वा, वितिगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेयं वा लभेज्जा, उम्मायं वा

पाठणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ वा धम्माओ भंसेज्जा। तम्हा खलु नो निग्गन्थे अइमायाए पाणभोयणं भुंजिज्जा।

नो विभूसाणुवाई हवइ, से निग्गन्थे।

तं कहमिति चे ?

आयरियाह - विभूसावत्तिए विभूसियसरीरे इत्थिजणस्स अभिलसणिज्जे हवइ। तओ णं तस्स इत्थिजणेणं अभिलसिज्जमाणस्स बम्भचेरे संका वा, कंखा वा, वितिगिच्छा वा समुप्पज्जिजज्जा, भेयं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाठणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ वा धम्माओ भंसेज्जा। तम्हा खलु नो निग्गन्थे विभूसाणुवाई सिया।

नो सद्द रूव रस गन्ध फासाणुवाई हवइ, से निग्गन्थे।

तं कहमिति चे ?

आयरियाह - निग्गन्थस्स खलु सद्दरूवरसगन्धफासाणुवाइस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे संका वा, कंखा वा, वितिगिच्छा वा समुप्पज्जिजज्जा, भयं वा लभेज्जा उम्मायं वा पाठणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हविज्जा, दसमे बम्भचेरसमाहिठाणे हवइ।

भवन्ति इत्थ सिलोगा, तं जहा -

जं विवित्तमणाइण्णं रहियं थीजणेण य।
बम्भचेरस्स रक्खट्ठा आलयं तु निसेवए॥1॥

मणपल्हायजणणिं कामरागविव्ड्ढणिं।
बंभचेररओ भिक्खू थीकहं तु विवज्जए॥2॥

समं च संथवं थीहिं संकहं च अभिक्खणं।
बंभचेररओ भिक्खू निच्चसो परिवज्जए॥3॥

अंगपच्चंग संठाणं चारुल्लविय पेहियं।

बंभचेररओ थीणं चक्खुगिज्झं विवज्जए॥4॥

कूइयं रुइयं गीयं हसियं थणिय कन्दियं।

बंभचेररओ थीणं सोयगिज्झं विवज्जए॥5॥

हासं किड्डं रइं दप्पं सहभुत्तासियाणि य।

बम्भचेररओ थीणं नाणुचिन्ते कयाइ वि॥6॥

पणीयं भत्तपाणं तु खिप्पं मयविवड्ढणं।

बम्भचेररओ भिक्खू निच्चसो परिवज्जए॥7॥

धम्मलद्धं मियं काले जत्तत्थं पणिहाणवं।

नाइमत्तं तु भुंजेज्जा बम्भचेररओ सया॥8॥

विभूसं परिवज्जेज्जा सरीरपरिमण्डणं।

बम्भचेररओ भिक्खू सिंगारत्थं न धारए॥9॥

सद्दे रूवे य गन्धे य रसे फासे तहेव य।

पंचविहे कामगुणे निच्चसो परिवज्जए॥10॥

आलओ थीजणाइण्णो थीकहा य मणोरमा।

संथवो चेव नारीणं तासिं इन्दियदरिसणं॥11॥

कूइयं रुइयं गीयं हसियं भुत्तासियाणि य।

पणीयं भत्तपाणं च अइमायं पाणभोयणं॥12॥

गत्तभूसणमिट्ठं च कामभोगा य दुज्जया।

नारस्स अत्तगवेसिस्स विसं तालउडं जहा॥13॥

दुज्जए कामभोगे य निच्चसो परिवज्जए।

संकट्ठाणाणि सव्वाणि वज्जेज्जा पणिहाणवं॥14॥

धम्मारामे चरे भिक्खू धिइमं धम्मसारही।

धम्मारामरए दन्ते बम्भचेरसमाहिए॥15॥

देव दाणव गन्धव्वा जक्ख रक्खस किन्नरा।

बम्भयारिं नमंसन्ति दुक्करं जे करन्ति तं॥16॥

एस धम्मे धुवे निअए सासए जिणदेसिए।

सिद्धा सिज्झन्ति चाणेण सिज्झिस्सन्ति तहावरे॥17॥

-त्ति बेमि।

सत्तरसमं अज्झयणं

पावसमणिज्जं

जे के इमे पव्वइए नियण्ठे धम्मं सुमित्ता विणओववन्ने।

सुदुल्लहं लहिउं बोहिलाभं विहरेज्ज पच्छा य जहासुहं तु॥1॥

सेज्जा दढा पाउरणं मे अत्थि उप्पज्जई भोत्तुं तहेव पाउं।

जाणामि जं वट्टइ आउसु ! त्ति किं नाम कहामि सुएण भन्ते॥2॥

जे के इमे पव्वइए निद्दासीले पगामसो।

भोच्चा पेच्चा सुहं सुवइ पावसमणे त्ति वुच्चई॥3॥

आयरियउवज्झाएहिं सुयं विणयं च गाहिए।

ते चेव खिंसई बाले पावसमणे त्ति वुच्चई॥4॥

आयरिय उवज्झायाणं, सम्मं नो पडितप्पइ।

अप्पडिपूयइ थद्धे, पावसमणे त्ति वुच्चई॥5॥

सम्मद्दमाणे पाणाणि, बीयाणि हरियाणि य।

असंजए संजयमन्नमाणे, पावसमणे त्ति वुच्चई॥6॥

संथारं फलगं पीढं, निसेज्जं पायकम्बलं।

अप्पमज्जियमारुहइ, पावसमणे त्ति वुच्चई॥7॥

दवदवस्स चरई, पमत्ते य अभिक्खणं।

उल्लंघणे य चण्डे य, पावसमणे त्ति वुच्चई॥8॥

पडिलेहेइ पमत्ते, उवउज्झइ पायकम्बलं।

पडिलेहणा अणाउत्ते, पावसमणे त्ति वुच्चई॥9॥

पडिलेहेइ पमत्ते, से किंचि हु निसामिया।

गुरुं परिभावए निच्चं, पावसमणे त्ति वुच्चई॥10॥

बहुमाई पमुहरे, थद्धे लुद्धे अणिग्गहे।

असंविभागी अचियत्ते, पावसमणे त्ति वुच्चई॥11॥

विवादं च उदीरेइ, अहम्मे अत्तपन्नहा।

वुग्गाहे कलहे रत्ते, पावसमणे त्ति वुच्चई॥12॥

अथिरासणे कुक्कुईए, जत्थं तत्थ निसीयई।

आसणम्मि अणाउत्ते, पावसमणे वुच्चई॥13॥

ससरक्खपाए सुवई, सेज्जं न पडिलेहइ।

संथारए अणाउत्ते, पावसमणे त्ति वुच्चई॥14॥

दुद्ध दहीविगईओ, आहारेइ अभिक्खणं।

अरए य तवोकम्मे, पावसमणे त्ति वुच्चई॥15॥

अत्थन्तम्मि य सूरम्मि, आहारेइ अभिक्खणं।

चोइओ पडिचोएइ, पावसमणे वुच्चई॥16॥

आयरियपरिच्चाई, परपासण्डसेवए।

गाणंगणिए दुब्भूए, पावसमणे त्ति वुच्चई॥17॥

सयं गेहं परिचज्ज, परगेहंसि वावडे।

निमित्तेण य ववहरई, पावसमणे त्ति वुच्चई॥18॥

सन्नाइपिण्डं जेमेइ, नेच्छई सामुदाणियं।

गिहिनिसेज्जं च वाहेइ, पावसमणे त्ति वुच्चई॥19॥

एयारिसे पंचकुसीलसंवुडे, रूवंधरे मुणिपवराण हेट्ठिमे।

अयंसि लोए विसमेव गरहिए, न से इहं नेव परत्थ लोए॥20॥

जे वज्जए एए सया उ दोसे से सुव्वए होइ मुणीण मज्झे।

अयंसि लोए अमयं व पूइए आराहए लोगमिणं तहावरं॥21॥

-त्ति बेमि।

अट्ठारसमं अज्झयणं

संजइज्जं

कम्पिल्ले नयरे राया उदिण्णबल वाहणे।

नामेणं संजए नाम मिगव्वं उवणिग्गए॥1॥

हयाणीए गयाणीए रहाणीए तहेव य।

पायत्ताणीए महया सव्वओ परिवारिए॥2॥

मिए छुभित्ता हयगओ कम्पिल्लुज्जाणकेसरे।

भीए सन्ते मिए तत्थ वहेइ रसमुच्छिए॥3॥

अह केसरम्मि उज्जाणे अणगारे तवोधणे।

सज्झायज्झाणसंजुत्ते धम्मज्झाणं झियायई॥4॥

अप्फोवमण्डवम्मि झायई झवियासवे।

तस्सागए मिए पासं वहेई से नराहिवे॥5॥

अह आसगओ राया खिप्पमागम्म सो तहिं।

हए मिए उ पासित्ता अणगारं तत्थ पासई॥6॥

अह राया तत्थ संभन्तो अणगारो मणाहओ।

मए उ मन्दपुण्णेणं रसगिद्धेण घन्तुणा॥7॥

आसं विसज्जइत्ताणं अणगारस्स सो निवो।

विणएण वन्दए पाए भगवं ! एत्थ मे खमे॥8॥

अह मोणेण सो भगवं अणगारे झाणमस्सिए।

रायाणं न पडिमन्तेइ तओ राया भयद्दुओ॥9॥

संजओ अहमस्सीति भगवं ! वाहराहि मे।

कुद्धे तेएण अणगारे डहेज्ज नरकोडिओ॥10॥

अभओ पत्थिवा ! तुब्भं अभयदाया भवाहि य।

अणिच्चे जीवलोगम्मि किं हिंसाए पसज्जसि ?॥11॥

जया सव्वं परिच्चज्ज गन्तव्वमवसस्स ते।

अणिच्चे जीवलोगम्मि किं रज्जम्मि पसज्जसि ?॥12॥

जीवियं चेव रूवं च विज्जुसंपाय चंचलं।

जत्थ तं मुज्झसी रायं! पेच्चत्थं नावबुज्झसे॥13॥

दाराणि य सुया चेव मित्ता य तह बन्धवा।

जीवन्तमणुजीवन्ति मयं नाणुव्वयन्ति य॥14॥

नीहरन्ति मयं पुत्ता पियरं परमदुक्खिया।

पियरो वि तहा पुत्ते बन्धू रायं ! तवं चरे॥15॥

तओ तेणाज्जिए दव्वे दारे य परिरक्खिए।

कीलन्तन्ने नरा रायं ! हट्ठतुट्ठमलंकिया॥16॥

तेणावि जं कयं कम्मं सुहं वा जइ वा दुहं।

कम्मुणा तेण संजुत्तो गज्झई उ परं भवं॥17॥

सोऊण तस्स सो धम्मं अणगारस्स अन्तिए।

महया संवेगनिव्वेयं समावन्नो नराहिवो॥18॥

संजओ चइउं रज्जं निक्खन्तो जिणसासणे।

गद्दभालिस्स भगवओ अणगारस्स अन्तिए॥19॥

चिच्चा रट्ठं पव्वइए खत्तिए परिभासइ।

जहा ते दीसई रूवं पसन्नं ते तहा मणो॥20॥

किं नामे ? किं गोत्ते ? कस्सट्ठाए व माहणे।

कहं पडियरसो बुद्धे ? कहं विणीए त्ति वुच्चसि॥21॥

संजओ नाम नामेणं तहा गोत्तेण गोयमो।

गद्दभाली ममायरिया विज्जाचरणपारगा॥22॥

किरियं अकिरियं विणयं अन्नाणं च महामुणी !

एएहिं चउहिं ठाणेहिं मेयन्ने किं पभासई॥23॥

इइ पाउकरे बुद्धे नायए परिनिव्वुडे।

विज्जाचरणसंपन्ने सच्चे सच्चपरक्कमे॥24॥

पडन्ति नरए घोरे जे नरा पावकारिणो।

दिव्वं च गइं गच्छन्ति चरित्ता धम्ममारियं॥25॥

मायावुइयमेयं तु मुसाभासा निरत्थिया।

संजममाणो वि अहं वसामि इरियामि य॥26॥

सव्वे ते विइया मज्झं मिच्छादिट्ठी अणारिया।

विज्जमाणे परे लोए सम्मं जाणामि अप्पगं॥27॥

अहमासी महापाणे जुइमं वरिससओवमे।

जा सा पाली महापाली दिव्वा वरिससओवमा॥28॥

से चुए बम्भलोगाओ माणुस्सं भवमागए।

अप्पणो य परेसिं च आउं जाणे जहा तहा॥29॥

नाणारुइं च छन्दं च परिवज्जेज्ज संजए।

अणट्ठा जे य सव्वत्था इइ विज्जामणुसंचरे॥30॥

पडिक्कमामि पसिणाणं परमन्तेहिं वा पुणो।

अहो उट्ठिए अहोरायं इइ विज्जा तवं चरे॥31॥

जं च मे पुच्छसी काले सम्मं सुद्धेण चेयसा।

ताइं पाउकरे बुद्धे तं नाणं जिणसासणे॥32॥

किरियं च रोयए धीरे अकिरियं परिवज्जए।

दिट्ठीए दिट्ठिसंपन्ने धम्मं चर सुदुच्चरं॥33॥

एयं पुण्णपयं सोच्चा अत्थ धम्मोवसोहियं।

भरहो वि भारहं वासं चेच्चा कामाइ पव्वए॥34॥

सगरो वि सागरन्तं भरहवासं नराहिवो।

इस्सारियं केवलं हिच्चा दयाए परिनिव्वुडे॥35॥

चइत्ता भारहं वासं चक्कवट्टी महिड्ढिओ।

पव्वज्जमब्भुवगओ मघवं नाम महाजसो॥36॥

सणंकुमारो मणुस्सिन्दो चक्कवट्टी महिड्ढिओ।

पुत्तं रज्जे ठवित्ताणं सो वि राया तवं चरे॥37॥

चइत्ता भारहं वासं चक्कवट्टी महिड्ढिओ।

सन्ती सन्तिकरे लोए पत्तो गइमणुत्तरं॥38॥

इक्खागरायवसभो कुन्थू नाम नराहिवो।

विक्खायकित्ती धिइमं पत्तो गइमणुत्तरं॥39॥

सागरन्तं जहित्ताणं भरहं नरवरीसरो।

अरो य अरयं पत्तो पत्तो गइमणुत्तरं॥40॥

चइत्ता भारहं वासं चक्कवट्टी नराहिओ।

चइत्ता उत्तमे भोए महापउमे तवं चरे॥41॥

एगच्छत्तं पसाहित्ता महिं माणनिसूरणो।

हरिसेणो मणुस्सिन्दो पत्तो गइमणुत्तरं॥42॥

अन्निओ रायसहस्सेहिं सुपरिच्चाई दमं चरे।

जयनामो जिणक्खायं पत्तो गइमणुत्तरं॥43॥

दसण्णरज्जं मुइयं चइत्ताण मुणी चरे।

दसण्णभद्दो निक्खन्तो सक्खं सक्केण चोइओ॥44॥

नमी नमेइ अप्पाणं सक्खं सक्केण चोइओ।

चइऊण गेहं वइदेही सामण्णे पज्जुवट्ठिओ॥45॥

करकण्डू कलिंगेसु पंचालेसु य दुम्मुहो।

नमी राया विदेहेसु गन्धारेसु य नग्गई॥46॥

एए नरिन्दवसभा निक्खन्ता जिणसासणे।

पुत्ते रज्जे ठवित्ताणं सामण्णे पज्जुवट्ठिया॥47॥

सोवीररायवसभो चिच्चा रज्जं मुणी चरे।

उद्दायणो पव्वइओ पत्तो गइमणुत्तरं॥48॥

तहेव कासीराया सेओसच्चपरक्कमे।

कामभोगे परिच्चज्ज पहणे कम्ममहावणं॥49॥

तहेव विजओ राया अणट्ठाकित्ति पव्वए।

रज्जं तु गुणसमिद्धं पयहित्तु महाजसो॥50॥

तहेवुग्गं तवं किच्चा अव्वक्खित्तेण चेयसा।

महाबलो रायरिसी अद्दाय सिरसा सिरं॥51॥

कहं धीरो अहेऊहिं उम्मत्तो व्व महिं चरे।

एए विसेसमादाय सूरा दढपरक्कमा॥52॥

अच्चन्तनियाणखमा सच्चा मे भासिया वई।

अतरिंसु तरन्तेगे तरिस्सन्ति अणागया॥53॥

कहं धीरे अहेऊहिं अत्ताणं परियावसे।

सव्वसंगविनिम्मुक्के सिद्धे हवइ नीरए॥54॥

-त्ति बेमि।

एगूणविंसइमं अज्झयणं

मियापुत्तिज्जं

सुग्गीवे नयरे रम्मे काणणुज्जाणसोहिए।

राया बलभद्दे त्ति मिया तस्सग्गमाहिसी॥1॥

तेसिं पुत्ते बलसिरी मियापुत्ते त्ति विस्सुए।

अम्मापिऊण दइए जुवराया दमीसरे॥2॥

नन्दणे सोउ पासाए कीलए सह इत्थिहिं।

देवो दोगुन्दगो चेव निच्चं मुइयमाणसो॥3॥

मणिरयणकुट्टिमतले पासायालोयणट्ठिओ।

आलोएइ नगरस्स चउक्कतियचच्चरे॥4॥

अह तत्थ अइच्छन्तं पासइ समणसंजयं।

तव नियम संजमधरं सीलड्ढं गुणआगरं॥5॥

तं देहई मियापुत्ते दिट्ठीए अणिमिसाए उ।

कहिं मन्नेरिसं रूवं दिट्ठपुव्वं मए पुरा॥6॥

साहुस्स दरिसणे तस्स अज्झवसाणम्मि सोहणे।

मोहं गयस्स सन्तस्स जाईसरणं समुप्पन्नं॥7॥

देवलोगचुओ संतो माणुस्सं भवमागओ।

सन्निनाणे समुप्पण्णे जाइं सरइ पुराणयं॥8॥

जाइसरणे समुप्पन्ने मियापुत्ते महिड्ढिए।

सरई पोराणियं जाइं सामण्णं च पुराकयं॥9॥

विसएहि अरज्जन्तो रज्जन्तो संजमम्मि य।

अम्मापियरं उवागम्म इमं वयणमब्बवी॥10॥

सुयाणि मे पंच महव्वयाणि नरएसु दुक्खं च तिरिक्खजोणिसु।

निव्विण्णकामो मि महण्णवाओ अणुजाणह पव्वइस्सामि अम्मो ! ॥11॥

अम्मताय ! मए भोगा भुत्ता विसफलोवमा।

पच्छा कडुयविवागा अणुबन्ध दुहावहा॥12॥

इमं सरीरं अणिच्चं असुइं असुइसंभवं।

असासयावासमिणं दुक्खकेसाण भायणं॥13॥

असासए सरीरम्मि रइं नोवलभामहं।

पच्छा पुरा व चइयव्वे फेणबुब्बुय सन्निभे॥14॥

माणुसत्ते असारम्मि वाही रोगाण आलए।

जरा मरणघत्थम्मि खणं पि न रमामहं॥15॥

जम्मं दुक्खं जरा दुक्खं रोगा य मरणाणि य।

अहो दुक्खो हु संसारो जत्थ कीसन्ति जन्तवो॥16॥

खेत्तं वत्थुं हिरण्णं च पुत्त दारं च बन्धवा।

चइत्ताणं इमं देहं गन्तव्वमवसस्स मे ॥17॥

जहा किम्पागफलाणं परिणामो न सुन्दरो।

एवं भुत्ताण भोगाणं परिणामो न सुन्दरो॥18॥

अद्धाणं जो महन्तं तु अपाहेओ पवज्जई।

गच्छन्तो सो दुही होई छुहा तण्हाए पीडिओ॥19॥

एवं धम्मं अकाऊणं जो गच्छइ परं भवं।

गच्छन्तो सो दुही होइ वाहीरोगेहिं पीडिओ॥20॥

अद्धाणं जो महन्तं तु सपाहेओ पवज्जई।

गच्छन्तो सो सुही होइ छुहा तण्हाविवज्जिओ॥21॥

एवं धम्मं पि काऊणं जो गच्छई परं भवं।

गच्छन्तो सो सुही होइ अप्पकम्मे अवेयणे॥22॥

जहा गेहे पलित्तम्मि तस्स गेहस्स जो पहू।

सारभण्डाणि नीणेइ असारं अवउज्झइ॥23॥

एवं लोए पलित्तम्मि, जराए मरणेण य।

अप्पाणं तारइस्सामि तुब्भेहिं अणुमन्निओ॥24॥

तं बिंत अम्मापियरो सामण्णं पुत्त ! दुच्चरं।

गुणाणं तु सहस्साइं धारेयव्वाइं भिक्खुणो॥25॥

समया सव्वभूएसु सत्तु मित्तेसु वा जगे।

पाणाइवायविरई जावज्जीवाए दुक्करं॥26॥

निच्चकालप्पमत्तेणं मुसावायविवज्जणं।

भासियव्वं हियं सच्चं निच्चाउत्तेण दुक्करं॥27॥

दन्त सोहणमाइस्स अदत्तस्स विवज्जणं।

अणवज्जेसणिज्जस्स गेण्हणा अवि दुक्करं॥28॥

विरई अबम्भचेरस्स कामभोगरसन्नुणा।

उग्गं महव्वयं बम्भं धारेयव्वं सुदुक्करं॥29॥

धण धन्न पेसवग्गेसु परिग्गहविवज्जणं ।

सव्वारम्भपरिच्चाओ निम्ममत्तं सुदुक्करं॥30॥

चउव्विहे वि आहारे राईभोयणवज्जणा।

सन्निहीसंचओ चेव वज्जेयव्वो सुदुक्करो॥31॥

छुहा तण्हा य सीउण्हं दंसमसगवेयणा।

अक्कोसा दुक्खसेज्जा य तणफाला जल्लमेव य॥32॥

तालणा तज्जणा चेव वह बन्धपरीसहा।

दुक्खं भिक्खायरिया जायणा य अलाभया॥33॥

कावोया जा इमा वित्ती केसलोओ य दारुणो।

दुक्खं बम्भवयं घोरं धारेउं य महप्पणो॥34॥

सुहोइओ तुमं पुत्ता ! सुकुमालो सुमज्जिओ।

न हु सी पभू तुमं पुत्ता ! सामण्णमणुपालिउं॥35॥

जावज्जीवमविस्सामो गुणाणं तु महाभरो।

गुरुओ लोहभारो व्व जो पुत्ता ! होई दुव्वहो॥36॥

आगासे गंगसोउव्व पडिसोओ व्व दुत्तरो।

बाहाहिं सागरो चेव तरियव्वो गुणोयही॥37॥

वालुयाकवले चेव निरस्साए उ संजमे।

असिधारागमणं चेव दुक्करं चरिउं तवो॥38॥

अहीवेगन्तदिट्ठीए चरित्ते पुत्त ! दुच्चरे।

जवा लोहमया चेव चावेयव्वा सुदुक्करं॥39॥

जहा अग्गिसिहा दित्ता पाउं होइ सुदुक्करं।

तह दुक्खं करेउं जे कीवेणं समणत्तणं॥40॥

जहा दुक्खं भरेउं जे होई वायस्स कोत्थलो।

तहा दुक्खं करेउं जे कीवेणं समणत्तणं॥41॥

जहा तुलाए तोलेउं दुक्करं मन्दरो गिरी।

तहा निहुयं नीसंकं दुक्करं समणत्तणं॥42॥

जहा भुयाहिं तरिउं दुक्करं रयणागरो।

तहा अणुवसन्तेणं दुक्करं दमसागरो॥43॥

भुंज माणुस्सए भोगे पंचलक्खणए तुम।

भुत्तभोगी तओ जाया ! पच्छा धम्मं चरिस्ससि॥44॥

तं बिंत अम्मापियरो एवमेयं जहा फुडं।

इह लोए निप्पिवासस्स नत्थि किंचि वि दुक्करं॥45॥

सारीर माणसा चेव वेयणाओ अणन्तसो।

मए सोढाओ भीमाओ असइं दुक्खभयाणि य॥46॥

जरा मरणकन्तारे चाउरन्ते भयागरे।

मए सोढाणि भीमाणि जम्माणि मरणाणि य॥47॥

जहा इहं अगणी उण्हो एत्तो अणन्तगुणे तहिं।

नरएसु वेयणा उण्हा अस्साया वेइया मए॥48॥

जहा इमं इहं सीयं एत्तोऽणंतगुणं तहिं।

नरएसु वेयणा सीया अस्साया वेइया मए॥49॥

कन्दन्तो कंदुकुम्भीसु उड्ढपाओ अहोसिरो।

हुयासणे जलन्तम्मि पक्कपुव्वो अणन्तसो॥50॥

महादवग्गिसंकासे मरुम्मि वइरवालुए।

कलम्बवालुयाए य दड्ढपुव्वो अणन्तसो॥51॥

रसन्तो कंदुकुम्भीसु उड्ढं बद्धो अबन्धवो।

करवत्त करकयाईहिं छिन्नपुव्वो अणन्तसो॥52॥

अइतिक्खकंटगाइण्णे तुंगे सिम्बलिपायवे।

खेवियं पासबद्धेणं कड्ढोकड्ढाहिं दुक्करं॥53॥

महाजन्तेसु उच्छू वा आरसन्तो सुभेरवं।

पीलिओ मि सकम्मेहिं पावकम्मो अणन्तसो॥54॥

कूवन्तो कोलसुणएहिं सामेहिं सबलेहि य।

पाडिओ फालिओ छिन्नो विप्फुरन्तो अणेगसो॥55॥

असीहि अयसिवण्णाहिं भल्लीहिं पट्टिसेहि य।

छिन्नो भिन्नो विभिन्नो य ओइण्णो पावकम्मुणा॥56॥

अवसो लोहरहे जुत्तो जलन्ते समिलाजुए।

चोइओ तोत्तजुत्तेहिं रोज्झो वा जह पाडिओ॥57॥

हुयासणे जलन्तम्मि चियासु महिसो विव।

दड्ढो पक्को य अवसो पावकम्मेहि पाविओ॥58॥

बला संडासतुण्डेहिं लोहतुण्डेहि पक्खिहिं।

विलुत्तो विलवन्तोहं ढंक गिद्धेहि णन्तसो॥59॥

तण्हाकिलन्तो धावन्तो पत्तो वेयरणिं नदिं।

जलं पाहिं त्ति चिन्तन्तो खुरधाराहिं विवाइओ॥60॥

उण्हाभितत्तो संपत्तो असिपत्तं महावणं।

असिपत्तेहिं पडन्तेहिं छिन्नपुव्वो अणेगसो॥61॥

मुग्गरेहिं मुसंढीहिं सूलेहिं मुसलेहि य।

गयासं भग्गगत्तेहिं पत्तं दुक्खं अणन्तसो॥62॥

खुरेहि तिक्खधारेहिं छंरियाहिं कप्पणीहि य।

कप्पिओ फालिओ छिन्नो उक्कत्तो य अणेगसो॥63॥

पासेहिं कूडजालेहिं मिओ वा अवसो अहं।

वाहिओ बद्धरुद्धो अ बहुसो चेव विवाइओ॥64॥

गलेहिं मगरजालेहिं मच्छो वा अवसो अहं।

उल्लिओ फालिओ गहिओ मारिओ य अणन्तसो॥65॥

वीदंसएहि जालेहिं लेप्पाहिं सउणो विव।

गहिओ लग्गो बद्धो य मारिओ य अणन्तसो॥66॥

कुहाडफरसुमाईहिं वड्ढईहिं दुमो विव।

कुट्टिओ फालिओ छिन्नो तच्छिओ य अणन्तसो॥67॥

चवेडमुट्ठिमाईहिं कुमारेहिं अयं पिव।

ताडिओ कुट्टिओ भिन्नो चुण्णिओ य अणन्तसो॥68॥

तत्ताइं तम्बलोहाइं तउवाइं सीसयाणि य।

पाइओ कलकलन्ताइं आरसन्तो सुभेरवं॥69॥

तुहं पियाइं मंसाइं खण्डाइं सोल्लगाणि य।

खाविओ मि समंसाइं अग्गिवण्णाइं णेगसो॥70॥

तुहं पिया सुरा सीहू मेरओ य महूणि य।

पाइओ मि जलन्तीओ वसाओ रुहिराणि य॥71॥

निच्चं भीएण तत्थेण दुहिएण वहिएण य।

परमा दुहसंबद्धा वेयणा वेइया मए॥72॥

तिव्वचण्डप्पगाढाआ घोराओ अइदुस्सहा।

महब्भयाओ भीमाओ नरएसु दुक्खवेयणा॥73॥

जारिसा माणुसे लोए ताया ! दीसन्ति वेयणा।

एत्तो अणन्तगुणिया नरएसु दुक्खवेयणा॥74॥

सव्वभवेसु अस्साया वेयणा वेइया मए।

निमेसन्तरमित्तं पि जं साया नत्थि वेयणा॥75॥

तं बिंत अम्मापियरो छन्देणं पुत्त ! पव्वया।

नवरं पुण सामण्णे दुक्खं निप्पडिकम्मया॥76॥

सो बिंत अम्मापियरो ! एवमेयं जहाफुडं।

पडिकम्मं को कुणई अरण्णे मियपक्खिणं ?॥77॥

एगभूओ अरण्णे वा जहा उ चरई मिगो।

एवं धम्मं चरिस्सामि संजमेण तवेण य॥78॥

जया मिगस्स आयंको महारण्णम्मि जायई।

अच्छन्तं रुक्खमूलम्मि को णं ताहे तिगिच्छई॥79॥

को वा से ओसहं देई ? को वा से पुच्छइ सुहं ।

को से भत्तं च पाणं च आहरित्तु पणामए॥80॥

जया य से सुही तया गच्छइ गोयरं।

भत्तपाणस्स अट्ठाए वल्लराणि सराणि य॥81॥

खाइत्ता पाणियं पाठं वल्लरेहिं सरेहि वा।

मिगचारियं चरित्ताणं गच्छई मिगचारियं॥82॥

एवं समुट्ठिओ भिक्खू एवमेव अणेगओ।

मिगचारियं चरित्ताणं उड्ढं पक्कमई दिसं॥83॥

जहा मिगे एग अणेचारी अणेगवासे धुवगोयरे य।

एवं मुणी गोयरियं पविट्ठे नो हीलए नो वी य खिंसएज्जा॥84॥

मिगचारियं चरिस्सामि एवं पुत्ता ! जहासुहं।

अम्मापिऊहिं अणुन्नाओ जहाइ उवहिं तओ॥85॥

मियचारियं चरिस्सामि सव्वदुक्खविमोक्खणिं।

तुब्भेहि अम्म ! अणुन्नाओ गच्छ पुत्त ! जहासुहं॥86॥

एवं सो अम्मापियरो अणुमाणित्ताण बहुविहं।

ममत्तं छिन्दई ताहे महानागो व्व कंचुयं॥87॥

इड्ढिं पित्तं च मित्ते य पुत्त दारं च नायओ।

रेणुयं व पडे लग्गं निद्धुणित्ताण निग्गओ॥88॥

पचंमहव्वयजुत्तो पचंसमिओ तिगुत्तिगुत्तो य।

सब्भिन्तर बाहिरओ तवोकम्मंसि उज्जुओ॥89॥

निम्ममो निरहंकारो निस्संगो चत्तगारवो।

समो य सव्वभूएसु तसेसु थावरेसु य॥90॥

लाभालाभे सुहे दुक्खे जीविए मरणे तहा।

समो निन्दा पसंसासु तहा माणावमाणओ॥91॥

गारवेसु कसाएसु दण्डसल्लभएसु य।

नियत्तो हाससोगाओ अनियाणो अबन्धणो॥92॥

अणिस्सिओ इहं लोए परलोए अणिस्सिओ।

वासीचन्दणकप्पो य असणे अणसणे तहा॥93॥

अप्पसत्थेहिं दारेहिं सव्वओ पिहियासवे।

अज्झप्पज्झाणजोगेहिं पसत्थ दससासणे॥94॥

एवं नाणेण चरणेण दंसणेण तवेण य।

भावणाहि य सुद्धाहिं सम्मं भावेत्तु अप्पयं॥95॥

बहुयाणि उ वासाणि सामण्णमणुपालिया।

मासिएण उ भत्तेण सिद्धिं पत्तो अणुत्तरं॥96॥

एवं करन्ति संबुद्धा पण्डिया पवियक्खणा।

विणियट्टन्ति भोगेसु मियापुत्ते जहा रिसी॥97॥

महापभावस्स महाजसस्स मियाइपुत्तस्स निसम्म भासियं।

तवप्पहाणं चरियं अणुत्तरं धारेह निव्वाणगुणावहं महं॥98॥

-त्ति बेमि।

विंसइमं अज्झयणं

महानियंठिज्जं

सिद्धाणं नमो किच्चा संजयाणं च भावओ।

अत्थधम्मगइं तच्चं अणुसट्टिं सुणेह मे॥1॥

पभूयरयणो राया सेणिओ मगहाहिवो।

विहारजत्तं विज्जाओ मण्डिकुच्छिंसि चेइए॥2॥

नाणादुमलयाइण्णं नाणापक्खिनिसेवियं।

नाणाकुसुमसंछन्नं उज्जाणं नन्दणोवमं॥3॥

तत्थ सो पासई साहुं संजयं सुसमाहियं।

निसन्नं रुक्खमूलम्मि सुकुमालं सुहोइयं॥4॥

तस्स रूवं तु पासित्ता राइणो तम्मि संजए।

अच्चन्तपरमो आसी अउलो रूवविम्हओ॥5॥

अहो ! वण्णो अहो ! रूवं अहो ! अज्जस्स सोमया।

अहो ! खंती अहो ! मुत्ती अहो ! भोगे असंगया॥6॥

तस्स पाए उ वन्दित्ता काऊण य पयाहिणं।

नाइदूरमणासन्ने पंजली पडिपुच्छई॥7॥

तरुणोसि अज्ज ! पव्वइओ भोगकालम्मि संजया।

उवट्ठिओ सि सामण्णे एयमट्ठं सुणेमि ता॥8॥

अणाहो मि महाराय ! नाहो मज्झ न विज्जई।

अणुकम्पगं सुहिं वावि कंचि नाभिसमेअहं॥9॥

तओ सो पहसिओ राया सेणिओ मगहाहिवो।

एवं ते इड्ढिमन्तस्स कहं नाहो न विज्जई॥10॥

होमि नाहो भयन्ताणं भोगे भुंजाहि संजया!।

मित्त नाईपरिवुडो माणुस्सं खु सुदुल्लहं॥11॥

अप्पणा वि अणाहो सि सेणिया ! मगहाहिवा!

अप्पणा अणाहो सन्तो कहं नाहो भविस्ससि॥12॥

एवं वुत्तो नरिन्दो सो सुसंभन्तो सुविम्हिओ।

वयणं अस्सुयपुव्वं साहुणा विम्हयन्निओ॥13॥

अस्सा हत्थी मणुस्सा मे पुरं अन्तेउरं च मे।

भुंजामि माणुसे भोगे आणा इस्सरियं च मे॥14॥

एरिसे सम्पयग्गम्मि सव्वकामसमप्पिए।

कहं अणाहो भवइ ? मा हु भन्ते ! मुसं वए॥15॥

न तुमं जाणे अणाहस्स अत्थं पोत्थं व पत्थिवा !।

जहा अणाहो भवई सणाहो वा नराहिवा !॥16॥

सुणेह मे महाराय ! अव्वक्खित्तेण चेयसा।

जहा अणाहो भवई जहा मे य पवत्तियं॥17॥

कोसम्बी नाम नयरी पुराणपुरभेयणी।

तत्थ आसी पिया मज्झ पभूयधणसंचओ॥18॥

पढमे वए महाराय ! अउला मे अच्छिवेयणा।

अहोत्था विउलो दाहो सव्वंगेसु य पत्थिवा!॥19॥

सत्थं जहा परमतिक्खं सरीरविवरन्तरे।

पवेसेज्ज अरी कुद्धो एवं मे अच्छिवेयणा॥20॥

तियं मे अन्तरिच्छं च उत्तमंगं च पीडई।

इन्दासणिसमा घोरा वेयणा परमदारुणा॥21॥

उवट्ठिया मे आयरिया विज्जा मन्ततिगिच्छगा।

अबीया सत्थकुसला मन्तमूलविसारया॥22॥

ते मे तिगिच्छं कुव्वन्ति चाउप्पायं जहाहियं।

न य दुक्खा विमोयन्ति एसा मज्झ अणाहया॥23॥

पिया मे सव्वसारं पि दिज्जाहि मम कारणा।

न य दुक्खा विमोएइ एसा मज्झ अणाहया॥24॥

माया य मे महाराय ! पुत्तसोगदुहट्टिया।

न य दुक्खा विमोएइ एसा मज्झ अणाहया॥25॥

भायरो मे महाराय ! सगा जेट्ठ कणिट्ठगा।

न य दुक्खा विमोयन्ति एसा मज्झ अणाहया॥26॥

भइणीओ मे महाराय ! सगा जेट्ठ कणिट्ठगा।

न य दुक्खा विमोयन्ति एसा मज्झ अणाहया॥27॥

भारिया मे महाराय ! अणुरत्ता अणुव्वया।

अंसुपुण्णेहिं नयणेहिं उरं मे परिसिंचई॥28॥

अन्नं पाणं च ण्हायं च गन्ध मल्ल विलेवणं।

मए नायमणायं वा सा बाला नोवभुंजई॥29॥

खणं पि मे महाराय ! पासाओ वि न फिट्टई।

न य दुक्खा विमोएइ एसा मज्झ अणाहया॥30॥

तओ हं एवमाहंसु दुक्खमा हु पुणो पुणो।

वेयणा अणुभविउं जे संसारम्मि अणन्तए॥31॥

सइं च जइ मुच्चेज्जा वेयणा विउला इओ।

खन्तो दन्तो निरारम्भो पव्वए अणगारियं॥32॥

एवं च चिन्तइत्ताणं पसुत्तो मि नराहिवा !।

परियट्टन्तीए राईए वेयणा मे खयं गया॥33॥

तओ कल्ले पभायम्मि आपुच्छित्ताण बन्धवे।

खन्तो दन्तो निरारम्भो पव्वइओ अणगारियं॥34॥

ततो हं नाहो जाओ अप्पओ य परस्स य।

सव्वेसिं चेव भूयाणं तसाण थावराण य॥35॥

अप्पा नई वेयरणी अप्पा मे कुडसामली।

अप्पा कामदुहा धेणू अप्पा मे नन्दणं वणं॥36॥

अप्पा कत्ता विकत्ता य दुहाण य सुहाण य।

अप्पा मित्तममित्तं च दुप्पट्ठिय सुपट्ठिओ॥37॥

इमा हु अन्ना वि अणाहया निवा ! तमेगचित्तो निहुओ सुणेहि।

नियण्ठधम्मं लहियाण वी जहा सीयन्ति एगे बहुकायरा नरा॥38॥

जो पव्वइत्ताण महव्वयाइं सम्मं नो फासयई पमाया।

अनिग्गहप्पा य रसेसु गिद्धे न मूलओ छिन्दइ बन्धणं से॥39॥

आउत्तया जस्स न अत्थि काइ इरियाए भासाए तहेसणाए।

आयाणनिक्खेवदुगुं छणाए न वीरजायं अणुजाइ मग्गं॥40॥

चिरं पि से मुण्डरुई भवित्ता अथिरव्वए तवनियमेहि भट्ठे।

चिरं पि अप्पाण किलेसइत्ता न पारए होइ हु संपराए॥41॥

पोल्ले व मुट्ठी जह से असारे अयन्तिए कूडकहावणे वा।

राढामणी वेरुलियप्पगासे अमहग्घए होइ य जाणएसु॥42॥

कुसीललिंगं इह धारइत्ता इसिज्झयं जीविय वूहइत्ता।

असंजए संजयलप्पमाणे विणिघायमागच्छइ से चिरंपि॥43॥

विसं तु पीयं जह कालकूडं हणाइ सत्थं जह कुग्गहीयं।

एसे व धम्मो विसओववन्नो हणाइ वेयाल इवाविवन्नो॥44॥

जे लक्खणं सुविणं पउंजमाणे निमित्तकोऊहलसंपगाढे।

कुहेडविज्जासवदारजीवी न गच्छई सरणं तम्मि काले॥45॥

तमंतमेणेव उ से असीले सया दुही विप्पारियासुवेइ।

संधावई नरगतिरिक्खजोणिं मोणं विराहेत्तु असाहुरूखे॥46॥

उद्देसियं कीयगडं नियागं न मुंचई किंचि अणेसणिज्जं।

अग्गी विवा सव्वभक्खी भवित्ता इओ चुओ गच्छइ कट्टु पावं॥47॥

न तं अरी कंठछेत्ता करेइ जं से करे अप्पणिया दुरप्पा।

से नाहिई मच्चुमुहं तु पत्ते पच्छाणुतावेण दयाविहूणो॥48॥

निरट्ठिया नग्गरुई उ तस्स जे उत्तमट्ठं विवज्जासमेइ।

इमे वि से नत्थि परे वि लोए दुहओ वि से झिज्जइ तत्थ लोए॥49॥

एमेव सच्छन्दकुसीलरूवे मग्गं विराहेत्तु जिणुत्तमाणं।

कुररी विवा भोगरसाणुगिद्धा निरट्ठसोया परियावमेइ॥50॥

सोच्चाण मेहावि सुभासियं इमं अणुसासणं नाणगुणोववेयं।

मग्गं कुसीलाण जहाय सव्वं महानियंठाण वए पहेणं॥51॥

चरित्तमायारगुणन्निए तओ अणुत्तरं संजमपालियाणं।

निरासवे संखवियाण कम्मं उवेइ ठाणं विउलुत्तमं धुवं॥52॥

एवुग्गदन्ते वि महातवोधणे महामुणी महापइन्ने महायसे।

महानियण्ठिज्जमिणं महासुयं से काहए महया वित्थरेणं॥53॥

तुट्ठो य सेणिओ राया इणमुदाहु कयंजली।

अणाहत्तं जहाभूयं सुट्ठु मे उवदंसियं॥54॥

तुज्झं सुलद्धं खु मणुस्सजम्मं लाभा सुलद्धा य तुमे महेसी!

तुब्भे सणाहा य सबन्धवा य जं भे ठिया मग्गे जिणुत्तमाणं॥55॥

तं सि नाहो अणाहाणं सव्वभूयाण संजया !

खामेमि ते महाभाग ! इच्छामि अणुसासिउं॥56॥

पुच्छिऊण मए तुब्भं झाणविग्घो उ जो कओ।

निमन्तिओ य भोगेहिं तं सव्वं मरिसेहि मे॥57॥

एवं थुणित्ताण स रायसीहो अणगारसीहं परमाइभत्तिए।

सओरोहो य सपरियणो य धम्माणुरत्तो विमलेण चेयसा॥58॥

ऊससिय रोमकूवो काऊण य पयाहिणं।

अभिवन्दिऊण सिरसा अइयाओ नराहिवो॥59॥

इयरो वि गुणसमिद्धो तिगुत्तिगुत्तो तिदण्डविरओ य।

विहग इव विप्पमुक्को विहरइ वसुहं विगयमोहो॥60॥

-त्ति बेमि।

एगविंसइमं अज्झयणं

समुद्दपालीयं

चम्पाए पालिए नाम सावए आसि वाणिए।

महावीरस्स भगवओ सीसे सो उ महप्पणो॥1॥

निग्गन्थे पावयणे सावए से विकोविए।

पोएण ववहरन्ते पिहुण्डं नगरमागए॥2॥

पिहुण्डे ववहरन्तस्स वाणिओ देइ धूयरं।

तं ससत्तं पइगिज्झ सदेसमह पत्थिओ॥3॥

अह पालियस्स घरणी समुद्दम्मि पसवई।

अह दारए तहिं जाए 'समुद्दपालि' त्ति नामए॥4॥

खेमेणं आगए चम्पं सावए वाणिए घरं।

संवड्ढई घरे तस्स दारए से सुहोइए॥5॥

बावत्तरिं कलाओ य सिक्खए नीइकोविए।

जोव्वणेण य संपन्ने सुरूवे पियदंसणे॥6॥

तस्स रूववइं भज्जं पिया आणेइ रूविणीं।

पासाए कीलए रम्मे देवो दोगुन्दओ जहा॥7॥

अह अन्नया कयाई पासायालोयणे ठिओ।

वज्झमण्डणसोभागं वज्झं पासइ वज्झगं॥8॥

तं पासिऊण संविग्गो समुद्दपालो इणमब्बवी।

अहो असुभाण कम्माणं निज्जाणं पावगं इमं॥9॥

संबुद्धो सो तहिं भगवं परं संवेगमागओ।

आपुच्छ अम्मापियरो पव्वए अणगारियं॥10॥

जहितु संगं च महाकिलेसं महन्तमोहं कसिणं भयावहं।

परियायधम्मं चाभिरोयएज्जा वयाणि सीलाणि परीसहे य॥11॥

अहिंस सच्चं च अतेणगं च तत्तो य बम्भं अपरिग्गहं च।

पडिवज्जिया पंच महव्वयाणि चरिज्ज धम्मं जिणदेसियं विऊ॥12॥

सव्वेहिं भूएहिं दयाणुकम्पी खन्तिक्खमे संजय बम्भयारी।

सावज्जजोगं परिवज्जयन्तो चरिज्ज भिक्खू सुसमाहिइन्दिए॥13॥

कालेण कालं विहरेज्ज रट्ठे बलाबलं जाणिय अप्पणो य।

सीहो व सद्देण न संतसेज्जा वयजोग सुच्चा न असब्भमाहु॥14॥

उवेहमाणो उ परिव्वएज्जा पियमप्पियं सव्व तितिक्खएज्जा।

न सव्व सव्वत्थअभिरोयएज्जा न यावि पूयं गरहं च संजए॥15॥

अणेगछन्दा इह माणवेहिं जे भावओ संपगरेइ भिक्खू।

भयभेरवा तत्थ उइन्ति भीमा दिव्वा मणुस्सा अदुवा तिरिच्छा॥16॥

परीसहा दुव्विसहा अणेगे सीयन्ति जत्था बहुकायरा नरा।

ते तत्थ पत्ते न वहिज्ज भिक्खू संगामसीसे इव नागराया॥17॥

सीओसिणा दंसमसा य फासा आयंका विविहा फुसन्ति देहं।

अकुक्कुओ तत्थाहियासएज्जा रयाइं खेवेज्ज पुरेकडाइं॥18॥

पहाय रागं च तहेव दोसं मोहं च भिक्खू सययं वियक्खणो।

मेरु व्व वाएण अकम्पमाणो परीसहे आयगुत्ते सहेज्जा॥19॥

अणुन्नए नावणए महेसी न यावि पूयं गरहं च संजए।

स उज्जुभावं पडिवज्ज संजए निव्वाणमग्गं विरए उवेइ॥20॥

अरइरइसहे पहीणसंथवे विरए आयहिए पहाणवं।

परमट्ठपएहिं चिट्ठई छिन्नसोए अममे अकिंचणे॥21॥

विवित्तलयणाइ भएज्ज ताई निरोवलेवाइ असंथडाइं।

इसीहि चिण्णाइ महायसेहिं काएण फासेज्ज परीसहाइं॥22॥

सन्नाणनाणोवगए महेसी अणुत्तरं चरिउं धम्मसंचयं।

अणुत्तरे नाणधरे जसंसी ओभासई सूरिए वान्तलिक्खे॥23॥

दुविहं खवेऊण य पुण्णपावं निरंगणे सव्वओ विप्पमुक्के।

तरित्ता समुद्दं व महाभवोघं समुद्दपाले अपुणागमं गए॥24॥

-त्ति बेमि।

बाइसमं अज्झयणं

रहनेमिज्जं

सोरियपुरम्मि नयरे आसि राया महिड्ढिए।

वसुदेवे त्ति नामेणं रायलक्खणसंजुए॥1॥

तस्स भज्जा दुवे आसी रोहिणी देवई तहा।

तासिं दोण्हं पि दो पुत्ता इट्ठा य राम केसवा॥2॥

सोरियपुरम्मि नयरे आसी राया महिड्ढिए।

समुद्दविजए नामं रायलक्खणसंजुए॥3॥

तस्स भज्जा सिवा नाम तीसे पुत्तो महायसो।

भगवं अरिट्ठनेमि लोगनाहे दमीसरे॥4॥

सो अरिट्ठनेमि नामो उ लक्खणस्सरसंजुओ।

अट्ठसहस्सलक्खणधरो गोयमो कालगच्छवी॥5॥

वज्जरिसहसंघयणो समचउरंसो झसोयरो।

तस्स राईमइं कन्नं भज्जं जायइ केसवो॥6॥

अह सा रायवर कन्ना सुसीला चारुपेहिणी।

सव्वलक्खणसंपन्ना विज्जुसोयामणिप्पभा॥7॥

अहाह जणओ तीसे वासुदेवं महिड्ढियं।

इहागच्छाउ कुमारो जा मे कन्नं दलामहं॥8॥

सव्वोसहीहि ण्हविओ कयकोउयमंगलो।

दिव्वजुयलपरिहिओ आभरणेहिं विभूसिओ॥9॥

मत्तं च गन्धहत्थिं वासुदेवस्स जेट्ठगं।

आरूढो सोहए अहियं सिरे चूडामणी जहा॥10॥

अह ऊसिएण छत्तेण चामराहि य सोहिए।

दसारचक्केण य सो सव्वओ परिवारिओ॥11॥

चउरंगिणीए सेनाए रइयाए जहक्कमं।

तुरियाण सन्निनाएण दिव्वेण गगणं फुसे॥12॥

एयारिसीइ इड्ढीए जुइए उत्तिमाइ य।

नियगाओ भवणाओ निज्जाओ वण्हिपुंगवो॥13॥

अह सो तत्थ निज्जन्तो दिस्स पाणे भयद्दुए।

वाडेहिं पंजरेहिं च सन्निरुद्धे सुदुक्खिए॥14॥

जीवियन्तं तु संपत्ते मंसट्ठा भक्खियव्वए।

पासेत्ता से महापन्ने सारहिं इणमब्बवी॥15॥

कस्स अट्ठा इमे पाणा एए सव्वे सुहेसिणो।

वाडेहिं पंजरेहिं च सन्निरुद्धा य अच्छहिं॥16॥

अह सारही तओ भणइ एए भद्दा उ पाणिणो।

तुज्झं विवाहकज्जम्मि भोयावेउं बहुं जणं॥17॥

सोऊण तस्स वयणं बहुपाणिविणासणं।

चिन्तेइ से महापन्ने साणुक्कोसे जिएहि उ॥18॥

जइ मज्झ कारणा एए हम्मिहिंति बहू जिया।

न मे एयं तु निस्सेसं परलोगे भविस्सई॥19॥

सो कुण्डलाण जुयलं सुत्तगं च महायसो।

आभरणाणि य सव्वाणि सारहिस्स पणामए॥20॥

मणपरिणामे य कए देवा य जहोइयं समोइण्णा।

सव्विड्ढीए सपरिसा निक्खमणं तस्स काउं जे॥21॥

देवमणुस्सपरिवुडो सीयारयणं तओ समारूढो।

निक्खमिय बारगाओ रेवययम्मि ट्ठिओ भगवं॥22॥

उज्जाणं संपत्तो ओइण्णो उत्तिमाओ सीयाओ।

साहस्सीए परिवुडो अह निक्खमई उ चित्ताहिं॥23॥

अह से सुगन्धिगन्धिए तुरियं मउयकुंचिए।

सयमेव लुंचई केसे पंचमुट्ठीहिं समाहिओ॥24॥

वासुदेवो य णं भणइ लुच्चकेसं जिइन्दियं।

इच्छियमणोरहे तुरियं पावेसु तं दमीसरा॥25॥

नाणेणं दंसणेणं च चरित्तेण तहेव य।

खन्तीए मुत्तीए वड्ढमाणो भवाहि य॥26॥

एवं ते रामकेसवा दसारा य बहू जणा।

अरिट्ठणेमिं वन्दित्ता अइगया बारगापुरिं॥27॥

सोऊण रायकन्ना पव्वज्जं सा जिणस्स उ।

नीहासा य निराणन्दा सोगेण उ समुच्छिया॥28॥

राईमई विचिन्तेइ धिरत्थु मम जीवियं।

जाहं तेण परिच्चत्ता सेयं पव्वइउं मम॥29॥

अह सा भमरसन्निभे कुच्चफणगपसाहिए।

सयमेव लुंचई केसे धिइमन्ता ववस्सिया॥30॥

वासुदेवो य णं भणइ लुच्चकेसं जिइन्दियं।

संसारसागरं घोरं तर कन्ने ! लहुं लहुं॥31॥

सा पव्वइया सन्ती पव्वावेसी तहिं बहुं।

सयणं परियणं चेव सीलवन्ता बहुस्सुया॥32॥

गिरिं रेवययं जन्ती वासेणुल्ला उ अन्तरा।

वासन्ते अन्धयारम्मि अन्तो लयणस्स सा ठिया॥33॥

चीवराइं विसारन्ती चहा जाय त्ति पासिया।

रहनेमी भग्गचित्तो पच्छा दिट्ठो य तीइ वि॥34॥

भीया य सा तहिं दट्ठुं एगन्ते संजयं तयं।

बाहाहिं काउं संगोफं वेवमाणी निसीयई॥35॥

अह सो वि रायपुत्तो समुद्दविजयंगओ।

भीयं पवेवियं दट्ठुं इमं वक्कं उदाहरे॥36॥

रहनेमी अहं भद्दे ! सुरूवे ! चारुभासिणि !।

ममं भयाहि सुयणू ! न ते पीला भविस्सई॥37॥

एहि ता भुंजिमो भोए माणुस्सं खु सुदुल्लहं।

भुत्तभोगा तओ पच्छा जिणमग्गं चरिस्समो॥38॥

दट्ठूण रहनेमिं तं भग्गुज्जोयपराइयं।

राईमई असम्भन्ता अप्पाणं संवरे तहिं॥39॥

अह सा रायवरकन्ना सुट्ठिया नियम व्वए।

जाई कुलं च सीलं च रक्खमाणी तयं वए॥40॥

जइ सि रूवेण वेसमणो ललिएण नलकूबरो।

तहा वि ते न इच्छामि जइ सि सक्खं पुरन्दरो॥41॥

पक्खंदे जलियं जोइं धूमकेउं दुरासयं।

नेच्छन्ति वंतयं भोत्तुं कुले जाया अगंधणे॥42॥

धिरत्थु ते अजसोकामी ! जो तं जीवियकारणा।

वन्तं इच्छसि आवेउं सेयं ते मरणं भवे॥43॥

अहं च भोयरायस्स तं च सि अन्धगवण्हिणो।

मा कुले गन्धणा होमो संजमं निहुओ चर॥44॥

जइ तं काहिसि भावं जा जा दिच्छसि नारिओ।

वायाविद्धो व्व हडो अट्ठिअप्पा भविस्ससि॥45॥

गोवालो भण्डवालो वा जहा तद्दव्व अणिस्सरो।

एवं अणिस्सरो तं पि सामण्णस्स भविस्ससि॥46॥

कोहं माणं निगिण्हित्ता मायं लोभं च सव्वसो।

इन्दियाइं वसे काउं अप्पाणं उवसंहरे॥47॥

तीसे सो वयणं सोच्चा संजयाए सुभासियं।

अंकुसेण जहा नागो धम्मे संपडिवाइओ॥48॥

मणगुत्तो वयगुत्तो कायगुत्तो जिइन्दिओ।

सामण्णं निच्चलं फासे जावज्जीवं दढव्वओ॥49॥

उग्गं तवं चरित्ताणं जाया दोण्णि वि केवली।

सव्वं कम्मं खवित्ताणं सिद्धिं पत्ता अणुत्तरं॥50॥

एवं करेन्ति संबुद्धा पण्डिया पवियक्खणा।

विणियट्टन्ति भोगेसु जहा सो पुरिसोत्तमो॥51॥

-त्ति बेमि।

तेविंसइमं अज्झयणं

केसिगोयमिज्जं

जिणे पासे त्ति नामेण अरहा लोगपूइओ।

संबुद्धप्पा य सव्वन्नू धम्मतित्थयरे जिणे॥1॥

तस्स लोगपईवस्स आसि सीसे महायसे।

केसीकुमारसमणे विज्जाचरणपारगे॥2॥

ओहिनाणसुए बुद्धे सीससंघसमाउले।

गामाणुगामं रीयन्ते सावत्थिं नगरिमागए॥3॥

तिन्दुयं नाम उज्जाणं तम्मी नगरमण्डले।

फासुए सिज्जसंथारे तत्थ वासमुवागए॥4॥

अह तेणेव कालेणं धम्मतित्थयरे जिणे।

भगवं वड्ढमाणो त्ति सव्वलोगम्मि विस्सुए॥5॥

तस्स लोगपईवस्स आसि सीसे महायसे।

भगवं गोयमे नामं विज्जाचरणपारगे॥6॥

बारसंगविऊ बुद्धे सीससंघसमाउले।

गामाणुगामं रीयन्ते से वि सावत्थिमागए॥7॥

कोट्ठगं नाम उज्जाणं तम्मी नयरमण्डले।

फासुए सिज्जसंथारे तत्थ वासमुवागए॥8॥

केसीकुमारसमणे गोयमे य महायसे।

उभओ वि तत्थ विहरिंसु अल्लीणा सुसमाहिया॥9॥

उभओ सीससंघाणं संजयाणं तवस्सिणं।

तत्थ चिन्ता समुप्पन्ना गुणवन्ताण ताइणं॥10॥

केरिसो वा इमो धम्मो ? इमो धम्मो व केरिसो।

आयारधम्मपणिही इमा वा सा व केरिसी॥11॥

चाउज्जामो य जो धम्मो जो इमो पंचसिक्खिओ।

देसिओ वड्ढमाणेण पासेण य महामुणी॥12॥

अचेलगो य जो धम्मो जो इमो सन्तरुत्तरो।

एगकज्जपवन्नाणं विसेसे किं नु कारणं॥13॥

अह ते तत्थ सीसाणं पवितक्किकयं।

समागमे कयमई उभओ केसि गोयमा॥14॥

गोयमे पडिरूवन्नू सीससंघ समाउले।

जेट्ठं कुलमवेक्खन्तो तिन्दुयं वणमागओ॥15॥

केसीकुमारसमणे गोयमं दिस्समागयं।

पडिरूवं पडिवंत्ति सम्मं संपडिवज्जई॥16॥

पलालं फासुयं तत्थ पंचमं कुसतणाणि य।

गोयमस्स निसेज्जाए खिप्पं संपणामए॥17॥

केसीकुमारसमणे गोयमे य महायसे।

उभओ निसण्णा सोहन्ति चन्दसूरसमप्पभा॥18॥

समागया बहू तत्थ पासण्डा कोउगा मिगा।

गिहत्थाणं अणेगाओ साहस्सीओ समागया॥19॥

देवदाणवगन्धव्वा जक्खरक्खसकिन्नरा।

अदिस्साणं च भूयाणं आसी तत्थ समागमो॥20॥

पुच्छामि ते महाभाग ! केसी गोयममब्बवी।

तओ केसिं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥21॥

पुच्छ भन्ते ! जहिच्छं ते केसिं गोयममब्बवी।

तओ केसी अणुन्नाए गोयमं इणमब्बवी॥22॥

चाउज्जामो य जो धम्मो जो इमो पंचसिक्खओ।

देसिओ वड्ढमाणेण पासेण य महामुणी॥23॥

एगकज्जपवन्नाणं विसेसे किं नु कारणं।

धम्मे दुविहे मेहावि ! कहं विप्पच्चओ न ते॥24॥

तओ केसिं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी।

पन्ना समिक्खए धम्मं तत्तं तत्तविणिच्छयं॥25॥

पुरिमा उज्जु जडा उ वंकजडा य पच्छिमा।

मज्झिमा उज्जु पन्ना य तेण धम्मे दुहा कए॥26॥

पुरिमाणं दुव्विसोज्झो उ चरिमाणं दुरणुपालओ।

कप्पो मज्झिमगाणं तु सुविसोज्झो सुपालओ॥27॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा॥28॥

अचेलगो य जो धम्मो जो इमो सन्तरुत्तरो।

देसिओ वड्ढमाणेण पासेण य महाजसा॥29॥

एगकज्जपवन्नाणं विसेसे किं नु कारणं।

लिंगे दुविहे मेहावि ! कहं विप्पच्चओ न ते॥30॥

केसिमेवं बुवाणं तु गोयमो इणमब्बवी।

विन्नाणेण समागम्म धम्मसाहणमिच्छियं॥31॥

पच्चयत्थं च लोगस्स नाणाविहविगप्पणं।

जत्तत्थं गहणत्थं च लोगे लिंगप्पओयणं॥32॥

अह भवे पइन्ना उ मोक्खसंब्भूयसाहणे।

नाणं च दंसणं चेव चरित्तं चेव निच्छए॥33॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा॥34॥

अणेगाणं सहस्साणं मज्झे चिट्ठसि गोयमा।

ते य ते अहिगच्छन्ति कहं ते निज्जिया तुमे॥35॥

एगे जिए जिया पंच पंच जिए जिया दस।

दसहा उ जिणित्ताणं सव्वसत्तू जिणामहं॥36॥

सत्तू य इइ के वुत्ते ? केसी गोयममब्बवी।

तओ केसिं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥37॥

एगप्पा अजिए सत्तू कसाया इन्दियाणि य।

ते जिणित्तु जहानायं विहरामि अहं मुणी॥38॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा॥39॥

दीसन्ति बहवे लोए पासबद्धा सरीरिणो।

मुक्कपासो लहुब्भूओ कहं तं विहरसी मुणी॥40॥

ते पासे सव्वसो छित्ता निहन्तूण उवायओ।

मुक्कपासो लहुब्भूओ विहरामि अहं मुणी !॥41॥

पासा य इइ के वुत्ता ? केसी गोयममब्बवी।

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥42॥

रागद्दोसादओ तिव्वा नेहपासा भयंकरा।

ते छिन्दितु जहानायं विहरामि जहक्कमं॥43॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा॥44॥

अन्तोहियय संभूया लया चिट्ठइ गोयमा।

फलेइ विसभक्खीणि सा उ उद्धरिया कहं॥45॥

तं लयं सव्वसो छित्तो उद्धरित्ता समूलियं।

विहरामि जहानायं मुक्को मि विसभक्खणं॥46॥

लया य इइ का वुत्ता? केसी गोयममब्बवी।

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥47॥

भवतण्हा लया वुत्ता भीमा भीमफलोदया।

तमुद्धरित्तु जहानायं विहरामि महामुणी॥48॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा॥49॥

संपज्जलिया घोरा अग्गी चिट्ठइ गोयमा।

जे डहन्ति सरीरत्था कहं विज्झाविया तुमे॥50॥

महामेहप्पसूयाओ गिज्झ वारि जलुत्तमं।

सिंचामि सययं देहं सित्ता नो व डहन्ति मे॥51॥

अग्गी य इइ के वुत्ता? केसी गोयममब्बवी।

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥52॥

कसाया अग्गिणो वुत्ता सुय सील तवो जलं।

सुयधाराभिहया सन्ता भिन्ना हु न डहन्ति मे॥53॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा !॥54॥

अयं साहसिओ भीमो दुट्ठस्सो परिधावई।

जं सि गोयम ! आरूढो कहं तेण न हीरसि॥55॥

पधावन्तं निगिण्हामि सुयरस्सीसमाहियं।

न म गच्छइ उम्मग्गं मग्गं च पडिवज्जई॥56॥

अस्से य इइ पुत्ते? केसी गोयममब्बवी।

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥57॥

मणो साहसिओ भीमो दुट्ठस्सो परिधावई।

तं सम्मं निगिण्हामि धम्मसिक्खाए कन्थगं॥58॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा ! ॥59॥

कुप्पहा बहवो लोए जेहिं नासन्ति जंतवो।

अद्धाणे कह वट्टन्ते तं न नस्ससि गोयमा!॥60॥

जे य मग्गेण गच्छन्ति जे य उम्मग्गपट्ठिया।

ते सव्वे विइया मज्झं तो न नस्सामहं मुणी !॥61॥

मग्गे य इइ के वुत्ते ? केसी गोयममब्बवी।

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥62॥

कुप्पवयण पासण्डी सव्वे उम्मग्गपट्ठिया।

सम्मग्गं तु जिणक्खायं एस मग्गे हि उत्तमे॥63॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा !॥64॥

महाउदग वेगेणं बुज्झमाणाण पाणिणं।

सरणं गई पइट्ठा य दीवं कं मन्नसी मुणी?॥65॥

अत्थि एगो महादीवो वारिमज्झे महालओ।

महाउदगवेगस्स गई तत्थ न विज्जई॥66॥

दीवे य इइ के वुत्ते? केसी गोयममब्बवी।

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥67॥

जरा मरणवेगेणं बुज्झमाणाण पाणिणं।

धम्मो दीवो पइट्ठा य गई सरणमुत्तमं॥68॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा॥69॥

अण्णवंसि महोहंसि नावा विपरिधावई।

जं सि गोयममारूढो कहं पारं गमिस्ससि ?॥70॥

जा उ अस्साविणी नावा न सा पारस्स गामिणी।

जा निरस्साविणी नावा सा उ पारस्स गामिणी॥71॥

नावा य इइ का वुत्ता ? केसी गोयममब्बवी।

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥72॥

सरीरमाहु नाव त्ति जीवो वुच्चइ नाविओ।

संसारो अण्णवो वुत्तो जं तरन्ति महेसिणो॥73॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झे तं मे कहसु गोयमा ! ॥74॥

अन्धयारे तमे घोरे चिट्ठन्ति पाणिणो बहू।

को करिस्सइ उज्जोयं सव्वलोगम्मि पाणिणं॥75॥

उग्गओ विमलो भाणू सव्वलोगप्पभंकरो।

सो करिस्सइ उज्जोयं सव्वलोगम्मि पाणिणं॥76॥

भाणू य इइ के वुत्ते? केसी गोयममब्बवी।

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥77॥

उग्गओ खीणसंसारो सव्वन्नू जिणभक्खरो।

सो करिस्सइ उज्जोयं सव्वलोयम्मि पाणिणं॥78॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

अन्नो वि संसओ मज्झं तं मे कहसु गोयमा ! ॥79॥

सारीर माणसे दुक्खे बज्झमाणाण पाणिणं।

खेमं सिवमणाबाहं ठाणं किं मन्नसी मुणी॥80॥

अत्थि एगं धुवं ठाणं लोगग्गम्मि दुरारुहं।

जत्थ नत्थि जरा मच्चू वाहिणो वेयणा तहा॥81॥

ठाणे य इइ के वुत्ते ? केसी गोयममब्बवी।

केसिमेवं बुवंतं तु गोयमो इणमब्बवी॥82॥

निव्वाणं ति अबाहं ति सिद्धी लोगग्गमेव य।

खेमं सिवं अणाबाहं जं चरन्ति महेसिणो॥83॥

तं ठाणं सासयं वासं लोगग्गंमि दुरारुहं।

जं संपत्ता न सोयन्ति भवोहन्तकरा मुणी॥84॥

साहु गोयम ! पन्ना ते छिन्नो मे संसओ इमो।

नमो ते संसयाईय ! सव्वसुत्तमहोयही !॥85॥

एवं तु संसए छिन्ने केसी घोरपरक्कमे।

अभिवन्दित्ता सिरसा गोयमं तु महायसं॥86॥

पंचमहव्वयधम्मं पडिवज्जइ भावओ।

पुरिमस्स पच्छिमंमी मग्गे तत्थ सुहावहे॥87॥

केसीगोयमओ निच्चं तम्मि आसि समागमे।

सुय सीलसमुक्करिसो महत्थात्थविणिच्छओ॥88॥

तोसिया परिसा सव्वा सम्ममग्गं समुवट्टिया।

संथुया ते पसीयन्तु भयवं केसिगोयमे॥89॥

-त्ति बेमि

चउवीसइमं अज्झयणं

पवयणमाया

अट्ठ पवयणमायाओ समिई गुत्ती तहेव य।
पंचेव य समिईओ तओ गुत्तीओ आहिया॥1॥

इरियाभासेसणादाणे उच्चारे समिई इय।
मणुगुत्ती वयगुत्ती कायगुत्ती य अट्ठमा॥2॥

एयाओ अट्ठ समिईओ समासेण वियाहिया।
दुवालसंगं जिणक्खायं मायं जत्थ उ पवयणं॥3॥

आलम्बणेण कालेण मग्गेण जयणाइ य।
चउकारणपरिसुद्धं संजए इरियं रिए॥4॥

तत्थ आलंबणं नाणं दंसणं चरणं तहा।
काले य दिवसे वुत्ते मग्गे उप्पहवज्जिए॥5॥

दव्वओ खेत्तओ चेव कालओ भावओ तहा।
जयणा चउव्विहा वुत्ता तं मे कित्तयओ सुण॥6॥

दव्वओ चक्खुसा पेहे जुगमितं च खेत्तओ।
कालओ जाव रीएज्जा उवउत्ते य भावओ॥7॥

इन्दियत्थे विवज्जित्ता सज्झायं चेव पंचहा।
तम्मुत्ती तप्पुरक्कारे उवउत्ते इरियं रिए॥8॥

कोहे माणे य मायाए लोभे य उवउत्तया।

हासे भए मोहरिए विगहासु तहेव य॥9॥

एयाइं अट्ठ ठाणाइं परिवज्जित्तु संजए।

असावज्जं मियं काले भासं भासेज्ज पन्नवं॥10॥

गवेसणाए गहणे य परिभोगेसणा य जा।

आहारोवहि सेज्जाए एए तिन्नि विसोहए॥11॥

उग्गमुप्पायणं पढमे बीए सोहेज्ज एसणं।

परिभोयम्मि चउक्कं विसोहेज्ज जयं जई॥12॥

ओहोवहोवग्गहियं भण्डगं दुविहं मुणी।

गिण्हन्तो निक्खिवन्तो य पउंजेज्ज इमं विहिं॥13॥

चक्खुसा पडिलेहित्ता पमज्जेज्ज जयं जई।

आइए निक्खिवेज्जा वा दुहओ वि समिए सया॥14॥

उच्चारं पासवणं खेलं सिंघाण जल्लियं।

आहारं उवहिं देहं अन्नं वावि तहाविहं॥15॥

अणावायमसंलोए अणावाए चेव होइ संलोए।

आवायमसंलोए आवाए चेय संलोए॥16॥

अणावायमसंलोए परस्सणुवघाइए।

समे अज्झुसिरे यावि अचिरकालकयम्मि य॥17॥

वित्थिण्णे दूरमोगाढे नासन्ने बिलवज्जिए।

तसपाण बीयरहिए उच्चाराईणि वोसिरे॥18॥

एयाओ पंच समिईओ समासेण वियाहिया।

एत्तो य तओ गुत्तीओ वोच्छामि अणुपुव्वसो॥19॥

सच्चा तहेव मोसा य सच्चामोसा तहेव य।

चउत्थी असच्चमोसा मणगुत्ती चउव्विहा॥20॥

सरंम्भसमारम्भे आरम्भे य तहेव य।

मणं पवत्तमाणं तु नियत्तेज्ज जयं जई॥21॥

सच्चा तहेव मोसा य सच्चामोसा तहेव य।

चउत्थी असच्चमोसा वइगुत्ती चउव्विहा॥22॥

संरम्भ समारम्भे आरम्भे य तहेव य।

वयं पवत्तमाणं तु नियत्तेज्ज जयं जई॥23॥

ठाणे निसीयणे चेव तहेव य तुयट्टणे।

उल्लंघण पल्लंघणे इन्दियाण य जुंजणे॥24॥

संरम्भ समारम्भे आरम्भम्मि तहेव य।

कायं पवत्तमाणं तु नियत्तेज्ज जयं जई॥25॥

एयाओ पंच समिईओ चरणस्स य पवत्तणे।

गुत्ती नियत्तणे वुत्ता असुभत्थेसु सव्वसो॥26॥

एया पवयणमाया जे सम्मं आयरे मुणी।

से खिप्पं सव्वसंसारा विप्पमुच्चइ पण्डिए॥27॥

-त्ति बेमि

पंचविंसइमं अज्झयणं

जन्नइज्जं

माहणकुलसंभूओ आसि विप्पो महायसो।
जायाई जमजन्नंमि जयघोसे त्ति नामओ॥1॥

इन्दियग्गामनिग्गाही मग्गगामी महामुणी।
गामाणुगामं रीयन्ते पत्तो वाणारसिं पुरिं॥2॥

वाणारसीए बहिया उज्जाणम्मि मणोरमे।
फासुए सेज्जसंथारे तत्थ वासमुवागए॥3॥

अह तेणेव कालेणं पुरीए तत्थ माहणे।
विजयघोसे त्ति नामेण जन्नं जयइ वेयवी॥4॥

अह से तत्थ अणगारे मासक्खमणपारणे।
विजयघोसस्स जन्नम्मि भिक्खस्साट्ठा उवट्ठिए॥5॥

समुवट्ठियं तहिं सन्तं जायगो पडिसेहए।
न हु दाहामि ते भिक्खू भिक्खू ! जायाहि अन्नओ॥6॥

जे य वेयविऊ विप्पा जन्नट्ठा य जे दिया।
जोइसं गविऊ जे य जे य धम्माण पारगा॥7॥

जे समत्था समुद्धत्तुं परं अप्पाणमेव य।
तेसिं अन्नमिणं देयं भो भिक्खू ! सव्वकामियं॥8॥

सो एवं तत्थ पडिसिद्धो जायगेण महामुणी।

न वि रुट्ठो न वि तुट्ठो उत्तमट्ठ गवेसओ॥9॥

नान्नट्ठं पाणहेउं वा न वि निव्वाहणाय वा।

तेसिं विमोक्खणट्ठाए इमं वयणमब्बवी॥10॥

न वि जाणासि वेयमुहं न वि जन्नाण जं मुहं।

नक्खत्ताण मुहं जं च जं च धम्माण वा मुहं॥11॥

जे समत्था समुद्धत्तुं परं अप्पाणमेव य।

न ते तुमं वियाणासि अह जाणासि तो भण॥12॥

तस्साक्खेवपमोक्खं च अचयन्तो तहिं दिओ।

सपरिसो पंजली होउं पुच्छई तं महामुणिं॥13॥

वेयाणं च मुहं बूहि बूहि जन्नाण जं मुहं।

नक्खत्ताण मुहं बूहि बूहि जन्नाण वा मुहं॥14॥

चे समत्था समुद्धत्तुं परं अप्पाणमेव य।

एयं मे संसयं सव्वं साहू ! कहसु पुच्छिओ॥15॥

अग्गिहोत्तमुहा वेया जन्नट्ठी वेयसां मुहं।

नक्खत्ताण मुहं चन्दो धम्माणं कासवो मुहं॥16॥

जहा चंदं गहाईया चिट्ठन्ती पंजलीउडा।

वन्दमाणा नमसन्ता उत्तमं मणहारिणो॥17॥

अजाणगा जन्नवाई विज्जा माहणसंपया।

गूढा सज्झायतवसा भासच्छन्ना इवाग्गिणो॥18॥

जे लोए बम्भणो वुत्तो अग्गी वा महीओ जहा।

सया कुसलसंदिट्ठं तं वयं बूम माहणं॥19॥

जो न सज्जइ आगन्तुं पव्वयन्तो न सोयई।

रमए अज्जवयणम्मि तं वयं बूम माहणं॥20॥

जायरूवं जहामट्ठं निद्धन्तमलपावगं।

राग द्दोस भयाईयं तं वयं बूम माहणं॥21॥

तवस्सियं किसं दन्तं अवचियमंस सोणियं।

सुव्वयं पत्तनिव्वायं तं वयं बूम माहणं॥22॥

तसपाणे वियाणेत्ता संगहेण य थावरे।

जो न हिंसइ तिविहेणं तं वयं बूम माहणं॥23॥

कोहा वा जइ वा हासा लोहा वा जइ वा भया।

मुसं न वयई जो उ तं वयं बूम माहणं॥24॥

चित्तमन्तमचित्तं वा अप्पं वा जइ वा बहुं।

न गेण्हइ अदत्तं जे तं वयं बूम माहणं॥25॥

दिव्व माणुस तेरिच्छं जो न सेवइ मेहुणं।

मणसा काय वक्केणं तं वयं बूम माहणं॥26॥

जहा पोमं जले जायं नोवलिप्पइ वारिणा।

एवं अलित्तो कामेहिं तं वयं बूम माहणं॥27॥

अलोलुयं मुहाजीवी अणगारं अकिंचणं।

असंसत्तं गिहत्थेसु तं वयं बूम माहणं॥28॥

जहित्ता पुव्वसंजोगं नाइसंगे य बन्धवे।

जो न सज्जइ एएहिं तं वयं बूम माहणं॥29॥

पसुबन्धा सव्ववेया जट्ठं च पावकम्मुणा।

न तं तायन्ति दुस्सीलं कम्माणि बलवन्ति हि॥30॥

न वि मुण्डिएण समणो न ओंकारेण बम्भणो।

न मुणी रण्णवासेणं कुसचीरेण न तावसो॥31॥

समयाए समणो होइ बम्भचेरेण बम्भणो।

नाणेण य मुणी होइ तवेणं होइ तावसो॥32॥

कम्मुणा बम्भणो होइ कम्मुणा होइ खत्तिओ।

वइस्सो कम्मुणा होइ सुद्दो हवइ कम्मुणा॥33॥

एए पाउकरे बुद्धे जेहिं होई सिणायओ।

सव्वकम्मविनिम्मुक्कं तं वयं बूम माहणं॥34॥

एवं गुणसमाउत्ता जे भवन्ति दिउत्तमा।

ते समत्था उ उद्धत्तुं परं अप्पाणमेव य॥35॥

एवं तु संसए छिन्ने विजयघोसे य माहणे।

समुदाय तयं तं तु जयघोसं महामुणिं॥36॥

तुट्ठे य विजयघोसे इणमुदाहु कयंजली।

माहणत्तं जहाभूयं सुट्ठु मे उवदंसियं॥37॥

तुब्भे जइया जन्नाणं तुब्भे वेयविऊ विऊ।

जोइसंगविऊ तुब्भे तुब्भे धम्माण पाएगा॥38॥

तुब्भे समत्था उद्धत्तुं परं अप्पाणमेव य।

तमणुग्गहं करेह अम्हं भिक्खेण भिक्खु उत्तमा॥39॥

न कज्जं मज्झ भिक्खेण खिप्पं निक्खमसू दिया।

मा भमिहिसि भयावट्टे घोरे संसारसागरे॥40॥

उवलेवो होइ भोगेसु अभोगी नोवलिप्पई।

भोगी भमइ संसारे अभोगी विप्पमुच्चई॥41॥

उल्लो सुक्को य दो छूढा गोलया मट्टियामया।

दो वि आवडिया कुड्डे जो उल्लो सो तत्थ लग्गई॥42॥

एवं लग्गन्ति दुम्मेहा जे नरा कामलालसा।

विरत्ता उ न लग्गन्ति जहा सुक्को उ गोलओ॥43॥

एवं से विजयघोसे जयघोसस्स अन्तिए।

अणगारस्स निक्खन्तो धम्मं सोच्चा अणुत्तरं॥44॥

खवित्ता पुव्वकम्माइं संजमेण तवेण य।

जयघोस विजयघोसा सिद्धिं पत्ता अणुत्तरं॥45॥

-त्ति बेमि

छव्वीसइमं अज्झयणं

सामायरी

सामायारिं पवक्खामि सव्वदुक्खविमोक्खणिं।

जं चरित्ताण निग्गन्था तिण्णा संसारसागरं॥1॥

पढमा आवस्सिया नाम बिइया य निसीहिया।

आपुच्छणा य तइया चउत्थी पडिपुच्छणा॥2॥

पंचमा छन्दणा नाम इच्छाकारो य छट्ठओ।

सत्तमो मिच्छकारो य तहक्कारो य अट्ठमो॥3॥

अब्भुट्ठाणं नवमं दसमा उवसंपदा।

एसा दसंगा साहूणं सामायारी पवेइया॥4॥

गमणे आवस्सियं कुज्जा ठाणे कुज्जा निसीहियं।

आपुच्छणा सयंकरणे परकरणे पडिपुच्छणा॥5॥

छन्दणा दव्वजाएणं इच्छाकारो य सारणे।

मिच्छाकारो य निन्दाए तहक्कारो य पडिस्सुए॥6॥

अब्भुट्ठाणं गुरुपूया अच्छणे उवसंपदा।

एवं दुपंचसंजुत्ता सामायारी पवेइया॥7॥

पुव्विल्लम्मि चउब्भाए आइच्चम्मि समुट्ठिए।

भण्डयं पडिलेहित्ता वन्दित्ता य तओ गुरुं॥8॥

पुच्छेज्जा पंजलिउडो किं कायव्वं मए इहं।

इच्छं निओइउं भन्ते ! वेयावच्चे व सज्झाए॥9॥

वेयावच्चे निउत्तेणं कायव्वं अगिलायओ।

सज्झाए वा निउत्तेणं सव्वदुक्खविमोक्खणे॥10॥

दिवसस्स चउरो भागे कुज्जा भिक्खू वियक्खणो।

तओ उत्तरगुणे कुज्जा दिणभागेसु चउसु वि॥11॥

पढमं पोरिसिं सज्झायं बीयं झाणं झियायई।

तइयाए भिक्खयरियं पुणो चउत्थीए सज्झायं॥12॥

आसाढे मासे दुपया पोसे मासे चउप्पया।

चित्तासोएसु मासेसु तिपया हवइ पोरिसी॥13॥

अंगुलं सत्तरत्तेणं पक्खेण य दुअंगुलं।

वड्ढए हायए वावी मासेणं चउरंगुलं॥14॥

आसाढबहुलपक्खे भद्दवए कत्तिए य पोसे य।

फग्गुण वइसासेसु य नायव्वा ओमरत्ताओ॥15॥

जेट्ठामूले आसाढ सावणे छहिं अंगुलेहिं पडिलेहा।

अट्ठहिं बीयतियमी तइए दस अट्ठहिं चउत्थे॥16॥

रत्तिं पि चउरो भागे भिक्खू कुज्जा वियक्खणो।

तओ उत्तरगुणे कुज्जा राइभाएसु चउसु वि॥17॥

पढमं पोरिसिं सज्झायं बीयं झाणं झियायई।

तइयाए निद्दमोक्खं तु चउत्थी भुज्जो वि सज्झायं॥18॥

जं नेइ जया रत्तिं नक्खत्तं तम्मि नहचउब्भाए।

संपत्ते विरमेज्जा सज्झायं पओसकालम्मि॥19॥

तम्मेव य नक्खत्ते गयणचउब्भागसावसेसम्मि।

वेरत्तियं पि कालं पडिलेहित्ता मुणी कुज्जा॥20॥

पुव्विल्लम्मि चउब्भाए पडिलेहित्ताण भण्डयं।

पुरुं वन्दित्तु सज्झायं कुज्जा दुक्खविमोक्खणं॥21॥

पोरिसीए चउब्भाए वन्दित्ताण तओ गुरुं।

अपडिक्कमित्ता कालस्स भायणं पडिलेहए॥22॥

मुहपोत्तियं पडिलेहित्ता पडिलेहिज्ज गोच्छगं।

गोच्छगलइयंगुलिओ वत्थाइं पडिलेहए॥23॥

उड्ढं थिरं अतुरियं पुव्वं ता वत्थमेव पडिलेहे।

तो बिइयं पप्फोडे तइयं च पुणो पमज्जेज्जा॥24॥

अणच्चावियं अवलियं अणाणुबन्धिं अमोसलिं चेव।

छप्पुरिमा नव खोडा पाणीपाणविसोहणं॥25॥

आरभडा सम्मद्दा वज्जेयव्वा य मोसली तइया।

पप्फोडणा चउत्थी विक्खित्ता वेइया छट्ठा॥26॥

पसिढिल पलम्ब लोला एगामोसा अणेगरूवधुणा।

कुणइ पमाणि पमायं संकिए गणणोवगं कुज्जा॥27॥

अणूणाइरित्तपडिलेहा अविवच्चासा तहेव य।

पढमं पयं पसत्थं सेसाणि उ अप्पसत्थाइं॥28॥

पडिलेहणं कुणन्तो मिहोकहं कुणइ जणवयकहं वा।

देइ व पच्चक्खाणं वाएइ सयं पडिच्छइ वा॥29॥

पुढवीआउक्काए तेऊवाऊवणस्सइतसाण।

पडिलेहणापमत्तो छण्हं पि विराहओ होइ॥30॥

पुढवी आउक्काए तेऊ वाऊ वणस्सइ तसाणं।

पडिलेहणआउत्तो छण्हं आराहओ होइ॥31॥

तइयाए पोरिसीए भत्तं पाणं गवेसए।

छण्हं अन्नयरागम्मि कारणम्मि समुट्ठिए॥32॥

वेयण वेयावच्चे इरियट्ठाए य संजमट्ठाए।

तह पाणवत्तियाए छट्ठं पुण धम्मचिन्ताए॥33॥

निग्गन्थो धिइमन्तो निग्गन्थी वि न करेज्ज छहिं चेव।

ठाणेहिं उ इमेहिं अणइक्कमणा य से होइ॥34॥

आयंके उवसग्गे तितिक्खया बम्भचेरगुत्तीसु।

पाणिदया तवहेउं सरीर वोच्छयणट्ठाए॥35॥

अवसेसं भण्डगं गिज्झा चक्खुसा पडिलेहए।

परमद्धजोयणाओ विहारं विहरए मुणी॥36॥

चउत्थीए पोरिसीए निक्खिवित्ताण भायणं।

सज्झायं तओ कुज्जा सव्वभावविभावणं॥37॥

पोरिसीए चउब्भाए वन्दित्ताण तओ गुरुं।

पडिक्कमित्ता कालस्स सेज्जं तु पडिलेहए॥38॥

पासवणुच्चारभूमिं च पडिलेहिज्ज जयं जई।

काउस्सग्गं तओ कुज्जा सव्वदुक्खविमोक्खणं॥39॥

देसियं च अईयारं चिन्तिज्ज अणुपुव्वसो।

नाणे य दंसणे चेव चरित्तम्मि तहेव य॥40॥

पारियकाउस्सग्गो वन्दित्ताण तओ पुरुं।

देसियं तु अईयारं आलोएज्ज जहक्कमं॥41॥

पडिक्कमित्तु निस्सल्लो वन्दित्ताण तओ गुरुं।

काउस्सग्गं तओ कुज्जा सव्वदुक्खविमोक्खणं॥42॥

पारियकाउस्सग्गो वन्दित्ताण तओ पुरुं।

थुइमंगलं च काऊण कालं संपडिलेहए॥43॥

पढमं पोरिसिं सज्झायं बीयं झाणं झियायई।

तइयाए निद्दमोक्खं तु सज्झायं तु चउत्थिए॥44॥

पोरिसीए चउत्थीए कालं तु पडिलेहिया।

सज्झायं तओ कुज्जा अबोहेन्तो असंजए॥45॥

पोरिसीए चउब्भाए वन्दिऊण तओ गुरुं।

पडिक्कमित्तु कालस्स कालं तु पडिलेहए॥46॥

आगए कायवोस्सग्गे सव्वदुक्खविमोक्खणे।

काउस्सग्गं तओ कुज्जा सव्वदुक्खविमोक्खणं॥47॥

राइयं च अईयारं चिन्तिज्ज अणुपुव्वसो।

नाणम्म दंसणंमी चरित्तम्मि तवम्मि य॥48॥

पारियकाउस्सग्गो वन्दित्ताण तओ गुरुं।

राइयं तु अईयारं आलोएज्ज जहक्कमं॥49॥

पडिक्कमित्तु निस्सल्लो वन्दित्ताण तओ गुरुं।

काउस्सग्गं तओ कुज्जा सव्वदुक्खविमोक्खणं॥50॥

किं तवं पडिवज्जामि एवं तत्थ विचिन्तए।

काउस्सग्गं तु पारित्ता वन्दई य तओ गरुं॥51॥

पारियकाउस्सग्गो वन्दित्ताण तओ गुरुं।

तवं संपडिवज्जेत्ता करेज्ज सिद्धाण संथवं॥52॥

एसा सामायारी समासेण वियाहिया।

जं चरित्ता बहू जीवा तिण्णा संसारसागरं॥53॥

-त्ति बेमि।

सत्तावीसइमं अज्झयणं

खलुंकिज्जं

थेरे गणहरे गग्गे मुणी आसि विसारए।
आइण्णे गणिभावम्मि समाहिं पडिसंधए॥1॥

वहणे वहमाणस्स कन्तारं अइवत्तई।
जोए वहमाणस्स संसारो अइवत्तई॥2॥

खलुंके जो उ जोएइ विहम्माणो किलिस्सई।
असमाहिं च वेएइ तोत्तओ य से भज्जई॥3॥

एगं डसइ पुच्छम्म एगं विन्धइ अभिक्खणं।
एगो भंजइ समिलं एगो उप्पहपट्ठिओ॥4॥

एगो पडइ पासेणं निवेसइ निवज्जई।
उक्कुद्दई उप्फिडई सढे बालगवी वए॥5॥

माई मुद्धेण पडई कुद्धे गच्छइ पडिप्पहं।
मयलक्खेण चिट्ठई वेगेण य पहावई॥6॥

छिन्नाले छिन्दई सेल्लिं दुद्दन्तो भंजए जुगं।
से वि य सुस्सुयाइत्ता उज्जहित्ता पलायए॥7॥

खलुंका जारिसा जोज्जा दुस्सीसा वि हु तारिसा।
जोइया धम्मजाणम्मि भज्जन्ति धिइदुब्बला॥8॥

इड्ढीगारविए एगे एगेत्थ रसगारवे।

सायागारविए एगे एगे सुचिरकोहणे॥9॥

भिक्खालसिए एगे एगे ओमाणभीरुए थद्धे।

एगं च अणुसासम्मी हेऊहिं कारणेहि य॥10॥

सो वि अन्तरभासिल्लो दोसमेव पकुव्वई।

आयरियाणं तं वयणं पडिकूलेइ अभिक्खणं॥11॥

न सा ममं वियाणाइ न वि सा मज्झ दाहिई।

निग्गया होहिई मन्ने साहू अन्नोत्थ वच्चउ॥12॥

पेसिया पलिउंचन्ति ते परियन्ति समन्तओ।

रायवेट्ठिं व मन्नन्ता करेन्ति भिउडिं मुहे॥13॥

वाइया संगहिया चेव भत्तपाणे य पोसिया।

जायपक्खा जहा हंसा पक्कमन्ति दिसोदिसिं॥14॥

अह सारही विचिन्तेइ खलु केहिं समागओ।

किं मज्झ दुट्ठसीसेहिं अप्पा मे अवसीयई॥15॥

जारिसा मम सीसाउ तारिसा गलिगद्दहा।

गलिगद्दहे चइत्ताणं दढं परिगिण्हइ तवं॥16॥

मिउ मद्दवसंपन्ने गम्भीरे सुसमाहिए।

विहरइ महिं महप्पा सीलभूएण अप्पणा॥17॥

-त्ति बेमि।

अट्ठावीसइमं अज्जयणं

मोक्खमग्गई

मोक्खमग्गगइं तच्चं सुणेह जिणभासियं।
चउकारणसंजुत्तं नाण दंसणलक्खणं॥1॥

नाणं च दंसणं चेव चरित्तं च तवो तहा।
एस मग्गो त्ति पन्नत्तो जिणेहिं वरदंसिहिं॥2॥

नाणं च दंसणं चेव चरित्तं च तवो तहा।
एयं मग्गमणुप्पत्ता जीवा गच्छन्ति सोग्गइं॥3॥

तत्थ पंचविहं नाणं सुयं आभिनिबोहियं।
ओहीनाणं तइयं मणनाणं च केवलं॥4॥

एयं पंचविहं नाणं दव्वाण य गुणाण य।
पज्जवाणं च सव्वेसिं नाणं नाणीहि देसियं॥5॥

गुणाणमासओ दव्वं एगदव्वस्सिया गुणा।
लक्खणं पज्जवाणं तु उभओ अस्सिया भवे॥6॥

धम्मो अहम्मो आगासं कालो पुग्गल जन्तवो।
एस लोगो पन्नत्तो जिणेहिं वरदंसिहिं॥7॥

धम्मो अहम्मो आगासं दव्वं इक्किक्कमाहियं।
अणन्ताणि य दव्वाणि कालो पुग्गल-जन्तवो॥8॥

गइलक्खणो उ दम्मो अहम्मो ठाणलक्खणो।

भायणं सव्वदव्वाणं नहं ओगाहलक्खणं॥9॥

वत्तणालक्खणो कालो जीवो उवओगलक्खणो।

नाणेणं दंसणेणं च सुहेण य दु हेण य॥10॥

नाणं च दंसणं चेव चरित्तं च तवो तहा।

वीरियं उवओगो य एयं जीवस्स लक्खणं॥11॥

सद्दन्धयार उज्जोओ पहा छायातवे इ वा।

वण्ण रस गन्ध फासा पुग्गलाणं तु लक्खणं॥12॥

एगत्तं च पुहत्तं च संखा संठाणमेव य।

संजोगा य विभागा य पज्जवाणं तु लक्खणं॥13॥

जीवाजीवा य बन्धो य पुण्णं पावासवो तहा।

संवरो निज्जरा मोक्खो सन्तेए तहिया नव॥14॥

तहियाणं तु भावाणं सब्भावे उवएसणं।

भावेणं सद्दहंतस्स सम्मत्तं तं वियाहियं॥15॥

निसग्गुवएसरुई आणारुई सुत्त बीयरुइमेव।

अभिगम वित्थाररूई किरया संखेव धम्मरुई॥16॥

भूयत्थेणाहिगया जीवाजीवा य पुण्णपावं च।

सहसम्मुइयासवसंवरो य रोएइ उ निसग्गो॥17॥

जो जिणदिट्ठे भावे चउव्विहे सद्दहाइ सयमेव।

एमेव नान्नह त्ति य निसग्गरुइ त्ति नायव्वो॥18॥

एए चेव उ भावे उवइट्ठे जो परेण सद्दहई।

छउमत्थेण जिणेण व उवएसरुइ त्ति नायव्वो॥19॥

रागो दोसो मोहो अन्नाणं जस्स अवगयं होइ।

आणाए रोयंतो सो खलु आणारुई नाम॥20॥

जो सुत्तमहिज्जन्तो सुएण ओगाहई उ सम्मत्तं।

अंगेण बाहिरेण व सो सुत्तरुइ त्ति नायव्वो॥21॥

एगेण अणेगाइं पयाइं जो पसरई उ सम्मत्तं।

उदए व्व तेल्लबिन्दू सो बीयरुइ त्ति नायव्वो॥22॥

सो होइ अभिगमरुई सुयनाणं जेण अत्थओ दिट्ठं।

एक्कारस अंगाइं पइण्णगं दिट्ठिवाओ य॥23॥

दव्वाण सव्वभावा सव्वपमाणेहिं जस्स उवलद्धा।

सव्वाहि नयविहीहि य वित्थाररुइ त्ति नायव्वो॥24॥

दंसण नाण चरित्ते तव विणए सच्च समिइ गुत्तीसु।

जो किरियाभावरुई सो खलु किरियारुई नाम॥25॥

अणभिग्गहिय कुदिट्ठी संखेवरुइ त्ति होइ नायव्वो।

अविसारओ पवयणे अणभिग्गहिओ य सेसेसु॥26॥

जो अत्थिकायधम्मं सुयधम्मं खलु चरित्तधम्मं च।

सद्दहइ जिणाभिहियं सो धम्मरुइ त्ति नायव्वो॥27॥

परमत्थसंथवो वा सुदिट्ठपरमत्थसेवणा वा वि।

वावण्णकुदंसणवज्जणा य सम्मत्तसद्दहणा॥28॥

नत्थि चरित्तं सम्मत्तविहूणं दंसणे उ भइयव्वं।

सम्मत्त चरित्ताइं जुगवं पुव्वं व सम्मत्तं॥29॥

नादंसणिस्स नाणं नाणेण विणा न हुन्ति चरणगुणा।

अगुणिस्स नत्थि मोक्खो नत्थि अमोक्खस्स निव्वाणं॥30॥

निस्संकिय निक्कंखियं निव्वितिगिच्छा अमूढदिट्ठी य।

उववूह थिरीकरणे वच्छल्ल पभावणे अट्ठ॥31॥

सामाइयत्थ पढमं छेओवट्ठावणं भवे बीयं।

परिहारविसुद्धीयं सुहुमं तह संपरायं च॥32॥

अकसायं अहक्खायं छउमत्थस्स जिणस्स वा।

एयं चयरित्तकरं चारित्तं होइ आहियं॥33॥

तवो य दुविहो वुत्तो बाहिर अब्भन्तरो तहा।

बाहिरो छव्विहो वुत्तो एवमब्भन्तरो तवो॥34॥

नाणेण जाणई भावे दंसणेण य सद्दहे।

चरित्तेण निगिण्हाइ तवेण परिसुज्झई॥35॥

खवेत्ता पुव्वकम्माइं संजमेण तवेण य।

सव्वदुक्खप्पहीणट्ठा पक्कमन्ति महेसिणो॥36॥

-त्ति बेमि।

एगुणतीसइमं अज्झयणं

समत्तपरक्कमे

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं - इह खलु सम्मत्तपरक्कमे नाम अज्झयणे समणेणं भगवया महावीरेणं कासवेणं पवेइए, जं सम्मं सद्दहित्ता, पत्तियाइत्ता, रोयइत्ता, फासइत्ता, पालइत्ता, तीरइत्ता, किट्टइत्ता सोहइत्ता, आराहइत्ता, आणाए अणुपालइत्ता बहवे जीवा सिज्झन्ति, बुज्झन्ति, मुच्चन्ति, परिनिव्वायन्ति, सव्वदुक्खाणमन्तं करेन्ति॥1॥

तस्स णं अयमट्ठे एवमाहिज्जइ , तं जहा -

१ संवेगे २ निव्वए ३ धम्मसद्धा ४ गुरुसाहम्मियसुस्सूसणया ५ आलोयणया ६ निन्दणया ७ गरहणया ८ सामाइए ९ चउव्वीसत्थए १० वन्दणए ११ पडिक्कमणे १२ काउस्सग्गे १३ पच्चक्खाणे १४ थवथुइमंगले १५ कालपडिलेहणया १६ पायच्छित्तकरणे १७ खमावणया १८ सज्झाए १९ वायणया २० पडिपुच्छणया २१ परियट्टणया २२ अणुप्पहा २३ धम्मकहा २४ सुयस्स आराहणया २५ एगग्गमणसंनिवेसणया २६ संजमे २७ तवे २८ वोदाणे २९ सुहसाए ३० अप्पडिबद्धया ३१ विवित्तसयणासणसेवणया ३२ विणियट्टणया ३३ संभोगपच्चक्खाणे ३४ उवहिपच्चक्खाणे ३५ आहारपच्चक्खाणे ३६ कसायपच्चक्खाणे ३७ जोगपच्चक्खाणे ३८ सरीरपच्चक्खाणे ३९ सहायपच्चक्खाणे ४० भत्तपच्चक्खाणे ४१ सब्भावपच्चक्खाणे ४२ पडिरूवया ४३ वेयावच्चे ४४ सव्वगुणसंपण्णया ४५ वीयरागया ४६ खन्ती ४७ मुत्ती ४८ अज्जवे ४९ मद्दवे ५० भावसच्चे ५१ करणसच्चे ५२ जोगसच्चे ५३ मणगुत्तया ५४ वयगुत्तया ५५ कायगुत्तया ५६ मणसमाधारणया ५७ वयसमाधारणया ५८ कायसमाधारणया ५९ नाणसंपन्नया ६० दंसणसंपन्नया ६१ चरित्तसंपन्नया ६२ सोइन्दियनिग्गहे ६३ चक्खिन्दियनिग्गहे ६४ घाणिन्दियनिग्गहे ६५ जिब्भिन्दियनिग्गहे ६६

फासिन्दियनिग्गहे ६७ कोहविजए ६८ माणविजए ६९ मायाविजए ७० लोहविजए ७१ पेज्जदोसमिच्छादंसणविजए ७२ सेहेसी ७३ अकम्मया।

संवेगेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

संवेगेण अणुत्तरं धम्मसद्धं जणयइ। अणुत्तराए धम्मसद्धाए संवेग हव्वमागच्छइ। अणन्ताणुबन्धिकोह माण माया लोभे खवेइ। नवं च कम्मं न बन्धइ। तप्पच्चइयं च णं मिच्छत्तविसोहिं काऊण दंसणाराहए भवइ। दंसणविसोहीए य णं विसुद्धाए अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ। सोहीए य णं विसुद्धाए तच्चं पुणो भवग्गहणं नाइक्कमइ॥2॥

निव्वेएणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

निव्वेएणं दिव्व माणुस तेरिच्छिएसु कामभोगेसु निव्वेयं हव्वमागच्छइ। सव्वविसएसु विरज्जइ। सव्वविसएसु विरज्जमाणे आरम्भपरिच्चायं करेइ। आरम्भपरिच्चायं करेमाणे संसारमग्गं वोच्छिन्दइ, सिद्धिमग्गे पडिवन्ने य भवइ॥3॥

धम्मसद्धाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

धम्मसद्धाए णं सायासोक्खेसु रज्जमाणे विरज्जइ। अगारधम्मं च णं चयइ। अणगारे णं जीवे सारीरमाणसाणं दुक्खाणं छेयण भेयण संजोगाईणं वोच्छेयं करेइ, अव्वाबाहं च सुहं निव्वत्तेइ॥4॥

गुरुसाहम्मियसुस्सूसणयाए णं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

गुरुसाहम्मियसुस्सूसणयाए णं विणयपडिवत्तिं जणयइ। विणयपडिवन्ने य णं जीवे अणच्चासायणसीले नेरइय तिरिक्खजोणिय मणुस्स देव दोग्गईओ निरुम्भइ। वण्ण संजलणभत्ति बहुमाणयाए मणुस्स देवसोग्गईओ निबन्धइ, सिद्धिं सोग्गइं च विसोहेइ। पसत्थाइं च णं विणयमूलाइं सव्वकज्जाइं साहेइ। अन्ने बहवे जीवे विणइत्ता भवइ॥5॥

आलोयणाए णं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

आलोयणाए णं माया नियाण मिच्छादंसणसल्लाणं मोक्खमग्गविग्घाणं अणन्तसंसारवद्धणाणं उद्धरणं करेइ। उज्जुभावं च जणयइ। उज्जुभावपडिवन्ने य णं जीवे अमाई इत्थीवेयनपुंसगवेयं च न बन्धइ। पुव्वबद्धं च णं निज्जरेइ॥6॥

निन्दणयाए णं भंते ! जीव किं जणयइ ? निंदणयाए णं पच्छाणुतावं जणयइ। पच्छाणुतावेणं विरज्जमाणे करणगुणसेढिं पडिवज्जइ करणगुणसेढिं पडिवन्ने य णं अणगारे मोहणिज्जं कम्मं उग्घाएइ॥7॥

गरहणयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

गरहणयाए णं अपुरक्कारं जणयइ। अपुरक्कारगए णं जीवे अप्पसत्थेहिंतो जोगेहिंतो नियत्तेइ। पसत्थजोगपडिवन्ने य णं अणगारे अणन्तघाइपज्जवे खवेइ॥8॥

सामाइएणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

सामाइएणं सावज्जजोगविरइं जणयइ॥9॥

चउव्वीसत्थएणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

चउव्वीसत्थएणं दंसणविसोहिं जणयइ॥10॥

वन्दणएणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

वन्दणएणं नीयागोयं कम्मं खवेइ। उच्चगोयं निबन्धइ। सोहग्गं च णं अप्पडिहयं आणाफलं निव्वत्तेइ दाहिणभावं च णं जणयइ॥11॥

पडिक्कणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

पडिक्कमणेणं वयछिद्दाइं पिहेइ। पिहियवयछिद्दे पुण जीवे निरुद्धासवे, असबलचरित्ते, अट्ठसु पवयणमायासु उवउत्ते अपुहत्ते सुप्पणिहिए विहरइ॥12॥

काउस्सग्गेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

काउस्सगेणं अतीय पडुप्पन्नं पायच्छित्तं विसोहेइ। विसुद्धपायच्छित्ते य जीवे निव्वुयहियए ओहरियभारो व्व भारवहे, पसत्थज्झाणोवगए सुहं सुहेणं विहरइ॥13॥

पच्चक्खाणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

पच्चक्खाणेणं आसवदाराइं निरुम्भइ॥14॥

थवथुइमंगलेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

थवथुइमंगलेणं नाण दंसण चरित्त बोहिलाभं जणयइ। नाण दंसण चरित्तबोहिलाभसंपन्ने य णं जीवे अन्तकिरियं कप्पविमाणोववत्तिगं आराहणं आराहेइ॥15॥

कालपडिलेहणयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

कालपडिलेहणयाए णं नाणावरणिज्जं कम्मं खवेइ॥16॥

पायच्छित्तकरणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

पायच्छित्तकरणेणं पावकम्मविसोहिं जणयइ, निरइयारे यावि भवइ। सम्मं च णं पायच्छित्तं पडिवज्जमाणे मग्गं च मग्गफलं च विसोहेइ। आयारं च आयारफलं च आराहेइ॥17॥

खमावणयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

खमावणयाए णं पल्हायणभावं जणयइ। पल्हायणभावमुवगए य सव्वपाण भूयजीवसत्तेसु मित्तीभावमुप्पाएइ। मित्तीभावमुवगए यावि जीवे भावविसोहिं काऊण निब्भए भवइ॥18॥

सज्झाएणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

सज्झाएणं नाणावरणिज्जं कम्मं खवेइ॥19॥

वायणाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

वायणाए णं निज्जरं जणयइ। सुयस्स य अणासायणाए वट्टए। सुयस्स अणासायणाए वट्टमाणे तित्थधम्मं अवलम्बइ । तित्थधम्मं अवलम्बमाणे महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ॥20॥

पडिपुच्छणयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ? पडिपुच्छणयाए णं सुत्तत्थतदु-भयाइं विसोहेइ। कंखामोहणिज्जं कम्मं वोच्छिन्दइ॥21॥

परिचट्टणाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

परियट्टणाए णं वंजणाई जणयइ, वंजणलद्धिं च उप्पाएइ॥22॥

अणुप्पेहाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

अणुप्पेहाए णं आउयवज्जाओ सत्तकम्मप्पगडीओ घणियबन्धणबद्धाओ सिढिलबन्धण-बद्धाओ पकरेइ। दीहकालट्ठियाओ हस्सकालट्ठिइयाओ पकरेइ। तिव्वाणुभावाओ मन्दाणु-भावाओ पकरेइ। बहुपएसग्गओ अप्पएसग्गाओ पकरेइ। आउयं च णं कम्मं सिय बन्धइ, सिय नो बन्धइ। असायावेयणिज्जं च णं कम्मं नो भुज्जो भुज्जो उवचिणाइ। अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरन्तं संसारकन्तारं खिप्पामेव वीइवयइ॥23॥

धम्मकहाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

धम्मकहाए णं निज्जरं जणयइ। धम्मकहाए णं पवयण पभावेइ। पवयणपभावे णं जीवे आगमिस्स भद्दत्ताए कम्मं निबन्धइ॥॥24॥

सुयस्स आराहणयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

सुयस्स आराहणयाए णं अन्नाणं खवेइ, न य संकिलिस्सइ॥25॥

एगग्गमणसंनिवेसणयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

एगग्गमणसंनिवेसणायाए णं चित्तनिरोहं करेइ॥26॥

संजमेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

संजमेण अणण्हयत्तं जणयइ॥27॥

तवेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

तवेणं वोदाणं जणयइ॥28॥

वोदाणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

वोदाणेणं अकिरियं जणयइ। अकिरियाए भवित्ता तओ पच्छा सिज्झइ, बुज्झइ, मुच्चइ, परिनिव्वाएइ, सव्वदुक्खाणमन्तं करेइ॥29॥

सुहसाएणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

सुहसाएणं अणुस्सुयत्तं जणयइ। अणुस्सुयाए णं जीवे अणुकम्पए, अणुब्भडे, विगयसोगे, चरित्तमोहणिज्जं कम्मं खवेइ॥30॥

अप्पडिबद्धयाए णं निस्संगत्त जणयइ। निस्संगत्तेणं जीवे एगे, एगग्गचित्ते, दिया य राओ य असज्जमाणे, अप्पडिबद्धे यावि विहरइ॥31॥

विवित्तसयणासणयाए णं चरित्तगुत्तिं जणयइ। चरित्तगुत्ते य णं जीवे विवित्ताहारे, दढचरित्ते, एगन्तरए, मोक्खभावपडिवन्ने अट्ठविहकम्मगंठिं निज्जरेइ॥32॥

विणियट्टणाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

विणियट्टणयाए णं पावकम्माणं अकरणयाए अब्भुट्ठेइ। पुव्वबद्धाण य निज्जरणयाए तं नियत्तेइ, तओ पच्छा चाउरन्तं संसारकन्तारं वीइवयइ॥33॥

संभोगपच्चक्खाणेणं आलम्बणाइं खवेइ। निरालम्बणस्स य आययट्ठिया जोगा भवन्ति। सएणं लाभेमं सुतुस्सइ, परलाभं नो आसाएइ, नो तक्केइ, नो पीहेइ, नो पत्थेइ, नो अभिलसइ। परलाभं अणासायमाणे, अतक्केमाणे, अपीहेमाणे, अपत्थेमाणे, अणभिल-समाणे दुच्चं सुहसेज्जं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ॥34॥

उवहिपच्चक्खाणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

उवहिपच्चखाणेणं अपलिमन्थं जणयइ। निरुवहिए णं जीवे निक्कंखे, उवहिमन्तरेण य न संकिलिस्सइ॥35॥

आहारपच्चक्खाणेणं भन्त ! जीवे किं जणयइ ?

आहारपच्चक्खाणेणं जीवियासंप्पओगं वोच्छिन्दइ। जीवियासंसप्पओगं वोच्छिन्दित्ता जीवे आहारमन्तरेणं न संकिलिस्सइ॥36॥

कसायपच्चक्खाणेणं भन्ते ! जीवे कि जणयइ ?

कसायपच्चक्खाणेणं वीयरागभावं जणयइ। वीयरागभावपडिवन्ने वि य णं जीवे समसुहदुक्खे भवइ॥37॥

जोगपच्चक्खाणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

जोगपच्चक्खाणेणं अजोगत्तं जणयइ। अजोगी णं जीवे नवं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥38॥

सरीर पच्चक्खाणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

सरीरपच्चक्खाणेणं सिद्धाइसयगुणत्तणं निव्वत्तेइ। सिद्धाइसयगुणसंपन्ने य णं जीवे लोगग्गमुवगए परमसुही भवइ॥39॥

सहायपच्चक्खाणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

सहायपच्चक्खाणेणं एगीभावं जणयइ। एगीभावभूए वि य णं जीवे एगग्गं भावेमाणे अप्पसद्दे, अप्पझंझे, अप्पकलहे अप्पकसाए, अप्पतुमंतुमे, संजमबहुले, संवरबहुले, समाहिए यावि भवइ॥40॥

भत्तपच्चक्खाणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

भत्तपच्चक्खाणेणं अणेगाइं भवसयाइं निरुम्भइ॥41॥

सब्भावपच्चक्खाणेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

सब्भावपच्चक्खाणेणं अनियट्टिं जणयइ। अनियट्टिपडिवन्ने य अणगारे चत्तारि केवलिकम्मंसे खवेइ। तं जहा वेयणिच्चं, आउयं, गोयं। तओ पच्छा सिज्झइ, बुज्झइ, मुच्चइ, परिनिव्वाएइ, सव्वदुक्खाणमन्तं करेइ॥42॥

पडिरूवयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

पडिरूवयाए णं लाघवियं जणयइ। लहुभूएणं जीवे अप्पमत्ते, पागडलिंगे, पसत्थलिंगे, विसुद्धसम्मत्ते, सत्तसमिइसमत्ते, सव्वपाणभूयजीवसत्तेसु वीससणिज्जरूवे, अप्पडिलेहे, जिइन्दिए, विउलतवसमिइसमन्नागए यावि भवइ॥43॥

वेयावच्चेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

वेयावच्चेणं तित्थयरनामगोत्तं कम्मं निबन्धइ॥44॥

सव्वगुणसंपन्नयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

सव्वगुणसंपन्नयाए णं अपुणरावित्तिं जणयइ। अपुणरावित्तिं पत्तए य णं जीवे सारीरमाणसाणं दुक्खाणं नो भागी भवइ॥45॥

वीयरागयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ?

वीयरागयाए णं नेहाणुबन्धणाणि, तण्हाणुबन्धणाणि य वोच्छिन्दइ। मणुन्नेसु सद्दफरिस रसरूवगन्धेसु सचित्ताचित्तमीसएसु चेव विरज्जइ॥46॥

खन्तीए णं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

खन्तीए णं परीसहे जिणइ॥47॥

मुत्तीए णं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

मुत्तीए णं अकिंचणं जणयइ। अकिंचणे य जीवे अत्थलोलाणं अपत्थणिज्जो भवइ॥48॥

अज्जवयाए णं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

अज्जवयाए णं काउज्जुययं, भावुज्जुययं, भासुज्जुययं अविसंवायणं जणयइ। अविसंवा-यणसंपन्नयाए णं जीवे धम्मस्स आराहए भवइ॥49॥

मद्दवयाए णं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

मद्दवयाए णं अणुस्सियत्तं जणयइ। अणुस्सियत्ते णं जीवे मिउमद्दवसंपन्ने अट्ठ मयट्ठाणाइं निट्ठावेइ॥50॥

भावसच्चेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ?

भावसच्चेणं भावविसोहिं जणयइ। भावविसोहीए वट्टमाणे जीवे अरहन्तपन्नत्तस्स धम्मस्स आराहणयाए अब्भुट्ठेइ। अरहन्तपन्नत्तस्स धम्मस्स आराहणयाए अब्भुट्ठित्ता परलोग-धम्मस्स आराहए हवइ॥51॥

करणसच्चेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

करणसच्चेणं करणसत्तिं जणयइ। करणसच्चे वट्टमाणे जीवे जहावाई तहाकारी यावि भवइ॥52॥

जोगसच्चेणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

जोगसच्चेणं जोगं विसोहेइ॥53॥

मणगुत्तयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

मणगुत्तयाए णं जीवे एगग्गं जणयइ। एगग्गचित्ते णं जीवे मणगुत्ते संजमाराहए भवइ। मणगुत्तयाए णं जीवे एगग्गं जणयइ। एगग्गचित्ते णं जीवे मणगुत्ते संजमाराहए भवइ॥54॥

वयगुत्तयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

वयगुत्तयाए णं निव्वियारं जणयइ। निव्वियारे णं जीवे वइगुत्ते अज्झप्पजोगज्झाणगुत्ते यावि भवइ॥55॥

कायगुत्तयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

कायगुत्तयाए णं संवरं जणयइ। संवरेणं कायगुत्ते पुणो पावासवनिरोहं करेइ॥56॥

मणसमाहारणयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

मणसमाहारणयाए णं एगग्गं जणयइ। एगग्गं जणइत्ता नाणपज्जवे जणयइ। नाणपज्जवे जणइत्ता सम्मत्तं विसोहेइ, मिच्छत्तं च निज्जरेइ॥57॥

वयसमाहारणयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

वयसमाहारणयाए णं वयसाहारणदंसणपज्जवे विसोहेइ। वयसाहारणदंसणपज्जवे विसोहेत्ता सुलहबोहियत्तं निव्वत्तेइ, दुल्लहबोहियत्तं निज्जरेइ॥58॥

कायसमाहारणयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

कायसमाहारणयाए णं चरित्तपज्जवे विसोहेइ। चरित्तपज्जवे विसोहेत्ता अहक्खायचरित्तं परिनिव्वाएइ, सव्वदुक्खाणमन्तं करेइ॥59॥

नाणसंपन्नयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

नाणसंपन्नयाए णं जीवे सव्वभावाहिगमं जणयइ। नाणसंपन्ने णं जीवे चाउरन्ते संसारकन्तारे न विणस्सइ।

जहा सूई ससुत्ता, पडिया वि न विणस्सइ।

तहा जीवे ससुत्ते संसारे न विणस्सइ॥

नाण विणय तव चरित्तजोगे संपाउणइ, ससमयपरसमयसंघायणिज्जे भवइ॥60॥

दंसणसंपन्नायाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

दंसणसंपन्नयाए णं भवमिच्छत्तछेयणं करेइ, परं न विज्झायइ। अणुत्तरेणं नाणदंसणेणं अप्पाणं संजोएमाणे, सम्मं भावेमाणे विहरइ॥61॥

चरित्तसंपन्नयाए णं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

चरित्तसंपन्नयाए णं सेलेसीभावं जणयइ। सेलेसिं पडिवन्ने य अणगारे चत्तारि केवलिकम्मंसे खवेइ। तओ पच्छा सिज्झइ, बुज्झइ, मुच्चइ, परिनिव्वाएइ, सव्वदुक्खाणमंतं करेइ॥62॥

सो इन्दियनिग्गहेणं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

सो इन्दियनिग्गहेणं मणुन्नामणुन्नेसु सद्देसु रागद्दोसनिग्गहं जणयइ, तप्पच्चइयं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥63॥

चक्खिन्दियनिग्गहेणं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

चक्खिन्दियनिग्गहेणं मणुन्नामणुन्नेसु रूवेसु रागदोसनिग्गहं जणयइ, तप्पच्चइयं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥64॥

घाणिन्दियनिग्गहेणं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

घाणिन्दियनिग्गहेणं मणुन्नामणुन्नेसु गन्धेसु रागदोसनिग्गहं जणयइ, तप्पच्चइयं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं निज्जरेइ॥65॥

जिब्भिन्दियनिग्गहेणं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

जिब्भिन्दियनिग्गहेणं मणुन्नामणुन्नेसु रसेसु रागदोसनिग्गहं जणयइ, तप्पच्चइयं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥66॥

फासिन्दियनिग्गहेणं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

फासिन्दियनिग्गहेणं मणुन्नामणुन्नेसु फासेसु रागदोसनिग्गहं जणयइ, तप्पच्चइयं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥67॥

कोहविजएणं भन्ते ! जीवे किं जणयइ ?

कोहविजएणं खन्तिं जणयइ, कोहवेयणिज्जं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥68॥

माणविजएणं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

माणविजएणं मद्दवं जणयइ, माणवेयणिज्जं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥69॥

मायाविजएणं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

मायाविजएणं उज्जुभावं जणयइ, मायावेयणिज्जं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥70॥

लोभविजएणं भंते ! जीवे किं जणयइ ?

लोभविजएणं संतोसीभावं जणयइ, लोभवेयणिज्जं कम्मं न बन्धइ, पुव्वबद्धं च निज्जरेइ॥71॥

पेज्जदोसमिच्छादंसणविजएणं भंते जीवे किं जणयइ ?

पेज्जदोसमिच्छादंसणविजएणं नाणदंसणचरित्ताराहणयाए अब्भुट्ठेइ। अट्ठविहस्स कम्मस्स कम्मगण्ठिविमोयणयाए तप्पढमयाए जहाणुपुव्विं अट्ठवीसइविहं मोहणिज्जं कम्मं उग्घाएइ, पंचविहं नाणावरणिज्जं, नवविहं दंसणावरणिज्जं, पंचविहं अन्तरायं - एए तिन्नि वि कम्मंसे जुगवं खवेइ। तओ पच्छा अणुत्तरं, अणंतं, कसिणं, पडिपुण्णं, निरावरणं, वितिमिरं, विसुद्धं, लोगालोगप्पभावगं, केवलावरणनाणदंसणं समुप्पाडेइ।

जाव सजोगी भवइ ताव य इरियावहियं कम्मं बन्धइ सुहफरिसं, दुसमयठिइयं। तं पढमसमए बद्धं, बिइयसमए वेइयं, तइयसमए निज्जिण्णं।
तं बद्धं, पुट्ठं, उदीरियं, वेइयं, निज्जिण्णं सेयाले य अकम्मं चावि भवइ॥72॥

अहाउयं पालइत्ता अन्तो मुहुत्तद्धावसेसाउए जोगनिरोहं करेमाणे सुहुमकिरियं अप्पडिवाइ सुक्कज्झाणं झायमाणे, तप्पढमयाए मणजोगं निरुम्भइ, मणजोगं निरुम्भइत्ता वइजोगं निरुम्भइ, वइजोगं निरुम्भइत्ता, आणापाणुनिरोहं करेइ, आणापाणुनिरोहं करेइत्ता ईसि पंचहरस्सक्खरुच्चारद्धाए य णं अणगारे समुच्छिन्नकिरियं अनियट्टिसुक्कज्झाणं झियायमाणे वेयणिज्जं, आउयं, नामं, गोत्तं च एए चत्तारि वि कम्मंसे जुगवं खवेइ॥73॥

तओ ओरालियकम्माइं च सव्वाहिं विप्पजहणाहिं विप्पजहित्ता उज्जुसेढिपत्ते, अफुसमाणगई, उड्ढं एगसमएणं अविग्गहेणं तत्थ गन्ता, सागारोवउत्ते सिज्झइ, बुज्झइ, मुच्चइ, परिनिव्वाएइ, सव्वदुक्खाणमन्तं करेइ।

एस खलु सम्मत्तपरक्कमस्स अज्झयणस्स अट्ठे समणेणं भगवया महावीरेणं आघविए, पन्नविए, परूविए, दंसिए, उवदंसिए॥74॥

-त्ति बेमि।

तीसइमं अज्झयणं

तवमग्गगई

जहा उ पावगं कम्मं रागदोससमज्जियं।

खवेइ तवसा भिक्खू तमेगग्गमणो सुण॥1॥

पाणवह मुसावाया अदत्तमेहुणपरिग्गहा विरओ।

राईभोयणविरओ जीवो भवइ अणासवो॥2॥

पंचसमिओ तिगुत्तो अकसाओ जिइन्दिओ।

अगारवो य निस्सल्लो जीवो होइ अणासवो॥3॥

एएसिं तु विवच्चासे रागद्दोससमज्जियं।

जहा खवयइ भिक्खू तं मे एगमणो सुण॥4॥

जहा महातलायस्स सन्निरुद्धे जलागमे।

उस्सिंचणाए तवणाए कमेणं सोसणा भवे॥5॥

एवं तु संजयस्सावि पावकम्मनिरासवे।

भवकोडीसंचियं कम्मं तवसा निज्जरिज्जई॥6॥

सो तवो दुविहो वुत्तो बाहिरब्भन्तरो तहा।

बाहिरो छव्विहो वुत्तो एवमब्भन्तरो तवो॥7॥

अणसणमूणोयरिया भिक्खायरिया य रसपरिच्चाओ।

कायकिलेसो संलीणया य बज्झो तवो होइ॥8॥

इत्तिरिया मरणकाले दुविहा अणसणा भवे।

इत्तिरिया सावकंखा निरवकंखा बिइज्जिया॥9॥

जो सो इत्तरियतवो सो समासेण छव्विहो।

सेढितवो पयरतवो घणो य तह होइ वग्गो य॥10॥

तत्तो य वग्गवग्गो उ पंचमी छट्ठओ पइण्णतवो।

मणइच्छिय चित्तत्थो नायव्वो होइ इत्तरिओ॥11॥

जा सा अणसणा मरणे दुविहा सा वियाहिया।

सवियार अवियारा कायचिट्ठं पई भवे॥12॥

अहवा सपरिकम्मा अपरिकम्मा य आहिया।

नीहारिमणीहारी आहारच्छेओ व दोसु वि॥13॥

ओमोयरियं पंचहा समासेण वियाहियं।

दव्वओ खेत्तकालेणं भावेणं पज्जवेहि य॥14॥

जो जस्स उ आहारो तत्तो ओमं तु जो करे।

जहन्नेणेगसित्थाई एवं दव्वेण ऊ भवे॥15॥

गामे नगरे तह रायहाणि निगमे य आगरे पल्ली।

खेटे कब्बडदोणमुहपट्टणमडम्बसंबाहे॥16॥

आसमपए विहारे सन्निवेसे समाय घोसे य।

थलिसेणाखन्धारे सत्थे संवट्टकोट्टे य॥17॥

वाडसु व रत्थासु व घरेसु वा एवमित्तियं खेत्तं।

कप्पइ उ एवमाई खेत्तेण ऊ भवे॥18॥

पेडा य अद्धपेडा गोमुत्ति पयंगवीहिया चेव।

सम्बुक्कावट्टा आययगन्तुं पच्चागया छट्ठा॥19॥

दिवसस्स पोरुसीणं चउण्हं पि उ जत्तिओ भवे कालो।

एवं चरमाणो खलु कालोमाणं मुणेयव्वो॥20॥

अहवा तइयाए पोरिसीए ऊणाइ घासमेसन्तो।

चउभागूणाए वा एवं कालेण ऊ भवे॥21॥

इत्थी वा पुरिसो वा अलंकिओ वाणलंकिओ वा वि।

अन्नयरवयत्थो वा अन्नयरेणं व वत्थेणं॥22॥

अन्नेण विसेसेणं वण्णेणं भावमणुमुयन्ते उ।

एवं चरमाणो खलु भावोमाणं मुणेयव्वो॥23॥

दव्वे खेत्ते काले भावम्मि य आहिया उ जे भावा।

एएहि ओमचरओ पज्जवचरओ भवे भिक्खू॥24॥

अट्ठविहगोयरग्गं तु तहा सत्तेव एसणा।

अभिग्गहा य जे अन्ने भिक्खायरियमाहिया॥25॥

खीरदहिसप्पिमाईपणीयं पाणभोयणं।

परिवज्जणं रसाणं तु भणियं रसविवज्जणं॥26॥

ठाणा वीरासणाईया जीवस्स उ सुहावहा।

उग्गा जहा धरिज्जन्ति कायकिलेसं तमाहियं॥27॥

एगन्तमणावाए इत्थीपसुविवज्जिए।

सयणासणसेवणया विवित्तसयणासणं॥28॥

एसो बहिरंगतवो समासेण वियाहिओ।

अब्भिन्तरं तवं एत्तो वुच्छामि अणुपुव्वसो॥29॥

पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं तहेव सज्झाओ।

झाणं च विउस्सग्गो एसो अब्भिन्तरो तवो॥30॥

आलोयणारिहाईयं पायच्छित्तं तु दसविहं।

जे भिक्खू वहई सम्मं पायच्छित्तं तमाहियं॥31॥

अब्भुट्ठाणं अंजलिकरणं तहेवासणदायणं।

गुरुभत्तिभावसुस्सूसा विणओ एस वियाहिओ॥32॥

आयरियमाइयम्मि य वेयावच्चम्मि दसविहे।

आसेवणं जहाथामं वेयावच्चं तमाहियं॥33॥

वायणा पुच्छणा चेव तहेव परियट्टणा।

अणुप्पेहा धम्मकहा सज्झाओ पंचहा भवे॥34॥

अट्टरुद्दाणि वज्जित्ता झाएज्जा सुसमाहिए।

धम्मसुक्काइं झाणाइं झाणं तं तु बुहा वए॥35॥

सयणासण ठाणे वा जे ठ भिक्खू न वावरे।

कायस्स विठस्सगो छट्ठो सो परिकित्तिओ॥36॥

एयं तवं तु दुविहं जे सम्मं आयरे मुणी।

से खिप्पं सव्वसंसारा विप्पमुच्चइ पण्डिए॥37॥

-त्ति बेमि।

एगतीसइमं अज्झयणं

चरणविही

चरणविहिं पवक्खामि जीवस्स उ सुहावहं।

जं चरित्ता बहू जीवा तिण्णा संसारसागरं॥1॥

एगओ विरइं कुज्जा एगओ य पवत्तणं।

असंजमे नियत्तिं च संजमे य पवत्तणं॥2॥

रागद्दोसे य दो पावे पावकम्मपवत्तणे।

जे भिक्खू रुम्भई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥3॥

दण्डाणं गारवाणं च सल्लाणं च तियं तियं।

जे भिक्खू चयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥4॥

दिव्वे य जे उवसग्गे तहा तेरिच्छ माणुसे।

जे भिक्खू सहई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥5॥

विगहा कसाय सन्नाणं झाणाणं च दुयं तहा।

जे भिक्खू वज्जई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥6॥

वएसु इन्दियत्थेसु समिईसु किरियासु य।

जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छई मण्डले॥7॥

लेसासु छसु काएसु छक्के आहारकारणे।

जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥8॥

पिण्डोग्गहपडिमासु भयट्ठाणेसु सत्तसु।
जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥9॥

मयेसु बम्भगुत्तीसु भिक्खुधम्ममम्मि दसविहे।
जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥10॥

उवासगाणं पडिमासु भिक्खूणं पडिमासु य।
जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥11॥

किरियासु भूयगामेसु परमाहम्मिएसु य।
जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥12॥

गाहासोलसएहिं तहा असंजमम्मि य।
जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥13॥

बम्भम्मि नायज्झयणेसु ठाणेसु यासमाहिए।
जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥14॥

एगवीसाए सबलेसु बावीसाए परीसहे।
जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥15॥

तेवीसइ सूयगडे रूवाहिएसु सुरेसु अ।
जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥16॥

पणवीस भावणाहिं उद्देसेसु दसाइणं।
जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥17॥

अणगारगुणेहिं च पकप्पम्मि तहेव य।

जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥18॥

पावसुयपसंगेसु मोहट्ठाणेसु चेव य।

जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥19॥

सिद्धाइगुणजोगेसु तेतीसासायणासु य।

जे भिक्खू जयई निच्चं से न अच्छइ मण्डले॥20॥

इइ एएसु ठाणेसु जे भिक्खू जयई सया।

खिप्पं से सव्वसंसारा विप्पमुच्चइ पण्डिओ॥21॥

-त्ति बेमि।

बत्तीसइमं अज्झयणं

पमायट्ठाणं

अच्चन्तकालस्स समूलगस्स सव्वस्स दुक्खस्स उ जो पमोक्खो।
तं भासओ मे पडिपुण्णचित्ता सुणेह एगंतहियं हियत्थं॥1॥

नाणस्स सव्वस्स पगासणाए अन्नाण मोहस्स विवज्जणाए।
रागस्स दोसस्स य संखएणं एगन्तसोक्खं समुवेइ मोक्खं॥2॥

तस्सेस मग्गो गुरु विद्धसेवा विवज्जणा बालजणस्स दूरा।
सज्झाय एगन्तनिसेवणा य सुत्तत्थसंचिन्तणया धिई य॥3॥

आहारमिच्छे मियमेसणिज्जं सहायमिच्छे निउणत्थबुद्धिं।
निकेयमिच्छेज्ज विवेगजोग्गं समाहिकामे समणे तवस्सी॥4॥

न वा लभेज्जा निउणं सहायं गुणाहियं वा गुणओ समं वा।
एक्को वि पावाइ विवज्जयन्तो विहरेज्ज कामेसु असज्जमाणो॥5॥

जहा य अण्डप्पभवा बलागा अण्डं बलागप्पभवं जहा य।
एमेव मोहाययणं खु तण्हा मोहं च तण्हाययणं वयन्ति॥6॥

रागो य दोसो वि य कम्मबीयं कम्मं च मोहप्पभवं वयन्ति।
कम्मं च जाई मरणस्स मूलं दुक्खं च जाई मरणं वयन्ति॥7॥

दुक्खं हयं जस्स न होइ मोहो मोहो हओ जस्स न होइ तण्हा।
तण्हा हया जस्स न होइ लोहो लोहो हओ जस्स न किंचणाइं॥8॥

रागं च दोसं च तहेव मोहं उद्धत्तुकामेण कमूलजालं।
जे जे उवाया पडिवज्जियव्वा ते कित्तइस्सामि अहाणुपुव्वी॥9॥

रसा पगामं न निसेवियव्वा पायं रसा दित्तिकरा नराणं।
दित्तं च कामा समभिद्दवन्ति दुमं जहा साउफलं व पक्खी॥10॥

जहा दवग्गी पउरिन्धणे वणे समारुओ नोवसमं उवेइ।
एविन्दियग्गी वि पगामभोइणो न बम्भयारिस्स हियाय कस्सई॥11॥

विवित्तसेज्जासणजन्तियाणं ओमासणाणं दमिइन्दियाणं।
न रागसत्तू धरिसेइ चित्तं पराइओ बाहिरिवोसहेहिं॥12॥

जहा बिरालावसहस्स मूले न मूसगाणं वसही पसत्था।
एमेव इत्थीनिलयस्स मज्झे न बम्भयारिस्स खमो निवासो॥13॥

न रूव लावण्ण विलास हासं न जंपियं इंगिय पेहियं वा।
इत्थीण चित्तंसि निवेसइत्ता दट्ठुं ववस्से समणे तवस्सी॥14॥

अदंसणं चेव अपत्थणं च अचिन्तणं चेव अकित्तणं च।
अत्थीजणस्सारियझाणजोग्गं हियं सया बम्भवए रयाणं॥15॥

कामं तु देवीहि विभूसियाहिं न चाइया खोभइउं तिगुत्ता।
तहा वि एगन्तहियं ति नच्चा विवित्तवासो मुणिणं पसत्थो॥16॥

मोक्खाभिकंखिस्स वि माणवस्स संसारभीरुस्स ठियस्स धम्मे।
नेयारिसं दुत्तरमत्थि लोए जहित्थिओ बालमणोहराओ॥17॥

एए य संगे समइक्कमित्ता सुहुतरा चेव भवन्ति सेसा।
जहा महासागरमुत्तरित्ता नई भवे अवि गंगासमाणा॥18॥

कामाणुगिद्धिप्पभवं खु दुक्खं सव्वस्स लोगस्स सदेवगस्स।
जं काइयं माणसियं च किंचि तस्सान्तगं गच्छइ वीयरागो॥19॥

जहा य किंपागफला मणोरमा रसेण वण्णेण य भुज्जमाणा।
ते खुड्डए जीविय पच्चमाणा एओवमा कामगुणा विवागे॥20॥

जे इन्दियाणं विसया मणुन्ना न तेसु भावं निसिरे कयाइ।
न यामणुन्नेसु मणं पि कुज्जा समाहिकामे समणे तवस्सी॥21॥

चक्खुस्स रूवं गहणं वयन्ति तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु।
तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु समो य जो तेसु य वीयरागो॥22॥

रूवस्स चक्खुं गहणं वयन्ति चक्खुस्स रूवं गहणं वयन्ति।
रागस्स हेउं समणुन्नमाहु दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु॥23॥

रूवेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं अकालियं पावइ से विणासं।
रागाउरे से जह वा पयंगे आलोयलोले समुवेइ मच्चुं॥24॥

जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू न किंचि रूवं अवरज्झई से॥25॥

एगन्तरत्ते रुइरंसि रूवे अतालिसे से कुणई पओसं।
दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले न लिप्पई तेण मुणी विरागो॥26॥

रूवाणुगासाणुगए य जीवे चराचरे हिंसइ णेगरूवे।

चित्तेहि ते परितावेइ बाले पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे॥27॥

रूवाणुवाएण परिग्गहेण उप्पायणे रक्खणसन्निओगे।

वए विओगे य कहिं सुहं से? संभोगकाले य अतित्तिलाभे॥28॥

रूवे अतित्ते य परिग्गहे य सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं।

अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स लोभाविले आययई अदत्तं॥29॥

तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो रूवे अतित्तस्स परिग्गहे य।

माया मुसं वड्ढइ लोभदोसा तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से॥30॥

मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य पओगकाले य दुही दुरन्ते।

एवं अदत्ताणि समाययन्तो रूवे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो॥31॥

रूवाणुरत्तस्स नरस्स एवं कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि।

तत्थोवभोगे वि किलेस दुक्खं निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं॥32॥

एमेव रूवम्मि गओ पओसं उवेइ दुक्खोहपरंपराओ।

पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं जं से पुणो होइ दुहं विवागे॥33॥

रूवे विरत्तो मणुओ विसोगो एएण दुक्खोहपरंपरेण।

न लिप्पए भवमज्झे वि सन्तो जलेण वा पोक्खरिणीपलासं॥34॥

सोयस्स सद्दं गहणं वयन्ति तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु।

तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु समो य जो तेसु स वीयरागो॥35॥

सद्दस्स सोयं गहणं वयन्ति सोयस्स सद्दं गहणं वयन्ति।

रागस्स हेउं समणुन्नमाहु दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु॥36॥

सद्देसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं अकालियं पावइ से विणासं।

रागाउरे हरिणमिगे व मुद्धे सद्दे अतित्ते समुवेइ मच्चुं॥37॥

जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं।

दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू न किंचि सद्दं अवरज्झई से॥38॥

एगन्तरत्ते रूइरंसि सद्दे अतालिसे से कुणई पओसं।

दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले न लिप्पई तेण मुणी विरागो॥39॥

सद्दाणुगासाणुगए य जीवे चराचरे हिंसइ णेगरूवे।

चित्तेहि ते परियावेइ बाले पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे॥40॥

सद्दाणुवाएण परिग्गहेण उप्पायणे रक्खणसन्निओगे।

वए विओगे य कहिं सुहं से ? संभोगकाले य अतित्तिलाभे॥41॥

सद्दे अतित्ते य परिग्गहे य सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं।

अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स लोभाविले आययइ अदत्तं॥42॥

तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो सद्दे अतित्तस्स परिग्गहे य।

मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से॥43॥

मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य पओगकाले य दुही दुरन्ते।

एवं अदत्ताणि समाययन्तो सद्दे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो॥44॥

सद्दाणुरत्तस्स नरस्स एवं कत्तो सुहं होज्जकयाइ किंचि।
तत्थोवभोगे वि किलेस दुक्खं निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं॥45॥

एमेव सद्दम्मि गओ पओसं उवेइ दुक्खोहपरंपराओ।
पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं जं से पुणो होइ दुहं विवागे॥46॥

सद्दे विरत्तो मणुओ विसोगो एएण दुक्खोहपरंपरेण।
न लिप्पए भवमज्झे वि सन्तो जलेण वा पोक्खरिणीपलासं॥47॥

घाणस्स गन्धं गहणं वयन्ति तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु।
तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु समो य जो तेसु स वीयरागो॥48॥

गन्धस्स घाणं गहणं वयन्ति घाणस्स गन्धं गहणं वयन्ति।
रागस्स हेउं समणुन्नमाहु दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु॥49॥

गन्धेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं अकालियं पावइ से विणासं।
रागाउरे ओसहिगन्धगिद्धे सप्पे बिलाओ विव निक्खमन्ते॥50॥

जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू न किंचि गन्धं अवरज्झई से॥51॥

एगन्तरत्ते रुइरंसि गन्धे अतालिसे से कुणई पओसं।
दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले न लिप्पई तेण मुणी विरागो॥52॥

गन्धाणुगासाणुगए य जीवे चराचरे हिंसइ णेगरूवे।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे॥53॥

गन्धाणुवाएण परिग्गहेण उप्पायणे रक्खणसन्निओगे।

वए विओगे य कहिं सुहं से? संभोगकाले य अतित्तिलाभे॥54॥

गन्धे अतित्ते य परिग्गहे य सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं।

अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स लोभाविले आययई अदत्तं॥55॥

तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो गन्धे अतित्तस्स परिग्गहे य।

मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से॥56॥

मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य पओगकाले य दुही दुरन्ते।

एवं अदत्ताणि समाययन्तो गन्धे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो॥57॥

गन्धाणुरत्तस्स नरस्स एवं कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि।

तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं॥58॥

एमेव गन्धम्मि गओ पओसं उवेइ दुक्खोहपरंपराओ।

पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं जं से पुणो होइ दुहं विवागे॥59॥

गन्धे विरत्तो मणुओ विसोगो एएण दुक्खोहपरंपरेण।

न लिप्पई भवमज्झे वि सन्तो जलेण वा पोक्खरिणी पलासं॥60॥

जिब्भाए रसं गहणं वयन्ति तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु।

तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु समो य जो तेसु स वीयरागो॥61॥

रसस्स जिब्भं गहणं वयन्ति जिब्भाए रसं गहणं वयन्ति।

रागस्स हेउं समणुन्नमाहु दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु॥62॥

रसेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं अकालियं पावइ से विणासं।
रागाउरे वडिसविभिन्नकाए मच्छे जहा आमिसभोगगिद्धे॥63॥

जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू रसं न किंचि अवरज्झई से॥64॥

एगन्तरत्ते रुइरे रसम्मि अतालिसे से कुणई पओसं।
दुक्खस्स संपीलमुवेई बाले न लिप्पई तेण मुणी विरागो॥65॥

रसाणुगासाणुगए य जीवे चराचरे हिंसइ णेगरूवे।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले पीलेइ अत्तट्ठगुरूकिलिट्ठे॥66॥

रसाणुवाएण परिग्गहेण उप्पायणे रक्खणसन्निओगे।
वए विओगे य कहिं सुहं से ? संभोगकाले य अतित्तिलाभे॥67॥

रसे अतित्ते य परिग्गहे य सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं।
अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स लोभाविले आययई अदत्तं॥68॥

तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो रसे अतित्तस्स परिग्गहे य।
मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से॥69॥

मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य पओगकाले य दुही दुरन्ते।
एवं अदत्ताणि समाययन्तो रसे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो॥70॥

रसाणुरत्तस्स नरस्स कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि।
तत्थोवभोगे वि किलेस दुक्खं निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं॥71॥

एमेव रसम्मि गओ पओसं उवेइ दुक्खोहपरंपराओ।
पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं जं से पुणो होइ दुहं विवागे॥72॥

रसे विरत्तो मणुओ विसोगो एएण दुक्खोहपरंपरेण।
न लिप्पई भवमज्झे वि सन्तो जलेण वा पोक्खरिणीपलासं॥73॥

कायस्स फासं गहणं वयन्ति तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु।
तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु समो य जो तेसु स वीयरागो॥74॥

फासस्स कायं गहणं वयन्ति कायस्स फासं गहणं वयन्ति।
रागस्स हेउं समणुन्नमाहु दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु॥75॥

फासेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं अकालियं पावइ से विणासं।
रागाउरे सीयजलावसन्ने गाहग्गहीए महिसे व अरन्ने॥76॥

जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तू न किंचि फासं अवरज्झई से॥77॥

एगन्तरत्ते रुइरंसि फासे अतालिसे से कुणई पओसं।
दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले न लिप्पई तेण मुणी विरागो॥78॥

फासाणुगासाणुगए य जीवे चराचरे हिंसइ णेगरूवे।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे॥79॥

फासाणुवाएण परिग्गहेण उप्पायणे रक्खणसन्निओगे।
वए विओगे य कहिं सुहं से? संभोगकाले य अतित्तिलाभे॥80॥

फासे अतित्ते य परिग्गहे य सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं।
अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स लोभाविले आययई अदत्तं॥81॥

तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो फासे अतित्तस्स परिग्गहे य।
मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से॥82॥

मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य पओगकाले य दुही दुरन्ते।
एवं अदत्ताणि समाययन्तो फासे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो॥83॥

फासाणुरत्तस्स नरस्स एवं कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि।
तत्थोवभोगे वि किलेस दुक्खं निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं॥84॥

एमेव फासम्मि गओ पओसं उवेइ दुक्खोहपरंपराओ।
पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं जं से पुणो होइ दुहं विवागे॥85॥

फासे विरत्तो मणुओ विसोगो एएण दुक्खोहपरंपरेण।
न लिप्पई भवमज्झे वि सन्तो जलेण वा पोक्खरिणीपलासं॥86॥

मणस्स भावं गहणं वयन्ति तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु।
तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु समो य जो तेसु स वीयरागो॥87॥

भावस्स मणं गहणं वयन्ति मणस्स भावं गहणं वयन्ति।
रागस्स हेउं समणुन्नमाहु दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु॥88॥

भावेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं अकालियं पावइ से विणासं।
रागाउरे कामगुणेसु गिद्धे करेणुमग्गावहिए व नागे॥89॥

जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं।
दुद्दन्तदोसेण सएण जन्तु न किंचि भावं अवरज्झई से॥90॥

एगन्तरत्ते रुइरंसि भावे अतालिसे से कुणई पओसं।
दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले न लिप्पई तेण मुणी विरागो॥91॥

भावाणुगासाणुगए य जीवे चराचरे हिंसइ णेगरूवे।
चित्तेहि ते परितावेइ बाले पीलेइ अत्तट्ठगुरूकिलिट्ठे॥92॥

भावाणुवाएण परिग्गहेण उप्पायणे रक्खणसन्निओगे।
वए विओगे य कहिं सुहं से? संभोगकाले य अतित्तिलाभे॥93॥

भावे अतित्ते य परिग्गहे य सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं।
अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स लोभाविले आययई अदत्तं॥94॥

तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणी भावे अतित्तस्स परिग्गहे य।
मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से॥95॥

मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य पओगकाले य दुही दुरन्ते।
एवं अदत्ताणि समाययन्तो भावे अतित्तो दुहिणो अणिस्सो॥96॥

भावाणुरत्तस्स नरस्स एवं कत्तो मुहं होज्ज कयाइ किंचि।
तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं॥97॥

एमेव भावम्मि गओ पओसं उवेइ दुक्खोहपरंपराओ।
पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं जं से पुणो होइ दुहं विवागे॥98॥

भावे विरत्तो मणुओ विसोगो एएण दुक्खोहपरंपरेण।
न लिप्पई भवमज्झे वि सन्तो जलेण वा पोक्खरिणीपलासं॥99॥

एविन्दियत्था य मणस्स अत्था दुक्खस्स हेउं मणुयस्स रागिणो।
ते चेव थोवं पि कयाइ दुक्खं न वीयरागस्स करेन्ति किंचि॥100॥

न कामभोगा समयं उवेन्ति न यावि भोगा विगइं उवेन्ति।
जे तप्पओसी य परिग्गही य सो तेसु मोहा विगइं उवेइ॥101॥

कोहं च माणं च तहेव मायं लोहं दुगुं छं अरइं रइं च।
हासं भयं सोगपुमित्थिवेयं नपुंसवेयं विविहो य भावे॥102॥

आवज्जई एवमणेगरूवे एवंविहे कामगुणेसु सत्तो।
अन्ने य एयप्पभवे विसेसे कारुण्णदीणे हिरिमे वइस्से॥103॥

कप्पं न इच्छिज्ज सहायलिच्छू पच्छाणुतावेण तवप्पभावं।
एवं वियारे अमियप्पयारे आवज्जई इन्दियचोरवस्से॥104॥

तओ से जायन्ति पओयणाइं निमज्जिउं मोहमहण्णवम्मि।
सुहेसिणो दुक्खविणोयणट्ठा तप्पच्चयं उज्जमए य रागी॥105॥

विरज्जमाणस्स य इन्दियत्था सद्दाइया तावइयप्पगारा।
न तस्स सव्वे वि मणुन्नयं वा निव्वत्तयन्ती अमणुन्नयं वा॥106॥

एवं ससंकप्पविकप्पणासुं संजायई समयमुवट्ठियस्स।
अत्थे य संकप्पयओ तओ से पहीयए कामगुणेसु तण्हा॥107॥

स वीयरागो कयसव्वकिच्चो खवेइ नाणावरणं खणेणं।

तहेव जं दंसणमावरेइ जं चान्तरायं पकरेइ कम्मं॥108॥

सव्वं तओ जाणइ पासए य अमोहणे होइ निरन्तराए।

अणासवे झाणसमाहिजुत्ते आउक्खए मोक्खमुवेइ सुद्धे॥109॥

सो तस्स सव्वस्स दुहस्स मुक्को जं बाहई सययं जन्तुमेयं।

दीहामयं विप्पमुक्को पसत्थो तो होइ अच्चन्तसुही कयत्थो॥110॥

अणाइकालप्पभवस्स एसो सव्वस्स दुक्खस्स पमोक्खमग्गो।

वियाहिओ जं समुविच्च सत्ता कमेण अच्चन्तसुही भवन्ति॥111॥

-त्ति बेमि।

तेत्तीसइमं अज्झयणं

कम्मपयडी

अट्ठ कम्माइं वोच्छामि आणुपुव्विं जहक्कमं।

जेहिं बद्धो अयं जीवो संसारे परिवत्तए॥1॥

नाणस्सावरणिज्जं दंसणावरणं तहा।

वेयणिज्जं तहा मोहं आउकम्मं तहेव य॥2॥

नामकम्मं च गोयं च अन्तरायं तहेव य।

एवमेयाइं कम्माइं अट्ठेव उ समासओ॥3॥

नाणावरणं पंचविहं सुयं आभिणिबोहियं।

ओहिनाणं तइयं मणनाणं च केवलं॥4॥

निद्दा तहेव पयला निद्दानिद्दा य पयलपयला य।

तत्तो य थीणगिद्धी उ पंचमा होइ नायव्वा॥5॥

चक्खु अचक्खु ओहिस्स दंसणे केवले य आवरणे।

एवं तु नवविगप्पं नायव्वं दंसणावरणं॥6॥

वेयणीयं पि य दुविहं सायमसायं च आहियं।

सायस्स उ बहू भेया एमेव असायस्स वि॥7॥

मोहणिज्जं पि दुविहं दंसणे चरणे तहा।

दंसणं तिविहं वुत्तं चरणे दुविहं भवे॥8॥

सम्मत्तं चेव मिच्छत्तं सम्मामिच्छत्तमेव य।

एयाओ तिन्नि पयडीओ मोहणिज्जस्स दंसणे॥9॥

चरित्तमोहणं कम्मं दुविहं तु वियाहियं।

कसायमोहणिज्जं तु नोकसायं तहेव य॥10॥

सोलसविहभेएणं कम्मं तु कसायजं।

सत्तविहं नवविहं वा कम्मं नोकसायजं॥11॥

नेरइय तिरिक्खाउ मणुस्साउ तहेव य।

देवाउयं चउत्थं तु आउकम्मं चउव्विहं॥12॥

नामं कम्मं तु दुविहं सुहमसुहं च आहियं।

सुहस्स उ बहू भेया एमेव असुहस्स वि॥13॥

गोयं कम्मं दुविहं उच्चं नीयं च आहियं।

उच्चं अट्ठविहं होइ एवं नीयं पि आहियं॥14॥

दाणे लाभे य भोगे य उवभोगे वीरिए तहा।

पंचविहमन्तरायं समासेण वियाहियं॥15॥

एयाओ मूलपयडीओ उत्तराओ य आहिया।

पएसग्गं खेत्तकाले य भावं चादुत्तरं सुण॥16॥

सव्वेसिं चेव कम्माणं पएसग्गमणन्तगं।

गण्ठियसत्ताईयं अन्तो सिद्धाण आहियं॥17॥

सव्वजीवाण कम्मं तु संगहे छद्दिसागयं।

सव्वेसु वि पएसेसु सव्वं सव्वेण बद्धगं॥18॥

उदहीसरिसनामाणं तीसई कोडिकोडिओ।

उक्कोसिया ठिई होइ अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥19॥

आवरणिज्जाण दुण्हंपि वेयणिज्जे तहेव य।

अन्तराए य कम्मम्मि ठिई एसा वियाहिया॥20॥

उदहीसरिसनामाणं सत्तरिं कोडिकोडिओ।

मोहणिज्जस्स उक्कोसा अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥21॥

तेतीस सागरोवमा उक्कोसेण वियाहिया।

ठिई उ आउकम्मस्स अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥22॥

उदहीसरिसनामाणं वीसइ कोडिकोडिओ।

नामगोत्ताणं उक्कोसा अट्ठमुहुत्ता जहन्निया॥23॥

सिद्धाण अणन्तभागो य अणुभागा हवन्ति उ।

सव्वेसु वि पएसग्गं सव्वजीवे सुइच्छियं॥24॥

तम्हा एएसि कम्माणं अणुभागे वियाणिया।

एएसि संवरे चेव खवणे य जए बुहे॥25॥

-त्ति बेमि।

चउतीसइमं अज्झयणं

लेसज्झयणं

लेसज्झयणं पवक्खामि आणुपुव्विं जहक्कमं।

छण्हं पि कम्मलेसाणं अणुभावे सुणेह मे॥1॥

नामाइं वण्ण रस गन्ध फास परिणाम लक्खणं।

ठाणं ठिइं गइं चाउं लेसाणं तु सुणेह मे॥2॥

किण्हा नीला य काऊ य तेऊ पम्हा तहेव य।

सुक्कलेसा य छट्ठा उ नामाइं तु जहक्कमं॥3॥

जीमूयनिद्धसंकासा गवल अरिट्ठगसन्निभा।

खंजणंजण नयणनिभा किण्हलेसा उ वण्णओ॥4॥

नीला असोगसंकासा चासपिच्छसमप्पभा।

वेरुलियनिद्धसंकासा नीललेसा उ वण्णओ॥5॥

अयसीपुप्फसंकासा कोइलच्छदसन्निभा।

पारेवयगीवनिभा काउलेसा उ वण्णओ॥6॥

हिंगुलुयधाउसंकासा तरुणाइच्चसन्निभा।

सुयतुण्ड पईवनिभा तेउलेसा उ वण्णओ॥7॥

हरियालभेयसंकासा हलिद्दाभेयसन्निभा।

सणासणकुसुमनिभा पम्हलेसा उ वण्णओ॥8॥

संखंककुन्दसंकासा खीरपूरसमप्पभा।

रययहारसंकासा सुक्कलेसा उ वण्णओ॥9॥

जह कडुयतुम्बगरसो निम्बरसो कडुयरोहिणिरसो वा।

एत्तो वि अणन्तगुणो रसो उ किण्हाए नायव्वो॥10॥

जह तिगडुयस्स य रसो तिक्खो जह हत्थिपिप्पलीए वा।

एत्तो वि अणन्तगुणो रसो उ नीलाए नायव्वो॥11॥

जह तरुण अम्बगरसो तुवरकविट्ठिस्स वावि जारिसओ।

एत्तो वि अणन्तगुणो रसो उ काऊए नायवो॥12॥

जह परियणम्बगरसो पक्ककविट्ठस्स वावि जारिसओ।

एत्तो वि अनन्तगुणो रसो उ तेऊए नायव्वो॥13॥

वरवारुणीए व रसो विविहाण व आसवाण जारिसओ।

महु मेरगस्स व रसो एत्तो पम्हाए परएणं॥14॥

खज्जूर मुद्दियरसो खीररसो खण्ड सक्कररसो वा।

एत्तो वि अणन्तगुणो रसो उ सुक्काए नायव्वो॥15॥

जह गोमडस्स गन्धो सुणगमडगस्स व जहा अहिमडस्स।

एत्तो वि अणन्तगुणो लेसाणं अप्पसत्थाणं॥16॥

जह सुरहिकुसुमगन्धे गन्धवासाण पिस्समाणाणं।

एत्तो वि अणन्तगुणो पसत्थलेसाण तिण्हं पि॥17॥

जह करगयस्स फासो गोजिब्भाए व सागपत्ताणं।

एत्तो वि अणन्तगुणो लेसाणं अप्पसत्थाणं॥18॥

जह बूरस्स व फासो नवणीयस्स व सिरीसकुसुमाणं।

एत्तो वि अणन्तगुणो पसत्थलेसाण तिण्हं पि॥19॥

तिविहो व नवविहो वा सत्तावीसइविहेक्कसीओ वा।

दुसओ तेयालो वा लेसाणं होइ परिणामो॥20॥

पंचासवप्पवत्तो तीहिं अगुत्तो छसुं अविरओ य।

तिव्वारम्भपरिणओ खुद्दो साहसिओ नरो॥21॥

निद्धन्धसपरिणामो निस्संसो अजिइन्दिओ।

एयजोगसमाउत्तो किण्हलेसं तु परिणमे॥22॥

इस्सा अमरिस अतवो अविज्ज माया अहीरिया य।

गेद्धी पओसे य सढे पमत्ते रसलोलुए सायगवेसए य॥23॥

आरम्भाओ अविरओ खुद्दो साहस्सिओ नरो।

एयजोगगसमाउत्तो नीललेसं तु परिणमे॥24॥

वंके वंकसमायारे नियडिल्ले अणुज्जुए।

पलिउंचग ओवहिए मिच्छदिट्ठि अणारिए॥25॥

उप्फालग दुट्ठवाई य तेणे यावि य मच्छरी।

एयजोगसमाउत्तो काउलेसं तु परिणमे॥26॥

नीयावित्ती अचवले अमाई अकुऊहले।

विणीयविणए दन्ते जोगवं उवहाणवं॥27॥

पियधम्मे दढधम्मे वज्जभीरू हिएसए।

एयजोगसमाउत्तो तेउलेसं तु परिणमे॥28॥

पयणुक्कोह माणे य माया लोभे य पयणुए।

पसन्तचित्ते दन्तप्पा जोगवं उवहाणवं॥29॥

तहा पयणुवाई य उवसन्ते जिइन्दिए।

एयजोगसमाउत्ते पम्हलेसं तु परिणमे॥30॥

अट्टरुद्दाणि वज्जित्ता धम्मसुक्काणि झायए।

पसन्तिचित्ते दन्तप्पा समिए गुत्ते य गुत्तिहिं॥31॥

सरागे वीयरागे वा उवसन्ते जिइन्दिए।

एयजोगसमाउत्तो सुक्कलेसं तु परिणमे॥32॥

असंखिज्जोवसप्पिणीण उस्सप्पिणीण जे समया।

संखाईया लोगा लेसाणं हुन्ति ठाणाइं॥33॥

मुहुत्तद्धं तु तहन्ना तेत्तीसं सागरा मुहुत्ताहिया।

उक्कोसा होइ ठिई नायव्वा किण्हलेसाए॥34॥

मुहुत्तद्धं तु जहन्ना दस उदही पलियमसंखभागमब्भहिया।

उक्कोसा होइ ठिई नायव्वा नीललेसाए॥35॥

मुहुत्तद्धं तु जहन्ना तिण्णुदही पलियमसंखभागमब्भहिया।

उक्कोसा होइ ठिई नायव्वा काउलेसाए॥36॥

मुहुत्तद्धं तु जहन्ना दो उदही पलियमसंखभागमब्भहिया।

उक्कोसा होइ ठिई नायव्वा तेउलेसाए॥37॥

मुहत्तद्धं तु जहन्ना दस होन्ति सागरा मुहुत्ताहिया।

उक्कोसा होइ ठिई नायव्वा पम्हलेसाए॥38॥

मुहुत्तद्धं तु जहन्ना तेत्तीसं सागरा मुहुत्तहिया।

उक्कोसा होइ ठिई नायव्वा सुक्कलेसाए॥39॥

एसा खलु लेसाणं ओहेणं ठिई उ वण्णिया होई।

चउसु वि गईसु एत्तो लेसाण ठिइं तु वोच्छामि॥40॥

दस वाससहस्साइं काऊए ठिई जहन्निया होइ।

तिण्णुदरी पलिओवम असंखभागं च उक्कोसा॥41॥

तिण्णुदही पलियमसंखभागा जहन्नेण नीलठिई।

दस उदही पलिओवम असंखभागं च उक्कोसा॥42॥

दस उदही पलिय मसंखभागं जहन्निया होइ।

तेत्तीससागराइं उक्कोसा होइ किण्हाए॥43॥

एसा नेरइयाणं लेसाण ठिई उ वण्णिया होइ।

तेण परं वोच्छामि तिरियमणुस्साण देवाणं॥44॥

अन्तोमुहुत्तमद्धं लेसाण ठिई जहिं जहिं जा उ।

तिरियाण नराणं वा वज्जित्ता केवलं लेसं॥45॥

मुहुत्तद्धं तु जहन्ना उक्कोसा होइ पुव्वकोडी उ।

नवहि वरिसेहि ऊणा नायव्वा सुक्कलेसाए॥46॥

एसा तिरिय नराणं लेसाण ठिई उ वण्णिया होइ।

तेण परं वोच्छामि लेसाण ठिई उ देवाणं॥47॥

दसवाससहस्साइं किण्हाए ठिई जहन्निया होइ।

पलियमसंखिज्जइमो उक्कोसा होइ किण्हाए॥48॥

जा किण्हाए ठिई खलु उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया।

जहन्नेणं नीलाए पलियमसंखं तु उक्कोसा॥49॥

जा नीलाए ठिई खलु उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया।

जहन्नेणं काऊए पलियमसंखं च उक्कोसा॥50॥

तेण परं वोच्छामि तेउलेसा जहा सुरगणाणं।

भवणवइवाणमन्तरजोइसवेमाणियाणं च॥51॥

पलिओवमं जहन्ना उक्कोसा सागरा उ दुण्हाहिया।

पलियमसंखेज्जेणं होई भागेण तेऊए॥52॥

दसवाससहस्साइं तेऊए ठिई जहन्निया होइ।

दुण्णुदहीपलिओवम असंखभागं च उक्कोसा॥53॥

जा तेऊए ठिई खलु उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया।

जहन्नेणं पम्हाए दस उ मुहुत्ताहियाइं च उक्कोसा॥54॥

जा पम्हाए ठिई खलु उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया।

जहन्नेणं सुक्काए तेत्तीसमुहुत्तमब्भहिया॥55॥

किण्हा नीला काऊ तिन्नि वि एयाओ अहम्मलेसाओ।

एयाहि तिहि वि जीवो दुग्गइं उववज्जई बहुसो॥56॥

तेऊ पम्हा सुक्का तिन्नि वि एयाओ धम्मलेसाओ।

एयाहि तिहि वि जीवो सुग्गइं उववज्जई बहुसो॥57॥

लेसाहिं सव्वाहिं पढमे समयम्मि परिणयाहिं तु।

न वि कस्सवि उववाओ परे भवे अत्थि जीवस्स॥58॥

लेसाहिं सव्वाहिं चरमे समयम्मि परिणयाहिं तु।

न वि कस्सवि उववाओ परे भवे अत्थि जीवस्स॥59॥

अन्तमुहुत्तम्मि गए अन्तमुहुत्तम्मि सेसए चेव।

लेसाहिं परिणयाहिं जीवा गच्छन्ति परलोयं॥60॥

तम्हा एयाण लेसाणं अणुभागे वियाणिया।

अप्पसत्थाओ वज्जित्ता पसत्थाओ अहिट्ठेज्जासि॥61॥

-त्ति बेमि।

पणतीसइमं अज्झयणं

अणगारमग्गगई

सुणेह मेगग्गमणा मग्गं बुद्धेहि देसियं।
जमायरन्तो भिक्खू दुक्खाण अन्तकरो भवे॥1॥

गिहवासं परिच्चज्ज पवज्जं अस्सिओ मुणी।
इमे संगे वियाणिज्जा जेहिं सज्जन्ति माणवा॥2॥

तहेव हिंसं अलियं चोज्जं अबम्भसेवणं।
इच्छाकामं च लोभं च संजओ परिवज्जए॥3॥

मणोहरं चित्तहरं मल्लधूवेण वासियं।
सकवाडं पण्डुरुल्लोयं मणसा वि न पत्थए॥4॥

इन्दियाणि उ भिक्खुस्स तारिसम्मि उवस्सए।
दुक्कराइं निवारेउं कामरागविवड्ढणे॥5॥

सुसाणे सुन्नगारे वा रुक्खमूले व एगओ।
पइरिक्के परकडे वा वासं तत्थाभिरोयए॥6॥

फासुयम्मि अणाबाहे इत्थीहिं अणभिद्दुए।
तत्थ संकप्पए वासं भिक्खू परमसंजए॥7॥

न सयं गिहाइं कुज्जा णेव अन्नेहिं कारए।
गिहकम्मसमारम्भे भूयाणं दीसई वहो॥8॥

तसाणं थावराणं च सुहुमाण बायराण य।

तम्हा गिहसमारम्भं संजओ परिवज्जए॥9॥

तहेव भत्तपाणेसु पयणपयावणेसु य।

पाणभूयदयट्ठाए न पये न पयावए॥10॥

जल धन्ननिस्सिया जीवा पुढवी कट्ठनिस्सिया।

हम्मन्ति भत्तपाणेसु तम्हा भिक्खू न पायए॥11॥

विसप्पे सव्वओधारे बहुपाणविणासणे।

नत्थि जोइसमे सत्थे तम्हा जोइं न दीवए॥12॥

हिरण्णं जायरूवं च मणसा वि न पत्थए।

समलेट्ठुकंचणे भिक्खू विरए कयविक्कए॥13॥

किणन्तो कइओ होइ विक्किणन्तो य वाणिओ।

कयविक्कयम्मि वट्टन्तो भिक्खू न भवइ तारिसो॥14॥

भिक्खियव्वं न केयव्वं भिक्खुणा भिक्खवत्तिणा।

कयविक्कओ महादोसो भिक्खावत्ती सुहावहा॥15॥

समुयाणं उंछमेसिज्जा जहासुत्तमणिन्दियं।

लाभालाभम्मि संतुट्ठे पिण्डवायं चरे मुणी॥16॥

अलोले न रसे गिद्धे जिब्भादन्ते अमुच्छिए।

न रसट्ठाए भुंजिज्जा जवणट्ठाए महामुणी॥17॥

अच्चणं रयणं चेव वन्दणं पूयणं तहा।

इड्ढीसक्कार सम्माणं मणसा वि न पत्थए॥18॥

सुक्कज्झाणं झियाएज्जा अणियाणे अकिंचणे।

वोसट्ठकाए विहरेज्जा जाव कालस्स पज्जओ॥19॥

निज्जूहिऊण आहारं कालधम्मे उवट्ठिए।

जहिऊण माणुसं बोन्दिं पहू दुक्खे विमुच्चई॥20॥

निम्ममो निरहंकारो वीयरागो अणासवो।

संपत्तो केवलं नाणं सासयं परिणिव्वुए॥21॥

-त्ति बेमि।

छत्तीसइमं अज्झयणं

जीवाजीवविभत्ती

जीवाजीवविभत्तिं सुणेह मे एगमणा इओ।

जं जाणिऊण समणे सम्मं जयइ संजमे॥1॥

जीवा चेव अजीवा य एस लोए वियाहिए।

अजीवदेसमागासे अलोए से वियाहिए॥2॥

दव्वओ खेत्तओ चेव कालओ भावओ तहा।

परूवणा तेसिं भवे जीवाणमजीवाण य॥3॥

रूविणो चेव अरूवी य अजीवा दुविहा भवे।

अरूवी दसहा वुत्ता रूविणो वि चउव्विहा॥4॥

धम्मत्थिकाए तद्देसे तप्पएसे य आहिए।

अहम्मे तस्स देसे य तप्पएसे य आहिए॥5॥

आगासे तस्स देसे य तप्पएसे य आहिए।

अद्धासमए चेव अरूवी दसहा भवे॥6॥

धम्माधम्मे य दोवेए लोगमित्ता वियाहिया।

लोगालोगे य आगासे समए समयखेत्तिए॥7॥

धम्माधम्मागासा तिन्नि वि एए अणाइया।

अपज्जवसिया चेव सव्वद्धं तु वियाहिया॥8॥

समए वि सन्तइं पप्प एवमेवं वियाहिए।

आएसं पप्प साईए सपज्जवसिए वि य॥9॥

खन्धा य खन्धदेसा य तप्पएसा तहेव य।

परमाणुणो य बोद्धव्वा रूविणो य चउव्विहा॥10॥

एगत्तेण पुहत्तेण खन्धा य परमाणुणो।

लोएगदेसे लोए य भइयव्वा ते उ खेत्तओ॥

इत्तो कालविभागं तु तेसिं वुच्छं चउव्विहं॥11॥

संतइं पप्प तेणाइं अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥12॥

असंखकालमुक्कोसं एगं समयं जहन्निया।

अजीवाण य रूवीणं ठिई एसा वियाहिया॥13॥

एणन्तकालमुक्कोसं एगं समयं जहन्नयं।

अजीवाण य रूवीणं अन्तरेयं वियाहियं॥14॥

वण्णओ गन्धओ चेव रसओ फासओ तहा।

संठाणओ य विन्नेओ परिणामो तेसिं पंचहा॥15॥

वण्णओ परिणया जे उ पंचहा ते पकित्तिया।

किण्हा नीला य लोहिया हालिद्दा सुक्किला तहा॥16॥

गन्धओ परिणया जे उ दुविहा ते वियाहिया।

सुब्भिगन्धपरिणामा दुब्भिगन्धा तहेय य॥17॥

रसओ परिणया जे उ पंचहा ते पकित्तिया।

तित्त कडुय कसाया अम्बिला महुरा तहा॥18॥

फासओ परिणया जे उ उट्ठहा ते पकित्तिया।

कक्खडा मउया चेव गरुया लहुया तहा॥19॥

सीया उण्हा य निद्धा य तहा लुक्खा व आहिया।

इइ फासपरिणया एए पुग्गला समुदाहिया॥20॥

संठाणपरिणया जे उ पंचहा ते पकित्तिया।

परिमण्डला य वट्टा तंसा चउरंसमाययया॥21॥

वण्णओ जे भवे किण्हे भइए से उ गन्धओ।

रसओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥22॥

वण्णओ जे भवे नीले भइए से उ गन्धओ।

रसओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥23॥

वण्णओ लोहिए जे उ भइए से उ गन्धओ।

रसओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥24॥

वण्णओ पीयए जे उ भइए से उ गन्धओ।

रसओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥25॥

वण्णओ सुक्किले जे उ भइए से उ गन्धओ।

रसओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥26॥

गन्धओ चे भवे सुब्भी भइए से उ वण्णओ।

रसओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥27॥

गन्धओ जे भवे दुब्भी भइए से उ वण्णओ।

रसओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥28॥

रसओ तित्तए जे उ भइए से उ वण्णओ।

गन्धओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥29॥

रसओ कडुए जे उ भइए से उ वण्णओ।

गन्धओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥30॥

रसओ कसाए जे उ भइए से उ वण्णओ।

गन्धओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥31॥

रसओ अम्बिले जे उ भइए से उ वण्णओ।

गन्धओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥32॥

रसओ महुरए जे उ भइए से उ वण्णओ।

गन्धओ फासओ चेव भइए संठाणओ वि य॥33॥

फासओ कक्खडे जे उ भइए से उ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए संठाणओ वि य॥34॥

फासओ मउए जे उ भइए से उ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए संठाणओ वि य॥35॥

फासओ गुरुए जे ठ भइए से ठ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए संठाणओ वि य॥36॥

फासओ लहुए जे ठ भइए से ठ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए संठाणओ वि य॥37॥

फासओ सीयए जे ठ भइए से ठ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए संठाणओ वि य॥38॥

फासओ ठण्हाए जे ठ भइए से ठ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए संठाणओ वि य॥39॥

फासओ निद्धए जे ठ भइए से ठ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए संठाणओ वि य॥40॥

फासओ लुक्खए जे ठ भइए से ठ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए संठाणओ वि य॥41॥

परिमण्डलसंठाणे भइए से ठ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए फासओ वि य॥42॥

संठाणओ भवे वट्टे भइए से ठ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए फासओ वि य॥43॥

संठाणओ भवे तंसे भइए से ठ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए फासओ वि य॥44॥

संठाणओ य चउरंसे भइए से उ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए फासओ वि य॥45॥

जे आययसंठाणे भइए से उ वण्णओ।

गन्धओ रसओ चेव भइए फासओ वि य॥46॥

एसा अजीवविभत्ती समासेण वियाहिया।

इत्तो जीवविभत्तिं वुच्छामि अणुपुव्वसो॥47॥

संसारत्था य सिद्धा य दुविहा जीवा वियाहिया।

सिद्धा अणेगविहा वुत्ता तं मे कित्तयओ सुण॥48॥

इत्थीपुरिससिद्धा य तहेव य नपुंसगा।

सलिंगे अन्नलिंगे य गिहिलिंगे तहेव य॥49॥

उक्कोसोगाहणाए य जहन्नमज्झिमाइ य।

उड्ढं अहे य तिरियं च समुद्दम्मि जलम्मि य॥50॥

दस चेव नपुंसेसु वीसं इत्थियासु य।

पुरिसेसु य अट्ठसयं समए णेगेण सिज्झई॥51॥

चत्तारि य गिहिलिंगे अन्नलिंगे दसेव य।

सलिंगेण य अट्ठसयं समए णेगेण सिज्झई॥52॥

उक्कोसोगाहणाए य सिज्झन्ते जुगवं दुवे।

चत्तारि जहन्नाए जवमज्झाट्ठुत्तरं सयं॥53॥

चउरुड्ढलोए य दुवे समुद्दे तओ जले वीसमहे तहेव।

सयं च अट्ठुत्तर तिरियलोए समए णेगेण उ सिज्झई उ॥54॥

कहिं पडिहया सिद्धा कहिं सिद्धा पइट्टिया।

कहिं बोन्दिं चइत्ताणं कत्थ गन्तूण सिज्झई॥55॥

अलोए पडिहया सिद्धा लोयग्गे य पइट्ठिया।

इहं बोन्दिं चइत्ताणं तत्थ गन्तूण सिज्झई॥56॥

बारसहिं जोयणेहिं सव्वट्ठस्सुवरिं भवे।

ईसीपब्भारनामा उ पुढवी छत्तसंठिया॥57॥

पणयालसयसहस्सा जोयणाणं तु आयया।

तावइयं चेव वित्थिण्णा तिगुणो तस्सेव परिरओ॥58॥

अट्ठजोयणबाहल्ला सा मज्झम्मि वियाहिया।

परिहायन्ती चरिमन्ते मच्छियपत्ता तणुयरी॥59॥

अज्जुणसुवण्णगमई सा पुढवी निम्मला सहावेणं।

उत्ताणगछत्तगसंठिया य भणिया जिणवरेहिं॥60॥

संखंक कुन्दसंकासा पण्डुरा निम्मला सुहा।

सीयाए जोयणे तत्तो लोयन्तो उ वियाहिओ॥61॥

जोयणस्स उ जो तस्स कोसो उवरिमो भवे।

तस्स कोसस्स छब्भाए सिद्धाणोगाहणा भवे॥62॥

तत्थ सिद्धा महाभागा लोयग्गम्मि पइट्ठिया।

भवप्पवंचउम्मुक्का सिद्धिं वरगइं गया॥63॥

उस्सेहो जस्स जो होइ भवम्मि चरिमम्मि उ।

तिभागहीणा तत्तो य सिद्धाणोगाहणा भवे॥64॥

एगत्तेण साईया अपज्जवसिया वि य।

पुहुत्तेण अणाईया अपज्जवसिया वि य॥65॥

अरूविणो जीवघणा णाणदंसणसन्निया।

अउलं सुहं संपत्ता उवमा जस्स नत्थि उ॥66॥

लोएगदेसे ते सव्वे णाणदंसणसन्निया।

संसारपारनित्थिन्ना सिद्धिं वरगइं गया॥67॥

संसारत्था उ जे जीवा दुविहा ते वियाहिया।

तसा य थावरा चेव थावरा तिविहा तहिं॥68॥

पुढवी आउजीवा य तहेव य वणस्सई।

इच्चेए थावरा तिविहा तेसिं भेए सुणेह मे॥69॥

दुविहा पुढवीजीवा उ सुहुमा बायरा तहा।

पज्जत्तमपज्जत्ता एवमेए दुहा पुणो॥70॥

बायरा जे उ पज्जत्ता दुविहा ते वियाहिया।

सण्हा खरा य बोद्धव्वा सण्हा सत्तविहा तहिं॥71॥

किण्हा नीला य रुहिरा य हालिद्दा सुक्किला तहा।

पण्डु पणगमट्टिया खरा छत्तीसईविहा॥72॥

पुढवी य सक्करा बालुया य उवले सिला य लोणूसे।

अय तम्ब तउय सीसग रुप्प सुवण्णे य वइरे य॥73॥

हरियाले हिंगुलुए मणोसिला सासगंजणपवाले।

अब्भपडल अब्भवालुय बायरकाए मणिविहाणा॥74॥

गोमेज्जए य रुयगे अंके फलिहे य लोहियक्खे य।

मरगय मसारगल्ले भुयमोयग इन्दनीले य॥75॥

चन्दण गेरुय हंसगब्भ पुलए सोगन्धिए य बोद्धव्वे।

चन्दप्पह वेरुलिए जलकन्ते सूरकन्ते य॥76॥

एए खरपुढवीए भेया छत्तीसमाहिया।

एगविहमणाणत्ता सुहुमा तत्थ वियाहिया॥77॥

सुहुमा सव्वलोगम्मि लोगदेसे य बायरा।

इत्तो कालविभागं तु तेसिं वुच्छं चउव्विहं॥78॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥79॥

बावीससहस्साइं वासाणुक्कोसिया भवे।

आउठिई पुढवीणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥80॥

असंखकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

कायठिई पुढवीणं तं कायं तु अमुंचओ॥81॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

विजढम्मि सए काए पुढवीजीवाण अन्तरं॥82॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वा वि विहाणाइं सहस्ससो॥83॥

दुविहा आउजीवा उ सुहुमा बायरा तहा।

पज्जत्तमपज्जत्ता एवमेए दुहा पुणो॥84॥

बायरा जे उ पज्जत्ता पंचहा ते पकित्तिया।

सुद्धोदए य उस्से हरतणू महिया हिमे॥85॥

एगविहमणाणत्ता सुहुमा तत्थ वियाहिया।

सुहुमा सव्वलोगम्मि लोगदेसे य बायरा॥86॥

सन्तइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥87॥

सत्तेव सहस्साइं वासाणुक्कोसिया भवे।

आउट्ठिई आऊणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥88॥

असंखकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया।

कायट्ठिई आऊणं तं कायं तु अमुंचओ॥89॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

विजढम्मि सए काए आऊजीवाण अन्तरं॥90॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥91॥

दुविहा वणस्सईजीवा सुहुमा बायरा तहा।

पज्जत्तमपज्जत्ता एवमेए दुहा पुणो॥92॥

बायरा जे उ पज्जत्ता दुविहा ते वियाहिया।

साहारणसरीरा य पत्तेगा य तहेव य॥93॥

पत्तेगसरीरा उ णेगहा ते पकित्तिया।

रुक्खा गुच्छा य गुम्मा य लया वल्ली तणा तहा॥94॥

लयावलय पव्वगा कुहुणा जलरुहा ओसही तिणा।

हरियकाया य बोद्धव्वा पत्तेया इति आहिया॥95॥

साहारणसरीरा उ णेगहा ते पकित्तिया।

आलुए मूलए चेव सिंगबेरे तहेव य॥96॥

हिरिली सिरिली सिस्सिरिली जावई केय कन्दली।

पलंदू लसणकन्दे य कन्दली य कुडुंबए॥97॥

लोहि णीहू य थिहू य कुहगा य तहेव य।

कण्हे य वज्जकन्दे य कन्दे सूरणए तहा॥98॥

अस्सकण्णी य बोद्धव्वा सीहकण्णी तहेव य।

मुसुण्ढी य हलिद्दा य अणेगहा एवमायओ॥99॥

एगविहमणाणत्ता सुहुमा तत्थ वियाहिया।

सुहुमा सव्वलोगम्मि लोगदेसे य बायरा॥100॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥101॥

दस चेव सहस्साइं वासाणुक्कोसिया भवे।

वणप्फईण आउं तु अन्तोमुहुत्तं जहन्नगं॥102॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

कायठिई पणगाणं तं कायं तु अमुंचओ॥103॥

असंखकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

विजढम्मि सए काए पणगजीवाणं अन्तरं॥104॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥105॥

इच्चेए थावरा तिविहा समासेण वियाहिया।

इत्तो उ तसे तिविहे वुच्छामि अणुपुव्वसो॥106॥

तेऊ वाऊ य बोद्धव्वा उराला य तसा तहा।

इच्चेए तसा तिविहा तेसिं भेए सुणेह मे॥107॥

दुविहा तेउजीवा उ सुहुमा बायरा तहा।

पज्जत्तमपज्जत्ता एवमेए दुहा पुणो॥108॥

बायरा जे उ पज्जत्ता णेगहा ते वियाहिया।

इंगाले मुम्मुरे अग्गी अच्चिं जाला तहेव य॥109॥

उक्का विज्जू य बोद्धव्वा णेगहा एवमायओ।

एगविहमणाणत्ता सुहुमा ते वियाहिया॥110॥

सुहुमा सव्वलोगम्मि लोगदेसे य बायरा।

इत्तो कालविभागं तु तेसिं वुच्छं चउव्विहं॥111॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥112॥

तिण्णेव अहोरत्ता उक्कोसेण वियाहिया।

आउट्ठिई तेऊणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥113॥

असंखकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

कायट्ठिई तेऊणं तं कायं तु अमुंचओ॥114॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

विजढम्मि सए काए तेउजीवाण अन्तरं॥115॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥116॥

दुविहा पाउजीवा उ सुहुमा बायरा तहा।

पज्जत्तमपज्जत्ता एवमेए दुहा पुणो॥117॥

बायरा जे उ पज्जत्ता पंचहा ते पकित्तिया।

उक्कलिया मण्डलिया घण गुंजा सुद्धवाया य॥118॥

संवट्टगवाते य अणेगविहा एवमायओ।

एगविहमणाणत्ता सुहुमा ते वियाहिया॥119॥

सुहुमा सव्वलोगम्मि लोगदेसे य वायरा।

इत्तो कालविभागं तु तेसिं वुच्छं चउव्विहं॥120॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥121॥

तिण्णेव सहस्साइं वासाणुक्कोसिया भवे।

आउट्ठिई पाऊणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥122॥

असंखकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

कायट्ठिई पाऊणं तं कायं तु अमुंचओ॥123॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

विजढम्मि सए काए वाउजीवाण अन्तरं॥124॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥125॥

ओराला तसा जे उ चउहा ते पकित्तिया।

बेइन्दिय तेइन्दिय चउरो पंचिन्दिया चेव॥126॥

बेइन्दिया उ जीवा दुविहा ते पकित्तिया।

पज्जत्तमपज्जत्ता तेसिं भेए सुणेह मे॥127॥

किमिणो सोमंगला चेव अलसा माइवाहया।

वासीमुहा य सिप्पीया संखा संखणगा तहा॥128॥

पल्लोयाणुल्लया चेव तहेव य वराडगा।

जलूगा जालगा चेव चन्दणा य तहेव य॥129॥

इइ बेइन्दिया एए णेगहा एवमायओ।

लोगेगदेसे ते सव्वे न सव्वत्थ वियाहिया॥130॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥131॥

वासाइं बारसे व उ उक्कोसेण वियाहिया।

बेन्दियआउठिई अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥132॥

संखिज्जकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

बेइन्दियकायठिई तं कायं तु अमुंचओ॥133॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

बेइन्दियजीवाणं अन्तरेयं वियाहियं॥134॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥135॥

तेइन्दिया उ जे जीवा दुविहा ते पकित्तिया।

पज्जत्तमपज्जत्ता तेसिं भेए सुणेह मे॥136॥

कुन्थु पिवीलि उड्डंसा उक्कलुद्देहिया तहा।

तणहार कट्ठहारा मालुगा पत्तहारगा॥137॥

कप्पास अट्ठिमिंजा य तिंदुगा तउसमिंजगा।

सदावरी य गुम्मी य बोद्धव्वा इन्दकाइया॥138॥

इन्दगोवगमाईया णेगहा एवमायओ।

लोएगदेसे ते सव्वे न सव्वत्थ वियाहिया॥139॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥140॥

एगुणपण्ण अहोरत्ता उक्कोसेण वियाहिया।

तेइन्दियआउठिई अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥141॥

संखिज्जकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

तेइन्दियकायठिई तं कायं तु अमुंचओ॥142॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

तेइन्दियजीवाणं अन्तरेयं वियाहियं॥143॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥144॥

चउरिन्दिया उ जे जीवा दुविहा ते पकित्तिया।

पज्जत्तमपज्जत्ता तेसिं भेए सुणेह मे॥145॥

अन्धिया पोत्तिया चेव मच्छिया मसगा तहा।

भमरे कीड पयंगे य ढिंकुणे कुंकुणे तहा॥146॥

कुक्कुडे सिंगिरीडी य नन्दावत्त य विंछिए।

डोले भिंगारी य विरली य अच्छिवेहए॥147॥

अच्छिले माहए अच्छिरोडए विचित्ते चित्तपत्तए।

ओहिंजलिया जलकारी य नीया तन्तवगाविया॥148॥

इइ चउरिन्दिया एए अणेगहा एवमायओ।

लोगस्स एगदेसम्मि ते सव्वे परिकित्तिया॥149॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥150॥

छच्चेव य मासा उ उक्कोसेण वियाहिया।

चउरिन्दिय आउठिई अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥151॥

संखिज्जकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

चउरिन्दियकायठिई तं कायं तु अमुंचओ॥152॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

विजढम्मि सए काए अन्तरेयं वियाहियं॥153॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥154॥

पंचिन्दिया उ जे जीवा चउव्विहा ते वियाहिया।

नेरइया तिरिक्खा य मणुया देवा य आहिया॥155॥

नेरइया सत्तविहा पुढवीसु सत्तसू भवे।

रयणाभ सक्कराभा वालुयाभा य आहिया॥156॥

पंकाभा धूमाभा तमा तमतमा तहा।

इइ नेरइया एए सत्तहा परिकित्तिया॥157॥

लोगस्स एगदेसम्मि ते सव्वे उ वियाहिया।

एत्तो कालविभागं तु वुच्छं तेसिं चउव्विहं॥158॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥159॥

सागरोवममेगं तु उक्कोसेण वियाहिया।

पढमाए जहन्नेणं दसवाससहस्सिया॥160॥

तिण्णेव सागरा ऊ उक्कोसेण वियाहिया।

तइयाए जहन्नेणं तिण्णेव उ सागरोवमा॥161॥

सत्तेव सागरा ऊ उक्कोसेण वियाहिया।

तइयाए जहन्नेणं तिण्णेव उ सागरोवमा॥162॥

दस सागरोवमा ऊ उक्कोसेण वियाहिया।

चउत्थीए जहन्नेणं सत्तेव उ सागरोवमा॥163॥

सत्तरस सागरा ऊ उक्कोसेण वियाहिया।

पंचमाए जहन्नेणं दस चेव उ सागरोवमा॥164॥

बावीस सागरा ऊ उक्कोसेण वियाहिया।

छट्ठीए जहन्नेणं सत्तरस सागरोवमा॥165॥

तेत्तीसं सागरा ऊ उक्कोसेण वियाहिया।

सत्तमाए जहन्नेणं बावीसं सागरोवमा॥166॥

जा चेव उ आउठिई नेरइयाणं वियाहिया।

सा तेसिं कायठिई जहन्नुक्कोसिया भवे॥167॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।

विजढम्मि सए काए नेरइयाणं तु अन्तरं॥168॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥169॥

पंचिन्दियतिरिक्खाओ दुविहा ते वियाहिया।

सम्मुच्छिमतिरिक्खाओ गब्भवक्कन्तिया तहा॥170॥

दुविहावि ते भवे तिविहा जलयरा थलयरा तहा।

खहयरा य बोद्धव्वा तेसिं भेए सुणेह मे॥171॥

मच्छा य कच्छभा य गाहा य मगरा तहा।

सुंसुमारा य बोद्धव्वा पंचहा जलयराहिया॥172॥

लोएगदेसे ते सव्वे न सव्वत्थ वियाहिया।

एत्तो कालविभागं तु वुच्छं तेसिं चउव्विहं॥173॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥174॥

एगा य पुव्वकोडीओ उक्कोसेण वियाहिया।

आउट्ठिई जलयराणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥175॥

पुव्वकोडीपुहत्तं तु उक्कोसेण वियाहिया।

कायट्ठिई जलयराणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥176॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नियं।

विजढम्मि सए काए जलयराणं तु अन्तरं॥177॥

एएसिं वण्णओ चेव गंधओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वा वि विहाणाइं सहस्ससो॥178॥

चउप्पया य परिसप्पा दुविहा थलयरा भवे।

चउप्पया चउविहा संति ते मे कित्तयओ सुण॥179॥

एगखुरा दुखुरा चेव गण्डपय सणप्पया।

हयमाइ गोणमाइ गयमाइ सीहमाइणो॥180॥

भुओरगपरिसप्पा य परिसप्पा दुविहा भवे।

गोहाइ अहिमाई य एक्केक्काणेगहा भवे॥181॥

लोएगदेसे ते सव्वे न सव्वत्थ वियाहिया।

एत्तो कालविभागं तु वुच्छं तेसिं चउव्विहं॥182॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥183॥

पलिओवमाउ तिण्णि उ उक्कोसेण वियाहिया।

आउट्ठिई थलयराणं अन्तोमुहूत्तं जहन्निया॥184॥

पलिओवमाउ तिण्णि उ उक्कोसेण तु साहिया।

पुव्वकोडीपुहत्तेणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥185॥

कायट्ठिई थलयराणं अन्तरं तेसिमं भवे।

कालमणन्तमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं॥186॥

एएसिं वण्णओ चेव गंधओ रसफाससो।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्सओ॥187॥

चम्मे उ लोमपक्खी य तइया समुग्गपक्खिया।

विययपक्खी य बोद्धव्वा पक्खिणो य चउव्विहा॥188॥

लोगेगदेसे ते सव्वे न सव्वत्थ वियाहिया।

इत्तो कालविभागं तु वुच्छं तेसिं चउव्विहं॥189॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥190॥

पलिओवमस्स भागो असंखेज्जइमो भवे।

आउट्ठिई खहयराणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥191॥

असंखभागो पलियस्स उक्कोसेण उ साहिओ।

पुव्वकोडीपुहत्तेणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥192॥

कायठिई खहयराणं अन्तरं तेसिमं भवे।

कालं अणन्तमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं॥193॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥194॥

मणुया दुविहभेया उ ते मे कित्तयओ सुण।

संमुच्छिमा य मणुया गब्भवक्कन्तिया तहा॥195॥

गब्भवक्कन्तिया जे उ तिविहा ते वियाहिया।

अकम्म कम्मभूया य अन्तरद्दीवया तहा॥196॥

पन्नरस तीसइ विहा भेया अट्ठवीसइं।

संखा उ कमसो तेसिं इइ एसा वियाहिया॥197॥

संमुच्छिमाण एसेव भेओ होइ आहिओ।

लोगस्स एगदेसम्मि ते सव्वे वि वियाहिया॥198॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥199॥

पलिओवमाइं तिण्णि उ उक्कोसेण वियाहिया।

आउट्ठिई मणुयाणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥200॥

पलिओवमाइं तिण्ण उ उक्कोसेण वियाहिया।

पुव्वकोडीपुहत्तेणं अन्तोमुहुत्तं जहन्निया॥201॥

कायट्ठिई मणुयाणं अन्तरं तेसिमं भवे।

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं॥202॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।

संठाणादेसओ वावि विहाणाइं सहस्ससो॥203॥

देवा चउव्विहा वुत्ता ते मे कित्तयओ सुण।

भोमिज्ज वाणवन्तर जोइस वेमाणिया तहा॥204॥

दसहा उ भवणवासी अट्ठहा वणचारिणो।

पंचविहा जोइसिया दुविहा वेमाणिया तहा॥205॥

असुरा नाग सुवण्णा विज्जू अग्गी य आहिया।

दीवोदहि दिसा वाया थणिया भवणवासिणो॥206॥

पिसाय भूय जक्खा य रक्खसा किंन्नरा य किंपुरिसा।

महोरगा य गन्धव्वा अट्ठविहा वाणवन्तरा॥207॥

चन्दा सूरा य नक्खत्ता तहा तारागणा तहा।

दिसाविचारिणो चेव पंचहा जोइसालया॥208॥

वेमाणिया उ जे देवा दुविहा ते वियाहिया।

कप्पोवगा य बोद्धव्वा कप्पाईया तहेव य॥209॥

कप्पोवगा बारसहा सोहम्मीसाणगा तहा।

सणंकुमार माहिन्दा बम्भलोगा य लन्तगा॥210॥

महासुक्का सहस्सारा आणया पाणया तहा।

आरणा अच्चुया चेव इइ कप्पोवगा सुरा॥211॥

कप्पाईया उ जे देवा दुविहा ते वियाहिया।

गेविज्जाणुत्तरा चेव गेविज्जा नवविहा तहिं॥212॥

हेट्ठिमा हेट्ठिमा चेव हेट्ठिमा मज्झिमा तहा।

हेट्ठिमा उवरिमा चेव मज्झिमा हेट्ठिमा तहा॥213॥

मज्झिमा मज्झिमा चेव मज्झिमा उवरिमा तहा।

उवरिमा हेट्ठिमा चेव उवरिमा मज्झिमा तहा॥214॥

उवरिमा उवरिमा चेव इय गेविज्जया सुरा।

विजया वेजन्ता य जयन्ता अपराजिया॥215॥

सव्वट्ठसिद्धगा चेव पंचहाणुत्तरा सुरा।

इइ वेमाणिया देवा णेगहा एवमायओ॥216॥

लोगस्स एगदेसम्मि ते सव्वे परिकित्तिया।

इत्तो कालविभागं तु वुच्छं तेसिं चउव्विहं॥217॥

संतइं पप्प अणाईया अपज्जवसिया वि य।

ठिइं पडुच्च साईया सपज्जवसिया वि य॥218॥

साहियं सागरं एक्कं उक्कोसेणं ठिई भवे।

भोमेज्जाणं जहन्नेणं दसवाससहस्सिया॥219॥

पलिओवममेगं तु उक्कोसेण ठिई भवे।

वन्तराणं जहन्नेणं दसवाससहस्सिया॥220॥

पलिओवमं एगं तु वासलक्खेण साहियं।

पलिओवमट्ठभागो जोइसेसु जहन्निया॥221॥

दो चेव सागराइं उक्कोसेण वियाहिया।

सोहम्ममम्मि जहन्नेणं एगं च पलिओवमं॥222॥

सागरा साहिया दुन्नि उक्कोसेण वियाहिया।

ईसाणम्मि जहन्नेणं साहियं पलिओवमं॥223॥

सागराणि य सत्तेव उक्कोसेण ठिई भवे।

सणंकुमारे जहन्नेणं दुन्नि ऊ सागरोवमा॥224॥

साहिया सागरा सत्त उक्कोसेण ठिई भवे।

माहिन्दम्मि जहन्नेणं साहिया दुन्नि सागरा॥225॥

दस चेव सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

बम्भलोए जहन्नेणं सत्त ऊ सागरोवमा॥226॥

चउद्दस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

लन्तगम्मि जहन्नेणं दस ऊ सागरोवमा॥227॥

सत्तरस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

महासुक्के जहन्नेणं जउद्दस सागरोवमा॥228॥

अट्ठारस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

सहस्सारे जहन्नेणं सत्तरस सागरोवमा॥229॥

सागरा अउणवीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे।

आणयम्मि जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमा॥230॥

वीसं तु सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

पाणयम्मि जहन्नेणं सागरा अ उणवीसई॥231॥

सागरा इक्कवीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे।

आरणम्मि जहन्नेणं वीसई सागरोवमा॥232॥

वावीसं सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

अच्चुयम्मि जहन्नेणं सागरा इक्कवीसई॥233॥

तेवीस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

पढमम्मि जहन्नेणं बावीसं सागरोवमा॥234॥

चउवीस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

बिइयम्मि जहन्नेणं तेवीसं सागरोवमा॥235॥

पणवीस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

तइयम्मि जहन्नेणं चउवीसं सागरोवमा॥236॥

छव्वीस सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

चउत्थम्मि जहन्नेणं सागरा पणवीसई॥237॥

सागरा सत्तवीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे।

पंचमम्मि जहन्नेणं सागरा उ छवीसई॥238॥

सागरा अट्ठवीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे।

छट्ठम्मि जहन्नेणं सागरा सत्तवीसई॥239॥

सागरा अ उणतीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे।

सत्तमम्मि जहन्नेणं सागरा अट्ठवीसई॥240॥

तीसं तु सागराइं उक्कोसेण ठिई भवे।

अट्ठमम्मि जहन्नेणं सागरा अ उणतीसई॥241॥

सागरा इक्कतीसं तु उक्कोसेण ठिई भवे।

नवमम्मि जहन्नेणं तीसई सागरोवमा॥242॥

तेत्तीस सागरा उ उक्कोसेण ठिई भवे।

चउसुं पि विजयाईसुं जहन्नेणेक्कतीसई॥243॥

अजहन्नमणुक्कोसा तेतीसं सागरोवमा।
महाविमाण सव्वट्ठे ठिई एसा वियाहिया॥244॥

जा चेव उ आउठिई देवाणं तु वियाहिया।
सा तेसिं कायठिई जहन्नुक्कोसिया भवे॥245॥

अणन्तकालमुक्कोसं अन्तोमुहुत्तं जहन्नयं।
विजढम्मि सए काए देवाणं हुज्ज अन्तरं॥246॥

एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ।
संठाणादेसओ वा वि विहाणाइं सहस्सओ॥247॥

संसारत्था य सिद्धा य इइ जीवा वियाहिया।
रूविणो चेव अरूवी य अजीवा दुविहा वि य॥248॥

इइ जीवमजीवे य सोच्चा सद्दहिऊण य।
सव्वनयाण अणुमए रमेज्जा संजमे मुणी॥249॥

तओ बहूणि वासाणि सामण्णमणुपालिया।
इमेण कमजोगेण अप्पाणं संलिहे मुणी॥250॥

बारसेव उ वासाइं संलेहुक्कोसिया भवे।
संवच्छरं मज्झिमिया छम्मासा य जहन्निया॥251॥

पढमे वासचउक्कम्मि विगईनिज्जहणं करे।

बिइए वासचउक्कम्मि विचित्तं तु तवं चरे॥252॥

एगन्तरमायामं कट्टु संवच्छरे दुवे।

तओ संवच्छरद्धं तु नाइविगिट्ठं तवं चरे॥253॥

तओ संवच्छरद्धं तु विगिट्ठं तु तवं चरे।

परिमियं चेव आयामं तम्मि संवच्छरे करे॥254॥

कोडीसहियमायामं कट्टु संवच्छरे मुणी।

मासद्धमासिएणं तु आहारेण तवं चरे॥255॥

कन्दप्पमाभिओगं किब्बिसियं मोहमासुरत्तं च।

एयाओ दुग्गईओ मरणम्मि विराहिया होन्ति॥256॥

मिच्छादंसणरत्ता सनियाणा हु हिंसगा।

इय जे मरन्ति जीवा तेसिं पुण दुल्लहा बोही॥257॥

सम्मद्दंसणरत्ता अनियाणा सुक्कलेसमोगाढा।

इय जे मरन्ति जीवा सुलहा तेसिं भवे बोही॥258॥

मिच्छादंसणरत्ता सनियाणा कण्हलेसमोगाढा।

इय चे मरन्ति जीवा तेसिं पुण दुल्लहा बोही॥259॥

जिणवयणे अणुरत्ता जिणवयणं जे करेन्ति भावेण।

अमला असंकिलिट्ठा ते होन्ति परित्तसंसारी॥260॥

बालमरणाणि बहुसो अकाममरणाणि चेव य बहूणि।

मरिहिन्ति ते वराया जिणवयणं जे न जाणन्ति॥261॥

बहूआगमविन्नाणा समाहिउप्पायगा गुणगाही।

एएण कारणेणं अरिहा आलोयणं सोउं॥262॥

कन्दप्प कोक्कुयाइं तह सील सहाव हास विगहाहिं।

विम्हावेन्तो य परं कन्दप्पं भावणं कुणइ॥263॥

मन्ता जोगं काउं भूईकम्मं च जे पउंजन्ति।

साय रस इड्ढिहेउं अभिओगं भावणं कुणइ॥264॥

नाणस्स केवलीणं धम्मायरियस्स संघ साहूणं।

माई अवण्णवाई किब्बिसियं भावणं कुणइ॥265॥

अणुबद्धरोसपसरो तह य निमित्तंमि होइ पडिसेवी।

एएहि कारणेहिं आसुरियं भावणं कुणइ॥266॥

सत्थग्गहणं विसभक्खणं च जलणं च जलप्पवेसो य।

अणायार भण्डसेवा जम्मण मरणाणि बन्धन्ति॥267॥

इह पाउकरे बुद्धे नायए परिनिव्वुए।

छत्तीसं उत्तरज्झाए भवसिद्धीयसंमए॥268॥

-त्ति बेमि।

॥ उत्तरज्झयणसुतं समत्तं ॥

गाहाण्णुकमणिआ

गाहारंमो	अज्झणंको	गाहंको
	अ	
अइतिक्ख	19	52
अकसाय	28	33
अक्कोसवह	15	3
अक्कोसेज्जा	2	24
अगारि सामाइ	5	23
अग्गिहुत्तमुखा	25	16
अग्गी य इइ	23	52
अच्चणं रयणं	35	18
अचेलगस्स	2	34
अचेलगो य जो	23	13
अचेलगो य जो	23	29
अच्चेइ कालो	13	31
अच्चेमु ते महाभाग	12	34
अच्चंत कालस्स	32	1
अच्चंत नियाण	18	53
अच्छिले माहए	36	148
अच्छेरग	9	51
अजहन्न	36	246
अजाणगा	25	18
अज्जुणसुवण्ण	36	60
अज्जेव धम्मं	14	28
अज्जेवाहं न	2	31
अज्झत्थं सव्वओ	6	6
अज्झावयाणं	12	16
अज्झावयाणं	12	19
अट्ठरुद्दाणि	30	35
अट्ठरुद्दाणि	34	31
अट्ठकम्माइं	33	1
अट्ठजोयण	36	60
अट्ठपवयण	24	1
अट्ठविहगोयरग्गं	30	35
अट्ठारस सागराइं	36	231
अणगारगुणे	31	18
अणच्चावियं	26	25
अणभिग्गहिय	28	26
अणसणमूणोयरिया	30	8

अण्णवंसि	5	1	अणंतकाल	36	125
अणाइकाल	32	111	अणंतकाल	36	135
अणावायमसंलोए	24	16	अणंतकाल	36	144
अणावायमसंलोए	24	17	अणंतकाल	36	154
अणाहो मि	20	9	अणंतकाल	36	169
अणासवा	1	13	अणंतकाल	36	178
अणिस्सिओ	19	92	अणंतकाल	36	187
अणुक्कसाई	2	39	अणंतकाल	36	194
अणुन्नए नावणए	21	20	अणंतकाल	36	248
अणुप्पेहाए	29	22	अणंतकाल	36	249
अणुबद्धरोसपसरो	36	270	अत्थि एगो	23	66
अणुसासण	1	28	अत्थि एगं	23	81
अणुसासिओ	1	9	अत्थ च धम्मं च	12	33
अणूणाइरित्त	26	28	अत्थं तम्मि	18	16
अणेगछंदा	21	16	अदंसणं चेव	32	15
अणेग वासानउया	7	13	अधुवे असासयंमि	8	1
अणेगाणं सहस्साणं	23	35	अद्धाणं जो	19	18
अणंतकाल	**36**	**15**	अद्धाणं जो	19	20
अणंतकाल	36	83	अन्निओ रायसहस्सेहिं	18	43
अणंतकाल	36	91	अन्नेण विसेसेणं	30	23
अणंतकाल	36	104	अन्नं पाणं च	20	29
अणंतकाल	36	116	अप्पणा वि अनाहो	20	12

अप्पपाणे	1	35	अयं साहसिओ	23	55
अप्पसत्थेहिं	19	93	अरइ रइ	21	21
अप्पा कत्ता	20	37	अरइ-गंडे	10	27
अप्पा चेव	1	15	अरइं पिट्ठओ	2	15
अप्पाणमेव	9	35	अरूविणो	36	67
अप्पा नई वेयरणी	20	36	अलोए पडिहया	36	57
अप्पिया देवकामाणं	3	15	अलोलुयं	25	28
अप्पं च अहिक्खिवइ	11	11	अलोले न	35	17
अप्फोवमंडवंमि	18	5	अवउज्झिऊण	9	55
अबले जह भारवाहए	10	33	अवउज्झियं	10	30
अब्भाहयम्मि	14	21	अवसेसं भंडगं	26	36
अब्भुट्ठाणं अंजलि	30	32	अवसो लोहरहे	19	56
अब्भट्ठाणं गुरूपूया	26	7	अवसोहिय	10	32
अब्भुट्ठाणं च नव	26	4	अवहेडिय	12	29
अब्भट्टियं रायरिसिं	9	6	अवि पावपरिक्खेवी	11	8
अभओ पत्थिवा !	18	11	असइं तु	9	30
अभिक्खणं कोही भवइ	11	7	असमाणे चरे	2	19
अभिवायणमब्भुट्ठाणं	2	38	अस्सकण्णी य	36	100
अभू जिणा	2	45	असासए	19	13
आयकक्करभोई	7	7	असासयं	14	7
अम्मतीय	19	11	अस्सा हत्थी	20	14
अयसी पुप्फ	34	6	असिप्पजीवी	15	16

असीहिं अयसि	16	55	अह पच्छा	2	41
असुरा नागसुवण्णा	36	206	अह पन्नरसहिं	1	10
असंखकाल	36	13	अह पालियस्स	21	4
असंखकाल	36	89	अह पंचहिं	11	3
असंखकाल	36	81	अह भवे पइन्ना	23	33
असंखकाल	36	114	अहमासी	18	28
असंखकाल	36	123	अह मोणेणं	18	9
असंखयं जीविय	4	1	अह राया	18	7
असंखिज्जाणोसप्पि	34	33	अह सा भमरसन्निभे	22	30
अह अट्ठहिं ठाणेहिं	11	4	अह सारही तओ भणइ	22	17
अह अन्नया कयाई	21	8	अह सारही विचिंतेइ	27	15
अह आसगओ	18	6	अह सा रायवरकन्ना	22	40
अह ऊसिएण	22	11	अह से तत्थ	25	5
अह कालंमि	5	32	अह से सुगंध	22	24
अह केसरंमि	18	4	अह सो तत्थ	22	14
अह चउद्दसाहिं	11	6	अह सोवि	22	36
अह जे संवुडे	5	25	अह वा तइयाए	30	21
अह तत्थ	19	5	अहवा सपरिकम्मा	30	13
अह तायगो	14	8	अहाह जणओ	22	8
अह तेणेव	23	5	अहिज्ज वेए	14	9
अह तेणेव	25	4	अहिंस-सच्चं	21	12
अह ते तत्थ	24	14	अहीण पंचिंदिय	10	18

अहीवेगंत	19	38
अहे वयइ	9	54
अहो ते अज्जवं	9	57
अहो ते निज्जिओ	9	56
अहो वण्णो	20	6
अंगपच्चंग	16	4
अंगुलं सत्त	26	14
अंतमुहुत्तंमि	34	60
अंतोमुहुत्तमद्धं	34	45
अंतोहियय	23	45
अंधयारे	23	75
अंधिया पोतिया	36	147

आ

आठक्काय	10	6
आठत्तया	20	40
आगए कायवोस्सग्गे	26	47
आगासे तस्स	36	6
आगासे गंग	19	36
आणानिद्देसकरे	1	3
आमोसे लोमहारे य	9	28
आयरिय	17	5
आयरिय	17	17
आयरिय	30	33
आयरिएहिं	1	20
आयरियं कुवियं	1	47
आयवस्स	2	45
आयाणं	6	7
आयामगं	15	13
आयंके	26	35
आरभडा	26	26
आरंभाओ	34	24
इइ इत्तरियम्मि	10	3
इइ एएसु	31	21
इइ एस धम्मे	8	20
इइ पाउकरे	18	24
इइ बेइंदिया	36	131
इक्खागराय	18	39
इच्चेए थावरा	36	107
इड्ढिगारविए	27	9
इड्ढिजुइ	7	27
इड्ढि वित्तं	19	88
इत्तरिय	30	9
इत्तो काल	36	112

इत्थीपुरिस	36	50
इत्थीविसय	7	6
इत्थी वा पुरिसो वा	30	22
इमाहु अन्ना वि	20	38
इमे य बद्धा फंदंति	14	45
इमं सरीरं अणिच्चं	19	12
इमं च मे अत्थि	12	35
इमं च मे अत्थि	14	15
इय जीवमजीवे य	36	253
इय पाउकरे	36	272
इयरो वि	20	60
इरिएसण	12	2
इस्सा अमरिस	34	23
इह कामाणि	7	25
इह कामाणि	7	26
इह जीवियं	8	14
इह जीविए	13	21
इहमेगे उ	6	9
इहंसि उत्तमो	9	58
इंदगोवग	36	140
इंदियग्गाम	25	2
इंदियत्थे	24	8
इंदियाणि	35	5

उ

उक्का विज्जू	36	111
उक्कोसोगाहणा	36	51
उक्कोसोगाहणा	36	54
उग्गओ खीण	23	78
उग्गओ विमलो	23	76
उग्गमुघायणं	24	12
उग्गं तवं	22	48
उच्चारं पासवणं	24	15
उच्चावयाहिं	2	22
उच्चोयए	13	13
उज्जाणं	22	23
उड्ढं थिरं	26	24
उण्हाहितत्तो	19	60
उण्हाहितत्तो	2	9
उत्तराइं	5	26
उदहीसरिस	33	19
उदहीसरिस	33	21
उदहीसरिस	33	23
उद्देसिय	20	47

उप्फालग 34 26

उभओ सीससंघाणं 23 10

उल्लो सुक्को 25 42

उवक्खडं 12 11

उवट्ठिया मे 20 22

उवणिज्जइ 13 26

उवरिमा 36 215

उवलेवो होइ 25 41

उवासगाणं 31 11

उवेहमाणो 21 15

उसिणं परियावेणं 2 8

उस्सेहो जस्स 36 65

ऊ

ऊससिय 20 59

ए

एए खरपुढवि 36 77

एए चेव उ भावे 28 19

एए नरिंदवसभा 19 47

एए परीसहा 2 46

एए पाउकरे 25 34

एए य संगे 32 18

एएसिं तु 30 4

एएसिं वण्णओ 36 84

एएसिं वण्णओ 36 92

एएसिं वण्णओ 36 106

एएसिं वण्णओ 36 117

एएसिं वण्णओ 36 126

एएसिं वण्णओ 36 136

एएसिं वण्णओ 36 145

एएसिं वण्णओ 36 170

एएसिं वण्णओ 36 179

एएसिं वण्णओ 36 188

एएसिं वण्णओ 36 195

एएसिं वण्णओ 36 204

एएसिं वण्णओ 36 251

एग एव चरे 2 18

एगओ संवसिताणं 14 26

एगओ विरइं 31 2

एगकज्जपवन्नाणं 23 30

एगकज्जपवन्नाणं 23 24

एगखुरा 36 181

एगच्छत्तं 18 42

एगत्तेण पुहुत्तेणं 36 11

एगत्तेण साईया	36	66	एगंतरत्ते	32	65
एगत्तं च	28	13	एगंतरमायामं	36	257
एगप्पा अजिए	23	38	एमेव गंधंमि	32	59
एगब्भूओ	19	78	एमेव फासंमि	32	85
एगयाचेलए	2	13	एमेव भावंमि	32	98
एगया खत्तिओ	3	4	एमेव रसंमि	32	72
एगया देव	3	3	एमेव रूवंमि	32	33
एगविहमणाणत्ता	36	87	एमेव सद्दम्मि	32	46
एगवीसाए	31	15	एमेव अहाछंद	20	50
एगा य पुव्वकोडी	36	176	एयमट्ठं निसामित्ता	9	8
एगूणपण्णहोरत्ता	36	141	एयमादाय	2	17
एगे जिए जिया पंच	23	36	एयाइं अट्ठ	24	10
एयेण अणेगाइ	28	22	एयाइं तीसे	12	24
एगो मूलं पि	7	15	एयाओ अट्ठ	24	3
एगो पडइ	27	5	एयाओ पवयण	24	27
एगं डसइ	27	4	एयाओ पंच समिईओ	24	26
एगंतमणावाए	30	28	एयाओ मूलपयडीओ	33	16
एगंतरत्ते	32	52	एयारिसीइ	22	13
एगंतरत्ते	32	78	एयारिसे पंच	17	20
एगंतरत्ते	32	91	एयमट्ठं सपेहाए	6	4
एगंतरत्ते	32	26	एयं पंचविहं	28	5
एगंतरत्ते	32	39	एयं पुण्णपयं सोच्चा	18	34

एयं सिणाणं	12	47	एवं नाणेणं	19	94
एरिसे संपयग्गंमि	20	15	एवं भवसंसारे	10	15
एवमदीणवं भिक्खू	7	22	एवं माणुस्सगा	7	12
एवमावट्टजोणीसु	3	5	एवं लग्गंति दुम्मेहा	25	43
एवमेव वयं	14	43	एवं लोए पलित्तंमि	19	43
एवुग्गदंते वि महातवोधणे	20	53	एवं विणयजुत्तस्स	1	23
एवं अभित्थुणंतो	22	49	एवं वुत्तो नरिंदो सो	20	13
एवं करंति	9	62	एवं समुट्ठिओ भिक्खू	19	82
एवं करंति	19	96	एवं स संकप्पविकप्पणासु	32	107
एवं गुणसमाउत्ता	25	35	एवं सिक्खासमावण्णे	5	24
एवं च चिंतत्ताणं	20	33	एवं से विजयघोसे	25	44
एवं जियं सपेहाए	7	19	एवं सो अम्मापियरं	19	86
एवं तवं तु	30	37	एविंदियत्था	32	100
एवं तु संजयस्सावि	30	6	एवुग्गदंते	20	53
एवं तु संसए	23	86	एस अग्गी य वाऊ य	9	12
एवं तु संसए	25	36	एस धम्मे	16	17
एवं ते कमसो	14	51	एसणासमिओ	6	16
एवं ते राम-केसवा	22	27	एसा अजीवविभत्ती	36	47
एवं थुणित्ताण	20	58	एसा खलु लेसाणं	34	40
एवं धम्मं अकाऊण	19	219	एसा तिरियनराणं	34	47
एवं धम्मं पि	19	21	एसा नेरइयाणं	34	44
एवं धम्मं विउक्कम्म	5	15	एसा सामायारी	26	53

एसो हु सो उग्गतवो	12	22
एसो बहिरंग तवो	30	29
एहि ता भुंजिमो	22	38

ओ

ओमोयरणं पंचहा	30	14
ओहिनाणसुए बुद्धे	23	3
ओहोवहोवग्गहियं	24	13

क

कणकुंडगं चइत्ताणं	1	5
कप्पं न इच्छिज्ज	32	104
कप्पाईया उ जे देवा	36	213
कप्पासट्ठिंमि	36	139
कप्पोवगा बारसहा	36	210
कम्मसंगेहिं संमूढा	3	6
कम्माणं तु पहाणाए	3	7
कम्मा नियाणपयडा	13	8
कंदप्पकुक्कुयाइं	36	261
कंदप्पमाभिओगं च	36	260
कम्मुणा बंभणो होइ	25	33
कयरे आगच्छइ	12	6
कयरे तुमं इय अदंसणिज्जे	12	7
करकंडू कलिंगेसु	18	46
कलहडमरवज्जिए	11	13
कस्स अट्ठा इमे पाणा	22	16
कसाया अग्गिणो वुत्ता	23	53
कसिणं पि जो इमं लोगं	8	16
कहं चरे भिक्खू	12	40
कहं धीरे अहेऊहिं	18	54
कहं धीरो अहेऊहिं	18	52
कहिं पडिहया सिद्धा	36	55
कंदंतो कंदुकुंभीसु	19	49
कंपिल्ले नयरे	18	1
कंपिल्ले संभूओ	13	2
कंपिल्लंमि य नगरे	13	3
कामाणुगिद्धिप्पभवं खु दुक्खं	32	19
कामं तु देवेहि	32	16
कायठिई खहयराणं	36	193
कायठिई मणुयाणं	36	202
कायस्स फासं गहणं	32	74
कायसा वयसा मत्ते	5	10
कालीपव्वंगसंकास	2	3
कालेण कालं विहरेज्ज रट्ठे	21	14
कालेण णिक्खमे भिक्खू	1	31

कावोया जा इमा वित्ती	19	34	कंथुपिवीलउड्डंसा	36	138
किण्णु भो अज्ज मिहिलाए	9	7	कूइयं रुइयं गीयं	16	12
किणंतो कइओ होइ	35	14	कूवंतो कोलसुणएहिं	19	54
किण्हा नीला काऊ	34	56	के इत्थ खत्ता उवजोइया वा	12	18
किण्हा नीला य काऊ य	34	3	के ते जोई	12	43
किण्हा नीला य रुहिरा	36	73	के ते हरए	12	45
किमिणो सोमंगला चेव	36	129	केण अब्भाहओ लोगो?	14	22
किरियासु भूयगामेसु	31	12	केरिसो वा इमो धम्मो	23	11
किरियं अकिरियं विणयं	18	23	केसिमेवं बुवंतं तु	23	31
किरियं च रोयइ धीरे	18	33	केसीकुमार	23	9
किलिन्नगाए	2	36	केसीकुमार	23	16
किं तवं पडिवज्जामि	26	51	केसीकुमार	23	18
किंनामे किंगोत्ते	18	21	केसी गोयमओ निच्चं	23	88
किं माहणा! जोइसमारभंता	12	38	कोट्ठगं नाम उज्जाणं	23	8
कुक्कुडे सिंगिरीडी य	36	148	कोडीसहियमायामं	36	255
कुप्पवयणपासंडी	23	63	कोलाहलगभूयं	9	5
कुप्पहा बहवो लोए	23	60	को वा से ओसहं देइ	19	79
कुसग्गमेत्ता इमे कामा	7	24	कोसंबी नाम नगरी	20	18
कुसग्गे जह ओसविंदुए	10	2	कोहा वा जइ वा	25	24
कुसीललिंगं	20	43	कोहे माणे य	24	9
कुसं च जूवं	12	39	कोहो य माणो	12	14
कुहाडफरसुमाईहिं	19	66	कोहं माणं निगिण्हित्ता	22	47

कोहं च माणं च तहेव मायं	32	102

ख

खज्जूरमुद्दियरसो	34	15
खड्डुया मे चवेडा मे	1	38
खणमित्तसुक्खा	14	13
खणं पि मे	20	30
खतियगणउग्गरायपुत्ता	15	9
खलुंका जारिसा	8	195
खलुंके जो उ जोएइ	27	3
खवित्ता पुव्वकम्माइं	28	36
खाइत्ता पाणियं पाउं	19	81
खिप्पं न सक्केइ	4	10
खीर-दहि-सप्पिमाई	30	26
खुरेहिं तिक्खधाराहिं	19	62
खेत्तं वत्थुं हिरण्णं च	19	16
खेत्तं वत्थुं हिरण्णं च	3	17
खेत्ताणि अम्हं	12	13
खेमेण आगए	21	5

ग

गइलक्खणो उ धम्मो	28	9
गतभूसणमिट्ठं च	16	13
गब्भवक्कंतिया	36	197
गमणे आवस्सियं	26	5
गलेहिं मगरजालेहिं	19	64
गवासं मणिकुंडलं	6	5
गवेसणाए गहणे य	24	11
गंधओ जे भवे दुब्भी	36	29
गंधओ जे भवे सुब्भी	36	28
गंधओ परिणया जे उ	36	18
गंधस्स घाणं गहणं	32	49
गंधाणुगासाणुगए	32	53
गंधाणुरत्तस्स नरस्स एवं	32	58
गंधाणुवाएण परिग्गहेण	32	54
गंधे अतित्ते य परिग्गहंमि	32	55
गंधे विरत्तो मणुओ विसोगो	32	60
गंधेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं	32	50
गामाणुगामं रीयंतं	2	14
गामे नयरे तह रायहाणि	30	16
गारवेसु कसाएसु	19	91
गाहासोलसहिं	31	13
गिद्धोवमा उ नच्चाणं	14	47
गिरिं नहेहिं	12	26
गिरिं रेवतयं	22	33

गिहवासं परिच्चज्ज	35	2
गिहिणो जे	15	10
गुणाणमासओ दव्वं	28	6
गोमेज्जए य	36	76
गोयमे पडिरूवन्नू	23	15
गोयरग्गपविट्ठस्स	2	29
गोयं कम्मं	33	14
गोवालो भंडवालो वा	22	45

घ

घाणस्स गंधं गहणं	32	48
घोरासमं चइत्ताणं	9	42

च

चइत्ता भारहं वासं	18	36
चइत्ता भारहं वासं	18	38
चइत्ता भारहं वासं	18	41
चइत्ता विउलं रज्जं	14	49
चइऊण देवलोगाओ	9	1
चउत्थीए पोरिसीए	26	37
चउद्दस सागराइं	36	229
चउप्पया य परिसप्पा	36	180
चउरिंदिया उ जे जीवा	36	146
चउरिंगिणीए सेणाए	22	12
चउरंगं दुल्लहं	3	20
चउरिंदियकायमइगओ	10	12
चउरुड्ढलोए य दुवे समुद्दे	36	54
चउवीसं सागराइं	36	237
चउव्विहे वि आहारे	19	30
चक्कवट्टी महिड्ढीओ	13	4
चक्खुस्स रूवं गहणं	32	22
चक्खुमचक्खु	33	6
चक्खुसा पडिलेहित्ता	23	14
चत्तपुत्तकलत्तस्स	9	15
चत्तारि परमंगाणि	3	1
चत्तारि य गिहिलिंगे	36	53
चम्मे उ लोमपक्खी य	36	187
चरणविहिं पवक्खामि	31	1
चरित्तमायारगुणन्निए	20	52
चरित्तमोहणं	33	10
चरे पयाइं	4	7
चरंतं विरयं	2	6
चवेडमुट्ठिमाईहिं	19	67
चंदणगेरुयहंसगब्भे	36	77
चंदा सूरा य	36	209

चंपाए पालिए	21	1
चाउज्जामो य जो धम्मो	23	23
चिच्चाण धणं च भारियं	10	29
चिच्चा दुपयं	13	24
चिच्चा रट्ठं	18	20
चित्तमंतमचित्तं वा	25	25
चित्तो वि कामेहि	13	35
चिरं पि से	20	41
चीराजिणं नगिणिणं	5	21
चीवराइं विसारंती	22	34

छ

छच्चेव य मासाऊ	36	152
छज्जीवकाए असमारभंता	12	41
छव्वीस सागराइं	36	239
छन्दणा दव्वजाएणं	26	6
छंदं निरोहेण उवेइ मोक्खं	4	8
छिंदितु जालं	14	35
छिन्नाले छिंदइ सेल्लिं	27	7
छिन्नावाएसु	2	5
छिन्नं सरं भोमं अंतलिक्खं	15	7
छुहा तण्हा य	19	31

ज

जइ तं काहिसि भावं	22	44
जइ तं सि भोगे चइउं असत्तो	13	32
जइत्ता विउले जन्ने	9	38
जइ मज्झ कारणा एए	22	19
जइ सि रूवेण वेसमणो	22	41
जक्खे तहिं तिंदुगरुक्खवासी	12	8
जगनिस्सिएहिं	8	10
जणेण सद्धिं होक्खामि	5	7
जम्मं दुक्खं	19	15
जया य से सुही होइ	19	80
जया सच्चं परिच्चज्ज	18	12
जरा मरणकंतारे	19	46
जरा मरणवेगेणं	23	68
जलधन्ननिस्सिया जीवा	35	11
जस्सत्थि मच्चुणा सक्खं	14	27
जह कडुयतुंबगरसो	34	10
जह करगस्स फासो	34	18
जह गोमडस्स गंधो	34	16
जह तरुणअंबगरसो	34	12
जह तिगडुयस्स य रसो	34	11
जह परिणयंबगरसो	34	13

जह बूरस्स व फासो	34	19	जहा मिगस्स आयंको	19	78
जह सुरहिकुसुमगंधो	34	17	जहा य अग्गी	14	18
जह अग्गिसिहा दित्ता	34	39	जहा य अंडप्पभवा बलागा	32	6
जहाएसं समुद्दिस्स	7	1	जहा य किंपागफलाणं	32	20
जहाइण्णसमारूढे	11	17	जहा य तिण्णि वाणिया	7	14
जहा इहं अगणी	19	47	जहा य भोई तणुयं भुयंगो	14	34
जहा इहं इमं सीयं	19	48	जहा लाहो तहा लोहो	8	17
जहा उ पावगं	30	1	जहा वयं धम्मं	14	20
जहा करेणुपरिकिण्णे	11	18	जहा सागडिओ	5	14
जहा कागणिए	7	11	जहा सा दुमाण पवरा	11	27
जहा किंपागफलाणं	19	17	जहा सा नईण पवरा	11	28
जहा कुसग्गे उदगं	7	23	जहा सुणी पूइकण्णी	1	4
जहा गेहे पलित्तंमि	19	22	जहा से उडुवई चंदे	11	25
जहा चंदं गहाईया	25	17	जहा से कंबोयाणं	11	16
जहा तुलाए तोलेउं	19	41	जहा से खलु उरब्भे	7	4
जहा दुक्खं भरेउं जे	19	40	जहा से चाउरंते	11	22
जहा दवग्गी पउरिंधणे वणे	32	11	जहा से तिक्खसिंगे	11	19
जहा पोम्मं	25	27	जहा से नगाण पवरे	11	29
जहा बिरालावसहस्स	32	13	जहा से वासुदेवे	11	21
जहा भुयाहिं	19	42	जहा से सयंभूरमणे	11	30
जहा महातलायस्स	30	5	जहा से सहस्सक्खे	11	23
जहा मिए एग अणेगचारी	19	83	जहा से सामाइयाणं	11	26

जहा संखंमि पंयं	11	15	जा पम्हाए ठिई खलु	34	55
जहित्ता पुव्वसंजोगं	25	29	जायरूवं जहा मट्ठं	25	21
जहित्त संगं	21	11	जारिसा माणुसे	19	73
जहेह सीहो	13	22	जारिसा मम सीसाओ	27	16
जं किंचि आहार पाणगं	15	12	जाव न एइ आएसे	7	3
जं च मे पुच्छसी काले	18	32	जावंताविज्जा पुरिसा	6	1
जं नेइ जया रत्तिं	26	19	जा सा अणसणा मरणे	30	12
जं मे बुद्धाणुसासंति	1	27	जिणवयणे	36	260
जं विवित्तमणाइण्णं	16	1	जिणे पासित्ति नामेणं	23	1
जाईजरा मुच्चुभयाभिभूया	14	4	जिब्भाए रसं गहणं वयंति	32	61
जाईपराजिओ खलु	13	1	जीमूयनिद्धसंकासा	34	4
जाईमय पडिबद्धा	12	5	जीवा चेव अजीवा य	36	2
जाईसरणे समुप्पन्ने	19	8	जीवाजीवविभत्तिं	36	1
जाइं सरित्तु	9	2	जीवाजीवा य बंधो य	28	14
जा उ अस्सावणी	23	71	जीवियं चेव	18	13
जा किण्हाए ठिई खलु	34	49	जीवियंतं तु संपत्ते	22	15
जा चेव य आउठिई	36	167	जे आययसंठाणे	36	46
जा जा वच्चइ रयणी	14	24	जे इंदियाणं	32	21
जा जा वच्चइ रयणी	14	25	जे के इमे पव्वइए	17	1
जाणामि संभूय!	13	11	जे केई उ पव्वइए	17	3
जा तेऊए ठिई खलु	34	54	जे केइ पत्थिवा तुब्भं	9	32
जा नीलाए ठिई खलु	34	50	जे केइ सरीरे	6	11

जे गिद्धे कामभोगेसु	5	5
जेट्ठामूले आसाढसावणे	26	16
जेण पुणो जहाइ	15	6
जे य मग्गेण गच्छंति	23	61
जे य वेयविऊ विप्पा	25	7
जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं	32	25
जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं	32	38
जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं	32	51
जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं	32	64
जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं	32	77
जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं	32	90
जे यावि होइ निव्विज्जे	11	2
जे लक्खणं सुविण पउंजमाणे	20	45
जे वज्जए एए सया उ दोसे	17	21
जे समत्था समुद्धत्तुं	25	8
जे समत्था समुद्धत्तुं	25	12
जे समत्था समुद्धत्तुं	25	15
जेसिं विउला	7	21
जेसंखया तुच्छ परप्पवाई	4	123
जो अत्थिकायधम्मं	28	27
जो जस्स उ आहारो	30	15
जो जिणदिट्ठे भावे	28	18
जो न सज्जइ	25	20
जो पव्वइत्ताण	20	39
जोयणस्स उ जो तत्थ	36	62
जो लोए बंभणोवुत्तो	25	19
जो सहस्सं सहस्साणं	9	34
जो सहस्सं सहस्साणं	9	40
जो सुत्तमहिज्जंतो	28	21
जो सो इत्तरियतवो	30	10

ठ

ठाणा वीरासणाईया	30	27
ठाणे निसीयणे चेव	24	24
ठाणे य इइ के वुत्ते	23	82

त

तइयाए पोरिसीए	26	32
तओ आउपरिक्खीणे	7	10
तओ कल्ले पभायम्मि	20	34
तओ कम्मगुरू जन्तु	7	9
तओ काले अभिप्पेए	5	31
तओ केसिं बुवंतं तु	23	25
तओ जिए सइं होइ	7	18
तओ तेणज्जिए	18	16

तओ पुट्ठो आयंकेणं	5	11
तओ पुट्ठो पिवासाए	2	4
तओ बहूणि वासाणि	36	254
तओ संवच्छरद्धं तु	36	254
तओ से जायंति	32	105
तओ से दंडं समारभई	5	8
तओ से पुट्ठे	7	2
तओ से मरणंतम्मि	5	16
तओ से पहसिओ राया	10	10
तओ हं एवमाहंसु	10	31
तण्हाकिलंतो	19	59
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो	32	30
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो	32	43
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो	32	56
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो	32	69
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो	32	82
तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो	32	95
तत्ताइं तंबलोहाइं	19	68
तत्तो य वग्ग वग्गो	30	11
तत्तो वि य उव्वट्टित्ता	8	15
तत्थ आलंबणं	14	5
तत्थ ठिच्चा जहाठाणं	3	16
तत्थ पंचविहं नाणं	28	4
तत्थ सिद्धा महाभागा	36	63
तत्थ से चिट्ठमाणस्स	2	21
तत्थ सो पासइ	20	4
तत्थिमं पढमं ठाणं	5	4
तत्थोववाइयं ठाणं	5	13
तम्मेव य नक्खत्ते	26	20
तम्हा एएसि कम्माणं	33	25
तम्हा एयासि लेसाणं	34	61
तम्हा विणयमेसिज्जा	1	7
तम्हा सुयमहिट्ठिज्जा	11	32
तमंतमेणेव उ से असीले	20	46
तवनारायजुत्तेणं	9	22
तवस्सियं किसं दंतं	25	22
तवो जोई जीवो जोइठाणं	12	44
तवो य दुविहो	28	34
तवोवहाणमादाय	2	43
तसमाणे वियाणित्ता	25	23
तस्सक्खेवपमुक्खं तु	25	13
तस्स पाए	20	7
तस्स मे अप्पडिकंतस्स	13	29
तस्स रूववइं भज्जं	21	7

तस्स रूवं	20	5	तं पुव्वनेहेण	13	15
तस्स लोगपईवस्स	23	2	ताणि ठाणाणि	5	28
तस्स लोगपईवस्स	23	6	तालणा तज्जणा चेव	19	32
तस्सेस मग्गो	32	3	तिण्णुदही पलिओवम	34	42
तसाणं थावराणं	35	9	तिण्णेव अहोरत्ता	36	113
तहा पयणुवाई य	34	30	तिण्णेव सहस्साइं	36	122
तहियाणं तु भावाणं	28	15	तिण्णेव सागरा य	36	161
तहियं गंधोदयपुप्फवासं	12	36	तिण्णो हु सि	10	34
तहेव कासिराया	18	49	तियं मे अंतरिच्छं च	20	21
तहेव भत्तपाणेसु	35	10	तिव्वचंडप्पगाढाओ	19	72
तहेव विजयो	18	50	तिविहो व नवविहो वा	34	20
तहेव हिंसं अलियं	35	3	तिंदुअं नाम उज्जाणं	23	4
तहेवुग्गं तवं किच्चा	18	51	तीसे य जाईइ उ पावियाए	13	19
तं एक्कगं	13	25	तीसे सो वयणं	22	46
तं ठाणं सासयं वासं	23	84	तीसं तु सागराइं	36	241
तं पासिऊण	21	9	तुज्झं सुलद्धं	20	55
तं पासिऊण	12	4	तुट्ठे य विजयघोसे	25	37
तं पे(दे) हइ	19	6	तुट्टो य सेणिओ	20	54
तं विंतम्मापियरो	19	24	तुब्भे जइया	25	38
तं विंतम्मापियरो	19	75	तुब्भेत्थ भो	12	15
तं लयं सव्वसो छित्ता	23	46	तुब्भे समत्था	25	39
तं सि नाहो	20	56	तुलियाण बालभावं	7	30

तुलिया विसेसमादाय	5	30
तुह पियाइं	19	69
तुहं पिया सुरा	19	70
तेइंदियकायमइगओ	10	11
तेइंदिया उ जे जीवा	36	136
तेउक्कायमइगओ	10	7
तेऊ पम्हा सुक्का	34	57
तेऊ वाऊ य बोद्धव्वा	36	107
तेगिच्छं नाभिनंदेज्जा	2	33
ते घोररूवा	12	25
ते कामभोगेसु असज्जमाणा	14	6
तेणं परं वोच्छामि	34	51
तेणावि जं	18	17
तेणे जहा	4	3
तेत्तीस सागरा उ	36	166
तेत्तीस सागराइं	36	243
ते पासे सव्वसो छित्ता	23	41
ते पासिया	12	30
ते मे तिगिच्छं	20	23
तेवीसाइ सूयगडे	31	16
तेवीस सागराइं	36	234
तेसिं पुत्ते	19	2
तेसिं सोच्चा	5	29
तो नाणदंसणसमग्गो	8	3
तो वंदिऊण	9	60
तोसिया परिसा सव्वा	23	89
तोऽहं नाहो	20	35

थ

थलेसु बीयाइं ववंति कासगा	12	12
थावरं जंगमं चेव	6	6
थेरे गणहरे गग्गे	27	1

द

दट्ठूण रहनेमिं तं	22	39
दवग्गिणा जहा रण्णे	14	42
दवदवस्स चरई	17	8
दव्वओ खेत्तओ	24	6
दव्वओ खेत्तओ	36	3
दव्वओ चक्खुसा	24	7
दव्वाण सव्वभावा	28	24
दव्वे खेत्ते काले	30	24
दस उदही पलिओवम	34	43
दस चेव सहस्साइं	36	102
दस चेव सागराइं	36	223

दसण्णरज्जं मुदियं	18	44
दस चेव नपुंसएसु	36	51
दस वाससहस्साइं	34	53
दस वाससहस्साइं	34	41
दस वाससहस्साइं	34	48
दस सागरोवमाऊ	36	162
दसहा उ भवणवासी	36	205
दंडाणं गारवाणं च	31	4
दंतसोहणमाइस्स	19	27
दंसणनाणचरित्ते	28	25
दाणे लाभे य भोगे य	33	15
दाराणि य सुया चेव	18	14
दासा दसण्णे आसी	13	6
दिवस्स चउरो भागे	26	11
दिवसस्स पोरिसीणं	30	20
दिगिंछापरिगए देहे	2	2
दिव्वमाणुसतेरिच्छं	25	26
दिव्वे य जे	31	5
दीवे य इइ के वुत्ते ?	23	67
दीसंति बहवे	23	40
दीहाउया इड्ढिमंता	5	27
दुक्करं खलु भो निच्चं	2	28
दुक्खं हयं जस्स न होइ मोहो	32	8
दुज्जए कामभोगे य	16	14
दुद्ध-दही विगईओ	17	15
दुप्परिच्चया इमे कामा	8	6
दुमपत्तए पंडुरए जहा	10	1
दुल्लहे खलु माणुसे भवे	10	4
दुविहं खवेऊण य पुण्णपावं	21	24
दुविहा आउजीवा उ	36	84
दुविहा पुढवी जीवा उ	36	70
दुविहा तेउजीवा उ	36	108
दुविहा ते भवे	36	171
दुविहा वणस्सई	36	92
दुविहा वाउजीवा	36	117
दुहओ गई बालस्स	7	17
देव दाणव गंधव्वा	16	16
दव-दाणव-गंधव्वा	23	20
देव-मणुस्सपरिवुडो	22	22
देवलोगचुओ संतो	19	8
देवसियं च	26	40
देवा चउव्विहा वुत्ता	36	204
देवा भवित्ताण पुरे भवंमि	14	1
देवाभिओगेण निओइएणं	12	21

देवा य देवलोगम्मि	13	7
देवे नेरइए	10	14
दो चेव सागराइं	36	222

ध

धण धन्न पेसवग्गेसु	19	29
धणं पभूयं	14	16
धणुं परक्कमं किच्चा	9	21
धणेण किं धम्मधुराहिगारे	14	17
धम्मज्जियं च ववहारं	1	42
धम्मत्थिकाए	36	5
धम्मलद्धं मियं काले	16	8
धम्माधम्मागासा	36	8
धम्माधम्मे	36	7
धम्मारामे चरे	16	15
धम्मे हरए	12	46
धम्मो अधम्मो आगासं	28	7
धम्मो अधम्मो आगासं	28	8
धम्मं पि हु	10	20
धिरत्थु ते जसोकामी	22	42
धीरस्स पस्स	7	29

न

न इमं सव्वेसु	19	95
न कज्जं मज्झ	25	40
न कामभोगा समयं उवेन्ति	32	101
न कोवए आयरियं	1	40
नच्चा उप्पइयं दुक्खं	2	32
नच्चा नमइ मेहावी	1	45
न चित्ता तायए भासा	6	10
नट्टेहि गीएहि	13	14
न तस्स दुक्खं	13	23
न तं अरी कंठछेत्ता करेइ	20	48
न तुज्झ भोगे	13	33
न तुमं जाणे अणाहस्स	20	16
नत्थि चरित्तं सम्मत्तविहूणं	28	29
नत्थि नूणं परे लोए	2	44
न न्नत्थं पाणहेउं वा	25	10
न पक्खओ न पुरओ	1	18
नमी नमेइ अप्पाणं	9	61
नमी नमेइ अप्पाणं	18	45
न मे निवारणं अत्थि	2	7
न य पावपरिक्खेवी	11	12
नरिंद ! जाई अहमा नराणं	13	18
न रूव लावण्ण विलासहासं	32	14

न लवेज्ज पुट्ठो सावज्जं	1	25	नाणा रुइं च छंदं च	18	30
न वा लभेज्जा	32	5	नाणावरणं पंचविहं	33	4
न वि जाणासि वेयमुहं	25	11	नाणेण जाणइ	28	35
न वि मुंडिएण समणो	25	31	नाणेण दंसणेणं च	22	26
न सयं गिहाइं	35	8	नादंणिस्स नाणं	28	30
न संतसे न वारेज्जा	2	11	नापुट्ठो वागरे किंचि	1	14
न सा ममं नो वि	27	22	नामकम्मं च गोयं च	33	3
न हु जिणो अज्ज दीसई	10	31	नामकम्मं तु दुविहं	33	13
न हु पाणवहं	8	8	नामाइं वण्णरसगंध	34	2
नहेव कुं चा समइक्कमंता	14	36	नारीसु नोवगिज्झेज्जा	8	19
नंदणे सो उ पासाए	19	2	नावा य इइ	23	72
नाइ उच्चेव नीए वा	1	34	नासीले न विसीले	11	5
नाइदूरमणासन्ने	1	33	नाहं रमे पक्खिणि पंजरे वा	14	41
नागो जहा पंकजलावसन्नो	12	30	निग्गंथे पावयणे	21	2
नागोव्व बंधणं छित्ता	14	48	निग्गंथो धिइमंतो	26	34
नाणस्स केवलीणं	36	265	निच्चकालप्पमत्तेणं	19	26
नाणस्स सव्वस्स	32	2	निच्चं भीएण	19	71
नाणस्सावरणिज्जं	33	2	निज्जूहिऊण आहारं	35	20
नाणं च दंसणं चेव	28	2	निद्दा तहेव	33	5
नाणं च दंसणं चेव	28	3	निद्धंधसपरिणामो	34	22
नाणं च दंसणं चेव	28	11	निम्ममे निरहंकारे	35	21
नाणा दुमलयाइण्णं	20	3	निम्ममो निरहंकारो	19	89

निरट्ठगंमि विरओ	2	42
निरट्ठिया नग्गरुई उ तस्स	20	49
निव्वाणं ति	23	83
निस्संते सियाऽमुहरी	1	8
निसग्गुवएसरुई	28	16
निस्संकिय निक्कंखिय	28	31
नीयावित्ती अचवले	34	27
नीलासोगसंकासा	34	5
नीहरंति मयं	18	15
नेरइय तिरिक्खाउं	33	12
नेरइया सत्तविहा	36	156
नेव पल्हत्थियं	1	19
नो इंदियग्गेज्झ अमुत्तभावा	15	19
न रक्खसीसु	8	18
नो सक्कियमिच्छइ	15	5

प

पइन्नवाई दुहिले	11	9
पइरिक्कुवस्सयं लद्धुं	2	23
पक्खंदे जलियं जोइं	22	42
पच्चयत्थं च लोगस्स	23	32
पडंति नरए	18	25
पडिक्कमित्तु निस्सल्लो	26	42
पडिलेहणं कुणंतो	26	29
पडिक्कमामि पसिणाणं	18	31
पडिलेहेइ पमत्ते	17	9
पडिणीयं च बुद्धाणं	1	17
पढमा आवस्सिया नामं	26	2
पढमे वए	20	19
पढमं पोरिसं सज्झाय	26	12
पढमं पोरिसं सज्झायं	26	18
पढमं पोरिसिं	26	44
पढमे वासचउक्कंमि	36	252
पणयालसयसहस्सा	36	59
पणवीस भावणासु	31	17
पणवीसं सागराइं	36	236
पणीयं भत्तपाणं तु	16	7
पत्तेयसरीराओ	36	95
पन्नरसतीसइविहा	36	197
पभूयरयणो राया	20	2
पयणुकोहमाणो य	34	29
परमत्थसंथवो वा	28	28
परिजुण्णेहि पत्थेहिं	2	12
परिजूरइ ते सरीरयं	10	21

परिजूरइ ते सरीरयं	10	22	पंकाभा धूमाभा	36	157
परिजूरइ ते सरीरयं	10	23	पंखाविहूणोध जहेव पक्खी	14	30
परिजूरइ ते सरीरयं	10	24	पंचमहव्वयजुत्तो	19	88
परिजूरइ ते सरीरयं	10	25	पंचमहव्वयधम्मं	23	87
परिजूरइ ते सरीरयं	10	26	पंचमी छंदणा नामं	26	3
परिमंडलसंठाणे	36	42	पंचसमिओ तिगुत्तो	30	3
परिव्वयंते अणियत्तकामे	14	14	पंतं सयणासणं भइत्ता	15	4
परीसहा दुव्विसहा अणेगे	21	17	पंताणि चेव सेवेज्जा	8	12
परीसहाणं पविभत्ती	2	9	पंचालराया	13	34
परेसु घासमेसेज्जा	2	30	पंचासवप्पवत्तो	34	21
पलालं फासुयं तत्थ	23	17	पंचिंदियाणि कोहं	9	36
परिओवममेगं तु	36	220	पंचिंदिय कायमइगओ	10	13
परिओवममेगं तु	36	221	पंचिंदियतिरिक्खाओ	36	170
पलिओवमस्स भागे	36	191	पंचिंदिया उ जे जीवा	36	155
पलिओवमं	34	52	पिंडोग्गह पडिमासु	31	9
पलिओवमाइं तिण्णि	36	201	पिंडोलएव्व दुस्सीले	5	22
पल्लोयाणुल्लया चेव	36	129	पियधम्मे दढधम्मे	34	28
पसिढिल पलंब लोला	26	27	पियपुत्तगा दुन्नि वि	14	5
पसुवंधा सव्ववेया	25	30	पिया मे	20	24
पहाय रागं	21	19	पिसाय भूयजक्खा	36	207
पहावंतं निगिण्हामि	23	56	पिहुंडे ववहरंतस्स	21	3
पहीणपुण्णस्स	14	29	पुच्छ भंते !	23	22

पुच्छामि ते	23	21
पुच्छिऊण	20	57
पुज्जा जस्स पसीयंति	1	46
पुट्ठो य दंसमसएहिं	2	10
पुढविक्कायमइगओ	10	5
पुढवी आउक्काए	26	30
पुढवी आउक्काए	26	31
पुढवी य	36	73
पुढवी साली	9	49
पुत्तो मे भाय नाइति	1	39
पुमत्तमागम्म	14	3
पुरिमा उज्जुजडा उ	23	26
पुरिमाणं दुव्विसोज्झो उ	23	27
पुरोहियं तं कमसोणुणंतं	14	11
पुव्वकोडि	36	176
पुव्विल्लंमि	26	21
पुव्विं च इति	12	32
पेडा य अद्धपेडा	30	19
पेसिया पलिउंचंति	27	13
पोल्लेव मुट्ठी	20	42
पोरिसीए	26	45
पोरिसीए	26	22
पोरिसीए	26	38
पोरिसीए	26	46

फ

फासओ	36	35
फासओ	36	36
फासओ	36	37
फासओ	36	38
फासओ	36	39
फासओ	36	40
फासओ	36	41
फासओ	36	42
फासस्स कायं गहणं	32	75
फासाणुगासाणुगए	32	79
फासाणुरत्तस्स नरस्स	32	84
फासुयंमि अणाबाहे	35	7
फासे अतित्ते	32	81
फासे विरत्तो	32	86
फासेसु जो गिद्धिं	32	76

ब

बला संडासतुंडेहिं	19	58
बहिया उड्ढमादाय	6	14

बहु आगमविण्णाणा	36	262
बहुं खु मुणिणो भद्दं	9	16
बहु माई पमुहरी	17	11
बहुयाणि उ वासाणि	19	95
बंभंमि नायज्झयणेसु	31	14
बायरा जे उ पज्झत्ता	36	118
बायरा जे उ पज्जत्ता	36	71
बायरा जे उ पज्जत्ता	36	85
बायरा जे उ पज्जत्ता	36	93
बायरा जे उ पज्जत्ता	36	109
बारसहिं जोयणेहिं	36	57
बारसंगविऊ बुद्धे	23	7
बारसेव उ वासाइं	36	251
बालमरणाणि बहुसो	36	261
बालस्स पस्स बालत्तं	7	28
बालाणं अकामं तु	5	3
बालाभिरामेसु	13	17
बालुयाकवले चेव	19	37
बालेहिं मूढेहिं	12	31
बावत्तरि कलाओ य	21	6
बावीस सहस्साइं	36	80
बावीस सागरा उ	36	165
बावीसं सागराइं	36	233
बुद्धस्स निसम्म भासियं	10	37
बुद्धे परिणिव्वुडे चरे	10	36
बेइंदियकायमइगओ	10	10
बेइंदिया उ जे जीवा	36	127

भ

भइणीओ मे	20	27
भणंता अकरेंता य	6	9
भवतण्हा लया वुत्ता	23	48
भाणू अ इइ के वुत्ते ?	23	77
भायरा य महाराय!	20	26
भारिया मे महाराय!	20	28
भावस्स मणं गहणं वयंति	32	88
भावाणुगासाणुगए य जीवे	32	92
भावाणुरत्तस्स नरस्स एवं	32	97
भावाणुवाएण परिग्गहेण	32	93
भावे अतित्तो य परिग्गहंमि	32	94
भावे विरत्तो मणुओ विसोगो	32	99
भावेसु जो गिद्धिमुवेइ	32	89
भिक्खालसिए एगे	27	10
भिक्खियव्वं न केयव्वं	35	15

भीया य सा	22	35
भुओरग परिसप्पा य	36	181
भुत्ता रसा	14	32
भुंज माणुस्सए भोगे	19	43
भूयत्थेणाहिगया	28	17
भोगामिसदोसविसन्ने	8	5
भोगे भोच्चा	14	44
भोच्चा माणुस्सए भोए	3	19

म

मएसु बंभगुत्तीसु	31	10
मग्गे य इइ	23	62
मच्चुणाब्भाहओ लोगो	14	23
मच्छा य	36	172
मज्झिमामज्झिमा	36	214
मणगुत्तो वयगुत्तो	12	3
मणगुत्तो वयगुत्तो	22	47
मणस्स भावं गहणं	32	87
मणपरिणामो	22	21
मणपल्हायजणणी	16	2
मणिरयणकोट्टिमतले	19	4
मणुया दुविहभेया उ	36	195
मणोगयं वक्कगयं	1	43
मणो साहसिओ	23	58
मणोहरं चित्तघरं	35	4
मत्तं च गंधहत्थि	22	10
मरणं पि	5	18
परिहिसि रायं!	14	40
महत्थरूवा वयणप्पभूया	13	12
महप्पभावस्स महाजसस्स	19	97
महाउदगवेगेण	23	65
महाजसो	12	23
महाजंतेसु उच्छू वा	19	53
महादवग्गिसंकासे	19	50
महामेहप्पसूयाओ	23	51
महासुक्का सहस्सारा	36	211
मंतं मूलं	15	8
मंताजोगं काउं	36	264
मंदा य फासा	4	12
माई मुद्धेण पडइ	27	6
मा गलियस्सेव कसं	1	12
माणुसत्ते असारंमि	19	14
माणुसत्तं भवे मूलं	7	16
माणुसत्तम्मि आयाओ	3	11

माणुस्सं विग्गं लद्धुं	3	8
मा य चंडालियं कासी	1	10
माया पिया	6	3
माया वि मे	20	25
माया वुइयमेयं तु	18	26
मासे मासे उ जे बाले	9	44
माहणकुल संभूओ	25	1
मा हु तुमं	14	33
मिउमद्दवसंपन्नो	27	17
मिए छुहित्ता	18	2
मिगचारियं	19	84
मिगचारियं	19	85
मिच्छादंसणरत्ता	36	259
मिच्छादंसणरत्ता	36	257
मित्तवं नाइवं होइ	3	18
मिहिलाए चेइए वच्छे	9	9
मिहिलं सुपरजणवयं	9	4
मुग्गरेहिं मुसंढीहिं	19	61
मुसं परिहरे	1	24
मुहपोत्तिं पडिलेहित्ता	26	23
मुहुत्तद्धं	34	34
मुहुत्तद्धं	34	35
मुहुत्तद्धं	34	36
मुहुत्तद्धं	34	37
मुहुत्तद्धं	34	38
मुहुत्तद्धं	34	39
मुहुं मुहुं मोहगुणे	4	11
मोक्खमग्गगइं तच्चं	28	1
मोक्खाभिकंखिस्स	32	17
मोणं चरिस्सामि	15	1
मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ	32	31
मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ	32	83
मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ	32	96
मोहणिज्जं पि दुविहं	33	8

र

रत्तिं पि चउरो भागे	26	17
रन्नो तहिं कोसलियस्स	12	20
रमए पंडिए	1	37
रसओ	36	29
रसओ	36	30
रसओ	36	31
रसओ	36	32
रसओ	36	33

रसस्स जिब्भं गहणं	32	62
रसंतो कंदुकुंभीसु	19	51
रसाणुगासाणुगए	32	66
रसाणुरत्तस्स नरस्स एवं	32	71
रसाणुवाएण	32	67
रसापगामं	32	10
रसे अतित्ते य परिग्गहंमि	32	68
रसे विरत्तो	32	73
रसेसु जो	32	63
रहनेमी अहं भद्दे !	22	37
राइयं च अईयारं	26	48
राईमई विचिंतेइ	22	29
राओवरयं	15	2
रागद्दोसादयो तिव्वा	23	43
रागं च दोसं	32	9
रागे दोसे	31	3
रागो दोसो	28	20
रागो य दोसो	32	7
राया सह देवीए	14	53
रूवस्स चक्खुं गहणं	32	23
रूवाणुगासाणुगए	32	27
रूवाणुरत्तस्स नरस्स	32	32
रूवाणुवाएण परिग्गहंमि	32	28
रूविणो चेव	36	4
रूवे अतित्ते य परिग्गहंमि	32	29
रूवे विरत्तो मणुओ	32	34
रूवेसु जो गिद्धिमुवेइ	32	24

ल

लद्धूण वि माणुसत्तणं	10	16
लद्धूण आरियत्तणं	10	17
लद्धूण उत्तमं सुइं	10	19
लया य इइ	23	47
वयाललया	36	95
लाभालाभे सुहे दुक्खे	19	90
लेसज्झयणं	34	1
लेसासु छसु	31	8
लोगेगदेसे	36	173
लोगेगदेसे	36	182
लोगेगदेसे	36	67
लोगेगदेसे	36	189
लोगस्स एगदेसंमि	36	158
लोगस्स एगदेसंमि	36	217
लोहि णीहू य थीहू य	36	98

व

वाएसु इंदियत्थेसु	31	7
वज्जरिसहसंघयणो	22	6
वण्णओ जे भवे किण्हे	36	22
वण्णओ जे भवे नीले	36	23
वण्णओ पीयए जो उ	36	25
वण्णओ लोहिए	36	24
वण्णओ सुक्किले	36	26
वणस्सइकायमइगओ	10	3
वत्तणालक्खणो कालो	28	10
वरवारुणीए	34	14
वरं मे अप्पा दंतो	1	16
वसे गुरुकुले णिच्चं	11	14
वहणे वहमाणस्स	27	2
वंके वंकसमायारे	34	25
वंतासी पुरिसो रायं !	14	38
वाइया संगहिया चेव	27	14
वाउक्कायमइगओ	10	8
वाएण हीरमाणंमि	9	10
वाडेसु य रत्थासु य	30	18
वाणारसीए बहिया	25	3
वायणा पुच्छणा चेव	30	34
वायं विविहं	15	15
वासाइं वारसा चेव	36	132
वासुदेवो	22	25
वासुदेवो	22	31
विगहा-कसाय-सन्नाणं	31	6
विगिंच कम्मुणो हेउं	3	13
विगिंच कम्मुणो हेउं	6	14
वित्थिन्ने दूरमोगाढे	24	18
विजहित्तु पुव्वसंजोगं	8	2
वित्ते अचोइए	1	44
वित्तेण ताणं	4	5
विभूसं परिवज्जेज्जा	16	9
वियरिज्जइ खज्जइ भूज्जइ	12	10
वियाणिया दुक्खविवद्धणं	19	98
विरई अबंभचेरस्स	19	29
विरज्जमाणस्स य	32	106
विवायं च उदीरेइ	17	12
विवित्तलयणाइ भएज्ज ताई	21	22
विवित्तसेज्जासणजंतियाणं	32	12
विसएहि अरज्जंतो	19	9
विसप्पे सव्वओधारे	35	12
विसं तु पीयं जह कालकूडं	20	44

विसालिसेहिं सीलेहिं	3	14
विंसदएहिं जालेहिं	19	65
वीसं तु सागराइं	36	231
वेएज्ज निज्जरापेही	2	37
वेमाणिया उ जे देवा	36	209
वेमायाहिं सिक्खाहिं	7	20
वेयण वेयावच्चे	26	33
वेयणीयंपि दुविहं	33	7
वेया अहीया न हवंति ताणं	14	12
वेयावच्चे निउत्तेणं	26	10
वेयाणं च मुहं बूहि	25	14
वोच्छिंद सिणेहमप्पणो	10	28

स

सइं च जइ मुच्चेज्जा	20	32
सकम्मसेसेण पुराकएणं	14	2
सक्खं खु दीसइ तवोविसेसे	12	37
सगरोवि सागरंतं	18	35
सच्चसोयप्पगडा	13	19
सच्चा तहेव मोसा य	24	22
सन्नाणनाणोवगए महेसी	21	23
सणंकुमारो मणुस्सिंदो	18	37
सत्तरससागराइं	36	228
सत्तरस सागरा उ	36	161
सत्तू य इइ	23	37
सत्तेव सहस्साइं	36	88
सत्तेव सागरा उ	36	162
सत्थगहणं विसभक्खणं च	36	267
सत्थं जहा परमतिक्खं	20	20
सद्दस्स सोयं गहणं वयंति	32	36
सद्दंधयारउज्जोओ	28	12
सद्दाणुगासाणुगए य जीवे	32	40
सद्दाणुरत्तस्स नरस्स एवं	32	45
सद्दाणुवाएण परिग्गहेण	32	41
सद्दा विविहा भवंति लोए	15	14
सद्दे अतित्ते य परिग्गहे य	32	42
सद्दे रूवे य गंधे य	16	10
सद्दे विरत्तो मणुओ विसोगो	32	47
सद्देसु जो गिद्धिमुवेइ	32	37
स देवगन्धव्वमणुस्सपूइए	1	48
सद्धं नगरं किच्चा	9	20
सन्नाइपिंड जेमेइ	17	19
सन्निहं च न कुव्वेज्जा	6	15
स पुव्वमेवं न लभेज्ज	4	9

समए वि संतइं पप्प	36	9	सरागे वीयरागे वा	34	32
समणा मु एगे वयमाणा	8	7	सरीरमाहु नाव त्रि	23	73
समणो अहं संजओ	12	9	सल्लं कामा विसं कामा	9	53
समणं संजयं दंतं	2	27	स वीयरागो कयसव्वकिच्चो	32	108
समयाए समणो होइ	25	32	सव्वजीवाण कम्मं तु	33	18
समयाए सव्वभूएसु	19	25	सव्वट्ठसिद्धगा चेव	36	216
समरेसु अगारेसु	1	26	सव्वभवेसु अस्साया	19	74
सम्मत्तं चेव मिच्छत्तं	33	9	सव्वं गंथं	8	4
सम्मद्दमाणे पाणाणि	17	6	सव्वं जगं	14	39
सम्मद्दंसणरत्ता	36	258	सव्वं तओ जाणइ पासए	32	109
समं च संथवं थीहिं	16	3	सव्वं विलवियं	13	16
सम्मं धम्मं वियाणित्ता	14	50	सव्वं सुचिण्णं सफलं	13	10
समागया बहू तत्थ	23	19	सव्वे ते विइया मज्झं	18	27
समावन्नाण संसारे	3	2	सव्वेसिं चेव कम्माणं	33	17
समिईहिं मज्झं	12	17	सव्वेहि भूएहि दयाणुकंपी	21	13
समिक्ख पंडिए तम्हा	6	2	सव्वोसहीहिं ण्हविओ	22	9
समुद्दगंभीरसमा दुरासया	11	31	ससरक्खपाए	17	14
समुयाणं उंछमेसिज्जा	35	16	संखंककुंदसंकासा	34	9
समुवट्ठियं तहिं संतं	25	6	संखंककुंदसंकासा	36	61
सयणासणठाणे वा	30	36	संखिज्जकालमुक्कोसं	36	133
सयणासणपाणभोयणं	15	11	संखिज्जकालमुक्कोसं	36	142
सयं गेहं परिच्चज्ज	17	18	संखेज्जकालमुक्कोसं	36	152

संजओ अहमस्सीति	18	10	सागरा अउणतीसं	36	240
संजओ चइउं रज्जं	18	19	सागरा इक्कवीसं	36	232
संजओ नाम नामेण	18	22	सागरा अट्ठवीसं	36	239
संजोगा विप्पमुक्कस्स	1	1	सागरा इक्कतीसं	36	242
संजोगा विप्पमुक्कस्स	11	1	सागरा इक्कवीसं	36	232
संठाणपरिणया जे उ	36	21	सागराणि य सत्तेव	36	224
संठाणओ भवे वट्टे	36	43	सागरा सत्तवीसं	36	238
संठाणओ भवे तंसे	36	44	सागरा साहिया	36	223
संठाणओ य चउरंसे	36	45	सागरोवममेगं तु	36	160
संथारं फलगं पीठं	17	7	सा पव्वइया	22	32
संपज्जलिया घोरा	23	50	सामाइयत्थ पढमं	28	32
संबुद्धो सो तहिं भयवं	21	10	सामायारिं पवक्खामि	26	1
संमुच्छिमाण	36	199	सामिसं कुललं दिस्स	14	46
संरंभ समारंभे	24	21	सारीरमाणसा चेव	19	45
संरंभ समारंभे	24	23	सारीरमाणसे	23	80
संरंभ समारंभे	24	25	सासणे विगयमोहाणं	14	52
संवट्टगवाए य	36	119	साहारण सरीरा उ	36	96
संसयं खलु सो कुणइ	9	26	साहियं सागरं एक्कं	36	219
संसारत्था उ जे जीवा	36	68	साहिया सागरा सत्त	36	225
संसारत्था य सिद्धा य	36	48	साहु गोयम! पन्ना ते	23	28
संसारमावन्न परस्स अट्ठा	4	4	साहु गोयम! पन्ना ते	23	34
सागरंतं जहित्ताणं	18	40	साहु गोयम! पन्ना ते	23	39

साहु गोयम! पन्ना ते	23	44	सुणिया भावं	1	6
साहु गोयम! पन्ना ते	23	49	सुणेह मे महाराय !	20	17
साहु गोयम! पन्ना ते	23	54	सुणेह मे एगग्गमणा	35	1
साहु गोयम! पन्ना ते	23	59	सुत्तेसु यावि पडिबुद्धजीवी	4	6
साहु गोयम! पन्ना ते	23	64	सुद्धेसणाओ नच्चाणं	8	11
साहु गोयम! पन्ना ते	23	69	सुयाणि मे	19	10
साहु गोयम! पन्ना ते	23	74	सुया मे नरए	5	12
साहु गोयम! पन्ना ते	23	79	सुवण्णरुप्पस्स उ पव्वया	9	48
साहु गोयम! पन्ना ते	23	85	सुसाणे सुन्नगारे वा	35	6
साहुस्स दरिसणे तस्स	19	7	सुसाणे सुन्नगारे वा	2	20
सिज्जा दढा पाउरणंमि	17	2	सुसंभिया कामगुणे इमे ते	14	31
सिद्धाणं नमो किच्चा	20	1	सुसंवुडा पंचहिं संवेरहिं	12	42
सिद्धाइगुणजोगेसु	31	20	सुहं वसामो जीवामो	9	14
सिद्धाणणंतभागो	33	24	सुहुमा सव्वलोगम्मि	36	111
सीया उण्हा य निद्धा य	36	20	सुहुमा सव्वलोगम्मि	36	78
सीओसिणा दंसमसा य	21	18	सुहोइओ तुमं पुत्ता !	19	34
सीसेण एयं	12	28	से चुए बंभलोगाओ	18	29
सुइं च लध्दुं	3	10	से नूणं मए	2	40
सुक्कज्झाणं	35	19	सोऊण तस्स वयणं	22	18
सुकडित्ति सुपक्किति	1	36	सोऊण तस्स सो धम्मं	18	18
सुग्गीवे नयरे रम्मे	19	1	सोऊण रायकन्ना	22	28
सुच्चाण मेहावी	20	51	सो कुंडलाण जुयलं	22	20

सोच्चा णं फरुसा भासा	2	25
सो तत्थ एवं पडिसिद्धो	25	9
सो तवो दुविहो वुत्तो	30	7
सो तस्स सव्वस्स दुहस्स	32	110
सो दाणिसिं राय !	13	20
सो देवलोगसरिसे	9	3
सो बेइ अम्मा	19	44
सो बेइ अम्मापियरो	19	76
सोयग्गिणा आयगुणिंधणेण	14	10
सोयस्स सद्दं गहणं	32	35
सोरिट्ठनेमिनामो उ	22	5
सोरियपुरम्मि	22	1
सोलसविहभेएण	33	11
सो वागकुलसंभूओ	12	1
सो वि अन्तरमासिल्लो	27	11
सोवीर रायवसभो	18	48
सोही उज्जुयभूयस्स	3	12
सो होइ अभिगमरुई	28	23

ह

हओ न संजले भिक्खू	2	26
हत्थागया इमे कामा	5	6
हत्थिणपुरंमि	13	38
हयाणीए गयाणीए	18	2
हरियालभेयसंकासा	34	8
हरियाले हिंगुलए	36	75
हासं किड्डं रइं दप्पं	16	6
हियं विगयभया बुद्धा	1	29
हिरण्णं सुवण्णं मणिमुत्तं	9	46
हिरिलीसिरिली	36	97
हिंगुलधाउसंकासा	34	7
हिंसे बाले मुसावाई	5	9
हिंसे बाले मुसावाई	7	5
हुआसणे जलंतम्मि	19	57
हेट्ठिमाहेट्ठिमा चेव	36	213
होमि नाही भयंताणं	20	21